राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार,28 नवंबर 2022 वर्ष–5,अंक–301 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गाजियाबाद में आग से 15 झोंपड़ी जलीं

धमाके से आसमान में उठता रहा आग का गुबार, इलाके में मची अफरा-तफरी

गाजियाबाद। भोपुरा इलाके में कबाड़ियों की झुग्गी-झोपड़ियों में भीषण आग लग गई। इस दौरान कई तेज धमाके हुए। पूरे इलाके में दहशत और अफरा-तफरी मच गई। दमकल की छह गाड़ियों ने घंटों मशक्कत कर आग पर काबू पाया। शुक्र रहा कि कोई जनहानि नहीं हुई। मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल सिंह के मुताबिक, टीला मोड़ थाना क्षेत्र में कृष्णा कुटी भोपुरा में सैकड़ों की तादात में झुग्गी-झोपड़ियां हैं। इन झुग्गियों में कबाड़ी रहते हैं। वे कूड़ा बीनने के बाद उन्हें इकट्ठा करके वहीं पर रख लेते हैं। रात करीब 12 बजे यहां कुछ झोपड़ियों में आग लग गई। इसके बाद आग फैलती चली गई। सूचना पर फायर फाइटर्स पहुंचे और बचाव-राहत कार्य शुरू कर दिया। आसमान में दूर से ही आग की लपटें दिखाई दे रही थीं। इस दौरान कई बार तेज धमाके हुए। ये धमाके ऐसे थे, जैसा आग में सिलेंडर फटने पर होते हैं। धमाकों के वक्त आग का विशाल गुबार आसमान में कई बार उठा। आग बढ़ती देख वैशाली, कोतवाली घंटाघर फायर स्टेशन से छह गाड़ियां बुलाई गईं। इन गाड़ियों ने लगातार कई बार पानी की बौछार की। घंटों बाद आग बुझ पाई। इस अग्निकांड में करीब 15 झुग्गी-झोपड़ियां जल गईं। फायर फाइटर्स ने आग को समय रहते रोक लिया,

वरना वहां बड़ी तादात में झोपड़ियां चपेट में आ सकती थीं। फायर फाइटर्स मान रहे हैं कि झोपड़ी में चूल्हे की राख से ये आग लग सकती है।

साक्षात्

म्यूजिक बजाकर मामू घर का माहौल शांत रखते हैं

मुम्बई। अमिताभ बच्चन की नातिन नव्या नवेली नंदा इन दिनों अपने पॉडकास्ट शो 'व्हाट द हेल नव्या' की वजह से चर्चा में बनी हुई हैं। हाल ही में उन्होंने पॉडकास्ट के लास्ट एपिसोड में इस बात का खुलासा किया है कि उनके मामा अभिषेक बच्चन घर के तनाव भरे माहौल को दूर कैसे करते हैं। नव्या के साथ जया और श्वेता ने भी बताया कि जब भी घर का माहौल गंभीर होता है तो अभिषेक म्यूजिक बजाते हैं। नव्या मामा अभिषेक के साथ अच्छा बॉन्ड शेयर करती हैं। पॉडकास्ट के लास्ट एपिसोड में नव्या के साथ उनकी नानी जया बच्चन और मां श्वेता नंदा भी थीं, जोकि शनिवार को रिलीज हुआ है। पॉडकास्ट के शुरूआत में नव्या ने कहा कि बच्चन परिवार के लोग परिवार के दूसरे लोगों के बारे में अपनी राय रखने से नहीं कतराते हैं। उन्होंने आगे कहा कि हमारी फैमिली में ऐसा माहौल है कि जहां हमारी बात सुनी जाती है, जहां हम अपनी राय रख सकते हैं और किसी भी चीज के बारे में बात कर सकते हैं। इसी बीच जया बच्चन ने नव्या से कहा, ह्यतुम कल रात खाने के समय पर डाइनिंग टेबल पर नहीं थी, तो तुमने बहुत सारी चीजें मिस कर दी। टेबल हम सभी किसी टॉपिक पर बात कर रहे थे।

बेंगलुरु-हावड़ा एक्सप्रेस ट्रेन के एक डिब्बे में आग लगी

बेंगलुरु। आंध्र प्रदेश के चित्तूर में बड़ा ट्रेन हादसा टल गया। बताया जा रहा है कि बेंगलुरु-हावड़ा एक्सप्रेस ट्रेन के एक डिब्बे में आग लग गई। काफी मशक्कत के बाद बाद यात्रियों को सुरक्षित बचाया गया। आग लगने के बाद स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग बुझाई जा रही है। विस्तृत विवरण की प्रतीक्षा है। भारतीय रेलवे के मुताबिक, हादसा सर एम विश्वेश्वरैया टर्मिनल-हावड़ा दुरंतो एक्सप्रेस के साथ हुआ। ट्रेन जब चित्तूर जिले (बेंगलुरु डिवीजन/एसडब्ल्यूआर) के कुप्पम स्टेशन के पास पहुंची, उसी दौरान ट्रेन के एक कोच में आग लग गई। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि ब्रेक ब्लॉक के घर्षण के कारण आग लगी।

पीएम मोदी के मन की बात में बापू का भजन

पीएम बोले- जी-20 की अध्यक्षता मिलना हर भारतीय के लिए गौरव की बात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रेडियो पर 'मन की बात' कार्यक्रम के 95वें ऐपिसोड के जरिए देश के लोगों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने जी-20 , भारत की स्पेस सेक्टर में जगह, दुनिया में बढ़ती भारतीय संगीत की लोकप्रियता सहित कई मुद्दों पर चर्चा की। कार्यक्रम में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का भजन भी प्ले किया गया। पीएम ने कहा कि हम बहुत तेजी से इस कार्यक्रम के शतक की तरफ बढ़ रहे हैं। यह कार्यक्रम मेरे लिए 130 करोड़ देशवासियों से जुड़ने का एक और माध्यम है। हर एपिसोड से पहले, गांव-शहरों से आए ढ़ेर सारे पत्रों को पढ़ना, बच्चों से लेकर बुजुर्गों के ऑडियो मैसेज को सुनना, ये मेरे

लिए एक आध्यात्मिक अनुभव की तरह होता है। पीएम ने सबसे पहले जी-20 का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले ही मुझे तेलंगाना से हरिप्रसाद गारू ने हाथ से जी-20 का लोगो बुनकर भेजा है। ये शानदार उपहार देखकर मैं हैरान रह गया। मेरे मन में विचार आया कि तेलंगाना में बैठा व्यक्ति जी-20 सम्मेलन से खुद को कितना जुड़ा हुआ महसूस करता है। उन्होंने कहा कि भारत एक दिसंबर से इतने बड़े समूह की अध्यक्षता करने जा रहा है। जी-20 की अध्यक्षता, हमारे लिए एक बड़ा मौका बनकर आई है। हमें इस मौके का पूरा उपयोग करते हुए विश्व कल्याण पर ध्यान केंद्रित करना है। चाहे शांति हो या एकता, पर्यावरण को लेकर संवेदनशीलता की बात हो, या फिर सतत विकास की, भारत के पास इनसे जुड़ी चुनौतियों का समाधान है। हमने(जी-20 के लिए) 'वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर' की जो थीम दी है, उससे वसुधैव कुटुम्बकम के लिए हमारी प्रतिबद्धता जाहिर होती है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत स्पेस के सेक्टर में अपनी सफलता अपने पड़ोसी देशों से भी शेयर कर रहा है। कल ही भारत ने एक सैटेलाइट लॉन्च की, जिसे भारत और भूटान ने मिलकर विकसित किया है। इस सैटेलाइट की लॉन्चिंग भारत-भूटान के मजबूत संबंधों का प्रतिबिंब है। ढट मोदी ने कहा कि ड्रोन के क्षेत्र में भी भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। कुछ दिन पहले हमने देखा कि कैसे हिमाचल प्रदेश के किन्नौर में ड्रोन के जरिए सेब ट्रांसपोर्ट किए गए। भारतीय संगीत की लोकप्रियता दुनिया में बढ़ रही भारतीय संगीत पर बात करते हुए पीएम ने कहा कि बीते 8 सालों में भारत से म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट का निर्यात साढ़े तीन गुना बढ़ गया है।

मुंबई एयरपोर्ट पर डीआरआई ने 50 करोड़ रु. की हेरोइन के साथ जिम्बाब्वे के दो नागरिक दबोचे

मुम्बई। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने यहां छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर जिम्बाब्वे के दो नागरिकों को 50 करोड़ रुपये मूल्य की 7.9 किलोग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने रविवार को इसकी जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि विशिष्ट सूचना के आधार पर, डीआरआई की मुंबई जोनल इकाई ने शुक्रवार को हवाईअड्डे पर जाल बिछाया और अदीस अबाबा (इथियोपिया) से यात्रा कर रहे एक पुरुष और एक महिला को रोका। उन्होंने कहा कि उनके सामान की तलाशी लेने पर टीम को उनके ट्रॉली बैग में हल्के भूरे रंग के पाउडर से भरे कुछ पैकेट मिले।

अधिकारी ने बताया कि पाउडर में हेरोइन होने की पुष्टि हुई है और प्रतिबंधित पदार्थ का वजन 7.9 किलोग्राम था। जब्त की गई हेरोइन की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में 50 करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा कि आरोपियों को नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया और एक विशेष अदालत ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अधिकारी ने कहा कि डीआरआई मामले में शामिल ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़ करने के लिए आगे की जांच कर रहा है। सीमा शुल्क विभाग की एयर इंटेलिजेंस यूनिट (एआईयू) ने कोच्चि हवाईअड्डे पर 48.5 लाख रुपये कीमत का 1192 ग्राम सोना जब्त किया है। आरोपी दुबई से आया था। यात्री के शरीर के अंदर छिपाए गए कैप्सूल में सोना पाया गया। सोने की तीन चेन भी बरामद की गई हैं।

सीएम योगी ने रामायण मेले का किया शुभारंभ

बोले- अयोध्या के विकास में धन की कमी नहीं होने देंगे

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी ने रविवार को सरयू तट स्थित रामकथा पार्क में 41वें रामायण मेले का शुभारंभ किया। इस मौके पर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास भी मौजूद रहे। यह मेला 30 नवंबर तक जारी रहेगा। इसके समापन समारोह की मुख्य अतिथि राज्यपाल आनंदीबेन पटेल होंगी। रामायण मेला में राम विवाह उत्सव का भी आयोजन किया जाएगा। इस बार रामायण मेला बेहद भव्य तरीके से आयोजित किया जा रहा है। इसके पहले अयोध्या के जीआईसी मैदान में अपने संबोधन में मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अयोध्या सप्तपुरी में से एक पुरी है। 500 वर्षों के इंतजार के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व मे राम मंदिर का निर्माण प्रारंभ हो चुका है। अयोध्या को दुनिया की सर्वोत्तम नगरी बनाना है। अयोध्या में केंद्र व प्रदेश की डबल इंजन सरकार की तीस हजार करोड़ की परियोजनाएं चल रही हैं। यहां आध्यात्मिक नगरी बनने के साथ ही भौतिक साधनों का भी उपलब्धता होगी। उन्होंने कहा कि अयोध्या में विकास के लिए धन की कमी नहीं होगी। उत्तर प्रदेश सरकार पूरी तत्परता के साथ कार्य कर रही है।

दीपोत्सव के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आगमन उनकी अयोध्या के प्रति अपार श्रद्धा और निष्ठा है। उन्होंने कहा कि 2017 के पहले बिजली आती ही नहीं थी और अब बिजली जाती नहीं है। आज पूरी अयोध्या एलईडी लाइट से जगमगा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या में सड़कों के चौड़ीकरण में जो व्यापारी विस्थापित हो रहे हैं हम उनका पुनर्वास भी करेंगे। अयोध्या से जुड़ने वाले सभी मार्गों को फोरलेन व सिक्स लेन से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने रामलला और हनुमानगढ़ी के दर्शन भी किए। मुख्यमंत्री योगी ने अयोध्या में विकास कार्यों की समीक्षा भी की और राम जन्मभूमि जाने वाले सभी तीन प्रमुख मार्गों के निर्माण में देरी को लेकर नाराजगी भी जताई। मुख्यमंत्री अयोध्या दौरे पर आयुक्त सभागार में अयोध्या विजन डॉक्यूमेंट 2047 की समीक्षा कर रहे थे। समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री का सर्वाधिक फोकस अन्य विकास कार्यों से ज्यादा श्रीराम जन्मभूमि को जाने वाले राम पथ, भक्त पथ और जन्मभूमि पथ पर था। उन्होंने इन पथों को जल्द से जल्द पूरा कराने के निर्देश अफसरों को दिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 40 दिन में तीसरी बार अयोध्या में रामलला और हनुमानगढ़ी का दर्शन-पूजन किया। इसके पहले 19 अक्टूबर को दीपोत्सव की तैयारी जानने मुख्यमंत्री अयोध्या पहुंचे थे। इस दिन उन्होंने रामलला और हनुमानगढ़ी का दर्शन किया। इसके उपरांत 23 अक्टूबर को दीपोत्सव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ भी उन्होंने दर्शन किया था। 24 को पुनः मुख्यमंत्री ने रामलला और हनुमानगढ़ी में शीश झुकाकर सुख-समृद्धि की कामना की थी। इसके उपरांत रविवार (27 नवम्बर) को गोरक्षपीठाधीश्वर ने अयोध्या पहुंचने के दौरान दर्शन किया। रविवार सुबह मुख्यमंत्री के आगमन के मद्देनजर बाजार बंदी का आह्वान करने वाले व्यापारी नेताओं को नजरबंद किया गया। व्यापारी नेताओं को घर पर ही हाउस अरेस्ट किया गया। इस कड़ी में व्यापारी नेता नंद कुमार गुप्ता नंदू और पंकज गुप्ता को हाउस अरेस्ट किया गया है।

तेज रफ्तार स्कूटी डिवाइडर से टकराई, भाई-बहन की दर्दनाक मौत, एक की हालत गंभीर

उन्नाव। जिले में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर तेज रफ्तार स्कूटी अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में स्कूटी सवार तीन भाई बहन गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस और यूपीडा की टीम ने घायलों को एम्बुलेंस से स्वास्थ्य केंद्र लाई। डॉक्टर ने छोटे भाई बहनों को मृत घोषित कर दिया। वहीं, बड़ी बहन की हालत गंभीर देख लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। अंबेडकरनगर जिले के थाना जहांगीरगंज निवासी शेषनाथ मिश्र की बेटी नेहा (20) छोटे भाई अविनाश (18) और साक्षी (16) के साथ नोएडा में रहने वाली बड़ी बहन काजल के घर जा रही थी। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर औरास थाना क्षेत्र के अटिया टोल प्लाजा से करीब एक किलोमीटर आगे पंचमखेड़ा गांव के निकट सुबह करीब 10:30 बजे स्कूटी अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। घटना में तीनों भाई बहन गंभीर रूप से घायल हो गए। यूपीडा की टीम और पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और तीनों घायलों को स्वास्थ्य केंद्र लाई। डॉक्टर ने अविनाश और साक्षी को मृत घोषित किया।

असम-मेघालय बार्डरः हिंसा के छह दिन बाद भी सीमा पर धारा 144 लागू, असम ने हटाया यात्रा प्रतिबंध

नई दिल्ली।असम-मेघालय हिंसा के छह दिन होने के बावजूद प्रशासन ने धारा 144 लागू कर रखी है। सीमा पर तनाव की आशंका के बीच भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है। वहीं पहले से चल रहे यात्रा प्रतिबंध अब भी जारी है। मंगलवार को हुई इस घटना के बाद असम पुलिस ने लोगों से पड़ोसी राज्य की यात्रा करने से बचने को कहा है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि मेघालय में अभी भी स्थिति पूरी तरह से शांतिपूर्ण नहीं है। असम से लोगों या वाहनों पर हमले हो सकते हैं। इसलिए, हम लोगों से उस राज्य की यात्रा नहीं

करने के लिए कह रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर किसी को यात्रा करनी ही है तो हमने उन्हें मेघालय में पंजीकृत वाहनों से जाने को कहा है। गुवाहाटी और कछार जिले के जोरबाट में पुलिस बैरिकेड्स लगाए गए हैं जो असम से मेघालय में प्रवेश के दो मुख्य बिंदु हैं। अधिकारी ने कहा कि ट्रकों, सामान और अन्य सामान ले जाने वाले वाणिज्यिक वाहनों पर हालांकि कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया है। मेघालय के डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) डॉ. एल.आर.बिश्नोई ने कहा कि घटना की जांच के लिए मेघालय ने एसआईटी का गठन किया है। उन्होंने कहा, सात सदस्यीय एसआईटी का नेतृत्व आईडी स्तर का अधिकारी करेगा। हम हालात पर नजर बनाए हुए हैं। गुरुवार को कुछ छिटपुट घटनाएं हुईं थी, जिस पर काबू पा लिया गया था। उन्होंने खुद घटनास्थल का दौरा किया। अब वहां पर हालात सामान्य है लेकिन सुरक्षाबलों को तैनात किया गया है।

मैनपुरी के मतदाताओं का मन टटोल रहा संघ, अनुषांगिक संगठन भी हुए सक्रिय

लखनऊ। मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव की सरगर्मी हररोज बढ़ती जा रही है। मंचों से सपा और भाजपा के नेता एक-दूसरे पर निशाना साध रहे हैं। चुनावी शोर के बीच बगैर किसी शोरगुल के आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) पर्दे के पीछे रहकर चुनावी माहौल भांपने के लिए मतदाताओं का मन टटोल रही है। घर-घर जाकर करीब 16 सौ शाखा स्वयंसेवक चुनावी चर्चा कर रहे हैं। उपचुनाव में मुकाबला सपा और भाजपा के बीच है। दोनों ही दल सीट को जीतने के लिए जी-जान लगाए हुए हैं। मतदाताओं को लुभाने के लिए दोनों दलों के नेता एक-दूसरे पर हमला बोल रहे हैं। नेता जितने शोरगुल के साथ प्रचार कर रहे हैं, उतनी ही खामोशी के साथ आरएसएस मतदाताओं के बीच जाकर उनके मन को टटोल रहा है। आरएसएस की ओर से सुबह चाय पर चर्चा हो रही है तो वहीं दोपहर और रात के भोजन

पर चर्चा करके माहौल को भांपा जा रहा है। शाखा स्वयंसेवकों के साथ ही प्रचारक और विस्तारक के साथ ही अन्य पदाधिकारी हररोज घर-घर जाकर जनसंपर्क कर रहे हैं। चुनाव में आरएसएस के साथ उसके अनुषांगिक संगठन भी सक्रिय हैं। विहिप, रोजगार भारतीय, क्रीड़ा भारतीय, सैनिक भारतीय, समरसता भारतीय आदि संगठनों के पदाधिकारी मतदाताओं के बीच जा रहे हैं। उन्हें मतदान के साथ ही बेहतर प्रत्याशी का चुनाव करने के लिए जागरूक कर रहे हैं। चुनाव प्रचार में समाजवादी पार्टी भी पीछे नहीं है। पार्टी हाईकमान ने जातिगत आधार पर पार्टी नेताओं को मैदान में उतारा है। दो सौ से अधिक पार्टी के दिग्गज नेता चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं। सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य को शाक्य वोट बैंक की किलेबंदी करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी तरह अन्य नेताओं को प्रचार में लगाया गया है। ये नेता अपनी जाति बाहुल्य क्षेत्रों में प्रचार कर रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

कबाड़ से मुक्ति

लगभग हर तीन-चार साल पर वाहन की टेक्नोलॉजी संद्धिधत हो जाती है, वाहन निर्माताओं की मजबूरी है, वो नए वाहनों को पर्यावरण अनुकूल बना रहे हैं। हमें समझना चाहिए कि खटारा हो चुके वाहनों का संचालन भी महंगा होता है, लेकिन नया वाहन और उस पर लगने वाले भारी टैक्स चुकाने के पैसे हर किसी के पास नहीं होते हैं।

ज्यादा पुराने और खटारा वाहनों को सड़कों से हटाना बहुत जरूरी है और उत्तर प्रदेश सरकार ने इस दिशा में कामयाबी के लिए जो प्रोत्साहन देने का फैसला किया है, वह स्वागतयोग्य है। उत्तर प्रदेश में पंद्रह साल से पुराने वाहनों को कबाड़ में जमा कराने के बाद एक प्रमाणपत्र दिया जाएगा और उस प्रमाणपत्र को दिखाकर एक साल के अंदर वाहन खरीदने पर रोड टैक्स में 15 प्रतिशत की रियायत मिलेगी। दरअसल, बिना रियायत लोग पुराने वाहनों को छोड़ने के लिए तैयार नहीं दिख रहे थे। कबाड़ की ज्यादा कीमत नहीं मिलती और उसके बाद नई गाड़ी खरीदना भी मजबूरी हो जाती है, अत- लोग कबाड़ हो चुके वाहन को ही किसी तरह से चलाते रहते हैं। ऐसे में, राज्य सरकार द्वारा दिया जा रहा प्रोत्साहन लोगों को कबाड़ से पीछा छुड़ाने के लिए प्रेरित करेगा। गौर करने की बात है कि पुराने वाहन जरूरत से ज्यादा प्रदूषण फैलाते हैं। लगभग हर तीन-चार साल पर वाहन की टेक्नोलॉजी संद्धिधत हो जाती है, वाहन निर्माताओं की मजबूरी है, वो नए वाहनों को पर्यावरण अनुकूल बना रहे हैं। हमें समझना चाहिए कि खटारा हो चुके वाहनों का संचालन भी महंगा होता है, लेकिन नया वाहन और उस पर लगने वाले भारी टैक्स चुकाने के पैसे हर किसी के पास नहीं होते हैं। अत: आने वाले दिनों में देश के दूसरे राज्यों को भी ज्यादा रियायत के साथ सामने आना होगा। दिल्ली में तो खटारा वाहन छोड़ने और नया खरीदने पर सड़क टैक्स में 25 प्रतिशत तक रियायत मिल जाती है। यह रियायत जरूरी है, तभी सरकार न्यायपूर्ण ढंग से लोगों को पुराने वाहनों से छुटकारा पाने और नए वाहन लेने के लिए प्रेरित कर पाएगी। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा है कि 15 साल पूरे कर चुके भारत सरकार के सभी वाहनों को रद्द कर दिया जाएगा और इस आशय की एक नीति राज्यों को भेज दी गई है। वास्तव में यह ज्यादा जरूरी है, जब पुराने सरकारी वाहन सड़कों से हटेंगे, तब आम लोग भी नैतिक रूप से दबाव महसूस करेंगे। किसी भी खटारा या पुरानी चीज को चलन से हटाने के लिए सरकार को ही नेतृत्व करना चाहिए। बहुत पुरानी चीजों का संचालन करते रहना भी अर्थव्यवस्था के लिए बोझ है। वास्तव में कबाड़ नीति को व्यापक बनाने की जरूरत है, ताकि हमारे स्वास्थ्य और जेब, दोनों का सही संरक्षण हो। गौर करने की बात है कि केंद्र सरकार की यह नीति है, 15 साल से पुराने सरकारी व वाणिज्यिक वाहनों और 20 साल से पुराने निजी वाहनों को परिचालन से हटा देना है। यह भी उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग ने राज्य में वाहन स्क्रेपिंग केंद्र स्थापित करने के लिए सबसे पहले, इसी साल 18 फरवरी से आवेदन आमंत्रित करने शुरू कर दिए थे। घोषणा कर दी गई थी कि कोई भी व्यक्ति, कंपनी, संस्था, ट्रस्ट आदि राज्य में वाहन स्क्रेपिंग केंद्र स्थापित करने के लिए आवेदन कर सकते हैं। स्क्रेपिंग या गाड़ियों के कबाड़ को लेने या खरीदने का व्यवसाय भी जरूरी है। गाड़ियों के निर्माण में इस्तेमाल होने वाले तत्वों का यथोचित निवारण जरूरी है। अभी स्थिति यह है कि देश में जगह-जगह कबाड़ के ढेर नजर आते हैं, उनके सही निस्तारण की सुविधा का विकास भी जरूरी है। अगर लोगों को पता लग जाए कि खटारा वाहनों को कहां यथोचित कीमत पर बेचा जा सकता है, तो लोग स्वयं आगे आएंगे। संगठित स्क्रेप उद्योग को भी प्रोत्साहन की जरूरत होगी। खटारा वाहनों से मुक्ति के लिए अभी बहुत कुछ करना होगा।

सूक्ति

जिस मनुष्य में आत्मविश्वास नहीं है, वह शक्तिमान होकर भी कायर है और पंडित होकर भी मूर्ख है।
- रामप्रताप

विश्व के निर्माण में जिसने सबसे अधिक संघर्ष किया है और सबसे अधिक कष्ट उठाए हैं वह माँ है।
- हर्ष मोहन

लॉफिंग ज़ोन

एक कवि ने अपनी कविता एक पत्रिका के सम्पादक को छपाने भेजी जिसका शीर्षक था 'मैं जिंदा क्यों हूं?'

सम्पादक ने उसकी कविता वापस भेजते हुए एक चिट अपनी ओर से लगा दी जिस पर लिखा था, 'इसलिए कि यह कविता आपने डाक द्वारा भेजी है।'

□ □ □

एक नेता जी का चुनाव निशान 'साइकिल' था। वह साइकिल पर सवार होकर वोट मांग रहे थे और लोंगो को अपना चुनाव निशान भी बताते जाते थे। एक घर के दरवाजे के बाहर बैठी बुढ़िया से उन्होंने कहा, 'माता जी मेरे साइकिल का ख्याल रखना।' बुढ़िया बोली, 'बेटा ताला लगाकर रखा करो आजकल चोरियां बहुत होती हैं।'

□ □ □

हर भगवान (नौकर से), 'तुम अच्छी तरह काम नहीं करते। मजबूरन अब मुझे दूसरा नौकर रखना पड़ेगा।'

नौकर, 'अवश्य रखिए हजूर। यह काम ही दो नौकरों का है।'

□ □ □

मरीज, 'डॉक्टर साहब आपके कहने पर मैंने फल छिलके समेत खा लिए। उसके कुछ देर बाद ही ऐसे दर्द शुरू हुआ कि जान निकलने को आ रही हैं।'

डॉक्टर, 'कौन-सा फल खाया?'

मरीज, 'नारियल का फल।'

मुनाफे के मंसूबे में चौथी हरित क्रांति की भ्रांति

वर्ष 1950-60 के दशक में शुरू हुई हरित क्रांति के समय भी अधिक पैदावार देने वाली फसलें, खाद, कीटनाशक एवं अधिक यांत्रिकीकरण के फायदे गिनाए थे, किंतु इसने दुनिया को खंडित भोजन प्रणाली दे डाली। ऐसे वक्त पर, जब दुनिया मौसम परिवर्तन आपातकाल से जूझ रही है, 'नेचर फूड' द्वारा किया अध्ययन दर्शाता है कि कुल वैश्विक ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में 34 फीसदी के लिए कृषि गतिविधियां उत्तरदायी हैं, इसके अलावा कुल उत्पादित एवं प्रसंस्कृत भोज्य पदार्थों का तीसरा हिस्सा अंतत: खड्डों में फेंका जा रहा है।

देविंदर शर्मा

वह सब जो हाल में पढ़ा, अगर सच है तो चौथी हरित क्रांति मौजूदा कृषि व्यवस्था का हुलिया बदल देगी। परिष्कृत कृषि तकनीकें, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस सहित रोबोटिक्स, डिजिटल तकनीक और सिंथेटिक भोजन इत्यादि है, आखिरकार भोजन प्रणाली के केंद्रीयकरण एवं नियंत्रण बनाने की ओर ले जाती हैं। फायदेमंद पहलू से, ये संभावनाएं शुरुआत में उत्साहित करती हैं, पर नुकसान के नजरिए से, ऐसे हालात बनेंगे कि किसान भी विलुप्त होती प्रजातियों में शामिल हो जाएगा। ब्रिटेन की क्रैनफील्ड यूनिवर्सिटी के डेविड क्रिश्चियन रोज़ और साथियों का कहना है : 'कृषि में नूतन खोजकर्ताओं के मौजूदा दावे भविष्यवाणी कर रहे हैं कि हम एक नई वैश्विक कृषि क्रांति के मुहाने पर हैं'। जिस तकनीक-चालित भोजन व्यवस्था सघनीकरण का इंतजार विश्व को है, डेविड और साथियों ने उसके परिणाम में खाद्य प्रणाली को होने वाले नफे-नुकसान का अध्ययन किया है। कनाडा स्थित एक गैर-मुनाफा अनुसंधान संस्था ईटीसी ग्रुप द्वारा तैयार 'फूड बैरॉन्स 2022' नामक एक हालिया रिपोर्ट बताती है कि यह नया रूपांतरण किस कदर भयावह हो सकता है। मौजूदा तृतीय कृषि क्रांति 3.0 के आगे की चाल इतनी तेज है कि इंसानी कदमताल से बाहर है। तेजी से बढ़ती वैश्विक जनसंख्या का पेट भरने में सक्षम होने का दावा कर रही यह नई कृषि क्रांति 4.0 यांत्रिकीकरण पर अत्यंत निर्भर है। ये शब्द ठीक वही हैं जो पहले की तीन कृषि क्रांतियों से पूर्व भी कहे गए थे। वर्ष 1950-60 के दशक में शुरू हुई हरित क्रांति के समय भी अधिक पैदावार देने वाली फसलें, खाद, कीटनाशक एवं अधिक यांत्रिकीकरण के फायदे गिनाए थे, किंतु इसने दुनिया को खंडित भोजन प्रणाली दे डाली। ऐसे वक्त पर, जब दुनिया मौसम परिवर्तन आपातकाल से जूझ रही है, 'नेचर फूड' द्वारा किया अध्ययन दर्शाता है कि कुल वैश्विक ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में 34 फीसदी के लिए कृषि गतिविधियां उत्तरदायी हैं, इसके अलावा कुल उत्पादित एवं प्रसंस्कृत भोज्य पदार्थों का तीसरा हिस्सा अंतत: खड्डों में फेंका जा रहा है। यदि भोज्य पदार्थों की बर्बादी को एक देश की तरह इकाई माना जाए, तो कुल वैश्विक ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन बढ़ाने वालों में इसका स्थान तीसरा होगा। यदि हरित क्रांति के सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय दुष्प्रभाव चौंकाने वाले हैं तो पहले इस खंडित व्यवस्था को दुरूस्त करना चुनौती है। लेकिन नवउद्यम-पूंजीपति निवेशक नई परिष्कृत कृषि तकनीकों में पैसा लगा रहे हैं, एक नई कृषि दुनिया बनाई जा रही है। कुछ उद्योगपति कह रहे हैं कि वे 'भूमि रहित कृषि उत्पादन उद्योग' का सृजन कर रहे हैं। यानी भोजन का उत्पादन अब फैक्टरियों में जमीन और किसान के बगैर होगा। अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद में खाद्य उद्योग का हिस्सा 1 ट्रिलियन डॉलर है, समझा जा सकता है कि क्यों खाद्य-उद्योगपति नई व्यवस्था बनाने में जोर लगा रहे हैं कि ताकि मनमाना मुनाफा कमाया जा सके। पहले ही, अमेरिकी भोजन उत्पाद व्यवस्था में खाद्य-उद्योगपति बड़े खिलाड़ी हैं, लेकिन यह पाकर कि भोजन पैदा करने की लागत बहुत अधिक है- प्रत्येक 1 डॉलर मूल्य का भोजन तैयार करने के पीछे 3 डॉलर मूल्य का प्राकृतिक स्रोत खपत होता है- उनके लिए टिकाऊ इंतजामों के जरिए अपनी बचत बढ़ाना लाजिमी बन गया है। भूमि इस्तेमाल बिना भविष्य का परिष्कृत कृषि उद्योग बनाने वालों का दावा है कि इससे जैव-विविधता बहाली और प्रकृति-पुनरुद्धार होगा। 3-डी प्रिंटिंग तकनीक से स्नैक्स बनाना, लैबोरेटरी-उत्पादित मांस और वर्टिकल फार्मिंग योजनाकारों को राजनीतिक-आर्थिक समर्थन मिल रहा है। ये तकनीकें भारी निवेश आकर्षित कर रही हैं। इन नई तकनीकों के प्रभाव, सामाजिक पहलू पर बहस करवाए बगैर ये चुनौतियां पार्श्व में चली जाएंगी। चूंकि खरबपति राजनीति पर नियंत्रण करते हैं और अपना एजेंडा चलवाने में भी समर्थ होते हैं, तो ऐसे में यदि उन्होंने पहले ही बड़ी मात्रा में निवेश कर डाला, कोई फैसला वापस लेना बहुत मुश्किल हो जाएगा। चंद खाद्य-उद्योगपतियों के हाथ में बहुत ज्यादा ताकत केंद्रित होने की वजह से उनको समाज के नियंत्रण में लाने में मुश्किल होगी। आखिर तकनीक विज्ञान समाज के लिए है। भोजन का उत्पादन कैसे हो, मुख्य उत्पादक और उपभोक्ता का फायदा किस में है, इसके नियंत्रण का अधिकार समाज के हाथ में बना रहे। यह जानते हुए कि असली लड़ाई आगे 'दांव लगाने वालों' और 'मौजूदा हितधारकों' के बीच रहेगी, यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि नई तकनीकी खोजों का परिचालन सामाजिक उत्तरदायित्व के पैमानों के भीतर बनाया जाए। इस दिशा में सार्वजनिक हित नीतियों में सुधार किया जाए। प्रत्येक कृषि क्रांति बहुत से वादों संग आगाज़ करती है। कृषि क्रांति 4.0 पिछली वालियों से इसलिए अलग है कि उपलब्ध डाटा का इस्तेमाल (या मनगढ़ंत बनाकर) कर यकीन दिलवा रही कि इससे वास्तव में औद्योगिक खाद्य मूल्य संवर्धन श्रृंखला सुदृढ़ बनेगी। जैसे-जैसे बड़े खिलाड़ियों के हाथ में तकनीक बेस्ड खाद्य श्रृंखला केंद्रित होती जाएगी वैसे-वैसे भोजन के साथ हमारा रूमानी रिश्ता, खासकर रिवायती भोजन से, टूटता जाएगा। क्या व कैसे पैदा करना है, यह तय करने शक्ति तकनीकी कंपनियों के हाथ में होगी। विज्ञापनों के जरिए लोगों को स्वाद बदलने या नई खाद्य आदतें पैदा करने को आसानी से बरगलाया जा सकता है। खाद्य पौष्टिकता विशेषज्ञ ऋतुजा दिवेकर ने एक दिन ट्वीट किया : 'मैं टीवी पर पाकिस्तान बनाम न्यूज़ीलैंड देख रही थी, और तीन चीज़ें सीखीं- पहली, खुश रहने के लिए हर बच्चे का नूड्ल्स खाना जरूरी है। दो, औरतों को आकर्षित करने के इच्छुक हर मर्द का डिओडोरेंट इस्तेमाल करना आवश्यक है। तीसरी, सफल लोग दारू पीते हैं (लेकिन चतुराई से इनका विज्ञापन सोडा या बोतलबंद पानी के रूप में किया जाता है'। क्योंकि मशहूर हस्तियां ऐसे संदिग्ध विज्ञापनों के जरिए वस्तु को प्रचारित करने को मान जाती हैं, जन मानस पर छाप डालना अपेक्षाकृत आसान हो जाता है। कृषि क्रांति 4.0 का उद्भव किस तरह किसानों, खेत मजदूरों के अधिकार हड़प लेगा, जिसका निदान वक्त पर छोड़ना नादानी होगी। चूंकि तकनीकी खोजें अनुमानित गति से तेज चल रही हैं, करोड़ों की संख्या में छोटे किसानों, मछलीपालक, पशुपालकों और खेत मजदूरों को इनके इस्तेमाल के लिए शिक्षित करना एक बहुत बड़ा काम होगा। सिविल सोसाइटी और बुद्धिजीवियों पर बड़ी जिम्मेवारी आन पड़ी है। यही भूमिका उपभोक्ता की भी है। अगली कृषि क्रांति किस दिशा में जा रही है, बतौर एक उपभोक्ता हमें सजग रहने की जरूरत है।

-लेखक खाद्य एवं कृषि मामलों के विशेषज्ञ हैं।

सिर्फ वेशभूषा बदली है, मेरा दिमाग नहीं बदला

हरिया आलवेकर, शिक्षिका

कुदरत ने इस दुनिया को जितनी भी नेमतें बख्शीं, हमने उन सबको अपने सिर-आंखों पर रखा, इसके लिए सृष्टि के रचयिता का बार-बार आभार भी जताया, मगर उसकी एक रचना को स्वीकारने में हम आज भी असहज हो जाते हैं। यह रचना है- थर्ड जेंडर! तरक्कीपसंद मुल्कों की सरकारों ने उन्हें तमाम वैधानिक हक तो दे दिए, मगर नागरिक समाज ने बराबर की हैसियत में उन्हें अभी तक नहीं कुबूला है। ऐसे में, महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग की शिक्षिका रिया आलवेकर की कहानी बताती है कि समाज का साथ मिले, तो इस वर्ग के लोग गरिमामय जीवन जी सकते हैं। रिया ने ट्रांसजेंडरों को एक इज्जत भरी जिंदगी जीने का रास्ता दिखाया है। आज से करीब 32 साल पहले एक लड़के के शरीर में पैदा रिया का नाम घर वालों ने प्रवीण रखा था। जाहिर है, स्कूल में दाखिला भी लड़कों की श्रेणी में हुआ और उनके साथ सामाजिक व्यवहार भी उसी के अनुरूप होता रहा। बचपन में कुछ खास फर्क महसूस नहीं हुआ। प्रवीण पढ़ने में अच्छे थे। अच्छे अंकों के साथ ऊपरी कक्षाओं की सीढ़ियां चढ़ते गए। मगर बढ़ती उम्र के साथ एक मोड़ आया, जब वह अपने ही शरीर में कुछ असहज थे। उन्हें सार्वजनिक शौचालयों के इस्तेमाल में हिचक महसूस होती थी। साथियों के उपहास या परिवार-समाज द्वारा दुत्कारे जाने के भय ने लगातार दबाव बनाए रखा और प्रवीण इस असहजता को सबसे छिपाते रहे। शरीर के नैसर्गिक विकास व सामाजिक मान्यताओं के बीच संघर्ष जारी रहा। कैसे अपनी मूल पहचान किसी के साथ साझा की जाए, इसी ऊहापोह में साल-दर-साल निकलते गए। हाईस्कूल के बाद जब वह कॉलेज पहुंचे, तो वही समस्या सामने थी। महिला शौचालय में वह जा नहीं सकते थे और पुरुष शौचालय में वह सहज नहीं थे। पीड़ादायक स्थिति थी। मगर बताते तो किससे? अलबत्ता, एक बात वह जान चुके थे कि अपनी पहचान को सार्वजनिक करने के लिए उन्हें अपने पैरों पर खड़ा होना होगा और आर्थिक-आत्मनिर्भरता सिर्फ शिक्षा से हासिल हो सकती है।

प्रवीण को यही लगता था कि परिवार और समाज उन्हें स्वीकार नहीं करेगा और ऐसे में काफी संघर्ष करना पड़ सकता है। अब उनका पहला लक्ष्य बेहतर अकादमिक रिकॉर्ड के जरिये एक स्थायी नौकरी का बंदोबस्त करना बन गया। डीएलएड की परीक्षा पास करने के बाद बतौर शिक्षक एक सरकारी स्कूल में नियुक्ति भी मिल गई थी। बच्चों को पढ़ाकर प्रवीण को एक अजीब-सा सुकून महसूस हुआ। उनके बीच वह अपने भीतर चल रहे द्वंद्व को एकदम भूल जाते थे, मगर घर लौटते ही मौजूदा पहचान से मुक्ति की बेचैनी बढ़ जाती। आशंका यह थी कि कहीं स्कूल प्रशासन और अभिभावकों को कोई आपत्ति न हो और वह निराधार न हो जाएं। इस सोच ने कुछ और वर्ष ले लिए। मगर जब कुछ पैसे इकट्ठा हो गए, तो एक दिन हिम्मत जुटाकर उन्होंने परिवार के लोगों पर अपनी वास्तविक पहचान उजागर कर दी। उनकी सच्चाई जान सब स्तब्ध रह गए थे। सन्नाटा टूटा, तो सवाल उठा, इस समस्या का निदान क्या है? प्रवीण ने दृढ़ता से कहा- कैद से मुक्ति! अपने लिए सहज जीवन। परिजन आसानी से मानने को तैयार न थे। लेकिन प्रवीण अपने को अब और छलावे में नहीं रखना चाहते थे। अंतत- परिवार ने उनकी पहचान स्वीकार कर ली। मगर समाज? परिवार के लोगों के लिए समस्याएं पैदा न हों, यह ख्याल करके प्रवीण ने खुद ही उनसे दूरी बना ली। मगर सवाल यह था कि जिस स्कूल में वह एक पुरुष शिक्षक के रूप में वर्षों से पढ़ाते आ रहे थे, वह उन्हें शिक्षिका के रूप में कैसे स्वीकार करे? अपनी असली पहचान के साथ बाकी जिंदगी जीने का दृढ़ संकल्प उन्हें सिंधुदुर्ग की जिलाधिकारी के मंजूलक्ष्मी के पास ले गया। उन्होंने जिलाधिकारी से सारी बातें बताईं। संवेदनशील जिलाधिकारी ने विभागीय आला अधिकारी से पूछा, प्रवीण की कैसे मदद की जा सकती है? तंत्र साथ खड़ा था, रास्ते निकाले जा चुके थे, तो 'जेंडर रिअसाइनमेंट सर्जरी' के बाद साल 2019 में 'प्रवीण' का कायांतरण 'रिया' में हो गया। तत्काल शिक्षिका पद की नियुक्ति देना मुनासिब न था। अत- जिला परिषद, सिंधुदुर्ग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रजीत नायर की निजी सहायक के रूप में रिया की नियुक्ति की गई। रिया की प्रतिबद्धता देखकर जल्द ही उनका पदस्थापन जिला परिषद के ओरोस बुद्रुक स्कूल में कर दिया गया। अपनी काबिलियत की बदौलत रिया मैडम जल्द ही बच्चों के बीच लोकप्रिय हो गईं। कक्षा के एक-एक बच्चे की शैक्षिक प्रगति को महत्व देकर उन्होंने अभिभावकों और शिक्षकों के बीच अपने लिए सम्मान अर्जित किया। बकौल रिया- 'यहां मेरी सिर्फ वेशभूषा बदली है, दिमाग नहीं बदला।' रिया की पहचान एक समर्पित शिक्षिका की बन चुकी है। स्कूल की प्रिंसिपल श्रुति मुंडले इसकी तस्दीक करती हैं, 'उनके पढ़ाने का तरीका काफी अच्छा है। हमें एक अच्छी शिक्षिका मिली हैं। उनके साथ किसी तरह का भेदभाव नहीं होना चाहिए। हमें उन्हें अलग नजरिये से नहीं देखना चाहिए।' रिया ने शिक्षक के मूल धर्म को आत्मसात कर लिया है। उनका एकमात्र लक्ष्य जाति-संप्रदाय और जेंडर से परे बच्चों को बस ज्ञान बांटना है। साल 2011 की जनगणना के मुताबिक, भारत में थर्ड जेंडर के लोगों की संख्या लगभग पांच लाख थी। यह वह आबादी है, जिसे समाज ने हाशिये पर डाल रखा है। सरकार और सुप्रीम कोर्ट ने इनके हक में कई फैसले किए हैं, मगर नागरिक समाज अब भी अपनी जगह ठिठका हुआ है। अगर सिंधुदुर्ग की जिलाधिकारी और ओरोस बुद्रुक स्कूल की प्रिंसिपल की तरह संजीदगी दिखाई जाए, तो कई रिया घुट-घुटकर मरने या भिक्षाटन करने के बजाय समाज के लिए उपयोगी साबित हो सकती हैं।

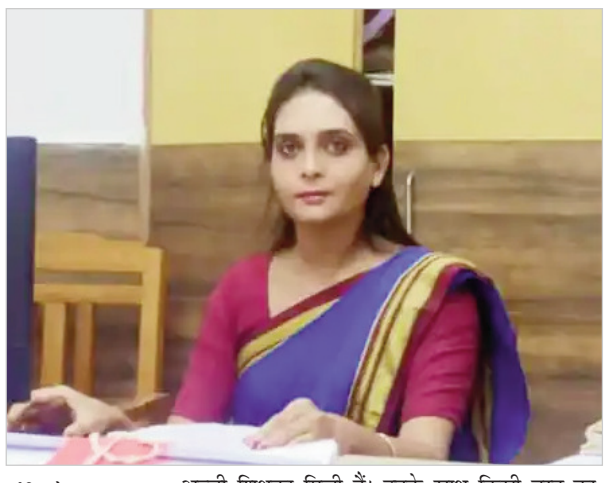

प्रस्तुति - चंद्रकांत सिंह

(चिंतन-मनन)

प्रयश्चित ही कर्म फल से मुक्ति का आधार है

यह ठीक है कि जिस व्यक्ति के साथ अनाचार बरता गया अब उस घटना को बिना हुई नहीं बनाया जा सकता। सम्भव है कि वह व्यक्ति अन्यत्र चला गया हो। ऐसी दशा में उसी आहत व्यक्ति की उसी रूप में क्षति पूर्ति करना सम्भव नहीं। किन्तु दूसरा मार्ग खुला है। हर व्यक्ति समाज का अंग है। व्यक्ति को पहुँचाई गई क्षति वस्तुत- प्रकारान्तर से समाज की ही क्षति है। उस व्यक्ति को हमने दुष्कर्मों से जितनी क्षति पहुँचाई है उसकी पूर्ति तभी होगी जब हम उतने ही वजन के सत्कर्म करके समाज को लाभ पहुँचाये। समाज को इस प्रकार हानि और लाभ का बैलेन्स जब बराबर हो जायेगा तभी यह कहा जायेगा कि पाप का प्रायश्चित हो गया और आत्मग्लानि एवं आत्मप्रताड़ना से छुटकारा पाने की स्थिति बन गई। सस्ते मूल्य के कर्मकाण्ड करके पापों के फल से छुटकारा पा सकना सर्वथा असम्भव है। स्वाध्याय, सत्संग, कथा, कीर्तन, तीर्थ, व्रत आदि से चित्त में शुद्धता की वृद्धि होना और भविष्य में पाप वृत्तियों पर अंकुश लगाने की बात समझ में आती है। धर्म कृत्यों से पाप नाश के जो माहात्म्य शापाङ्ग में बताये गये हैं उनका तात्पर्य इतना ही है कि मनोभूमि का शोधन होने से भविष्य में बन सकने वाले पापों की सम्भावना का नाश हो जाये। ईश्वरीय कठोर न्याय व्यवस्था में ऐसा ही विधान है कि पाप परिणामों की आग में जल मरने से जिन्हें बचना हो वे समाज की उत्कृष्टता बढ़ाने की सेवा-साधना में संलग्न हों और लदे हुए भार से छुटकारा प्राप्त कर शान्ति एवं पवित्रता की स्थिति उपलब्ध कर लें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

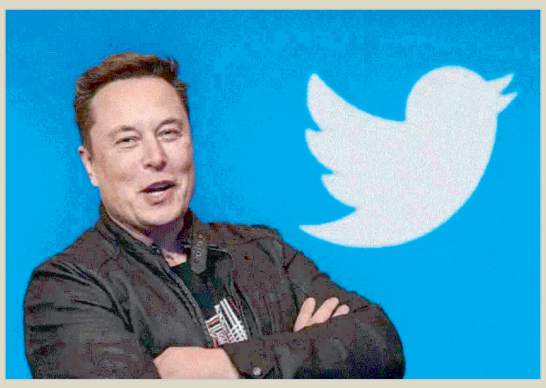

मस्क ने एक महीने में ट्विटर पर शीर्ष विज्ञापनदाताओं को खोया : अध्ययन

सैन फ्रांसिस्को। कार्यभार संभालने के एक महीने से भी कम समय में एलन मस्क ने ट्विटर पर शीर्ष 100 विज्ञापनदाताओं में से आधे को खो दिया है।अमेरिका में मीडिया मैटर्स के अनुसार, शीर्ष 100 विज्ञापनदाताओं में से 50 ने 2020 के बाद से मंच पर लगभग 2 बिलियन डॉलर और अकेले 2022 में विज्ञापन पर 750 मिलियन डॉलर से अधिक खर्च किए हैं। इसके अलावा, 21 नवंबर तक, ऐसा लगता है कि सात अतिरिक्त विज्ञापनदाताओं ने ट्विटर पर अपने विज्ञापनों को कम कर लगभग शून्य कर दिया है, सिवाय उन लोगों के जिन्होंने विज्ञापन देना बंद कर दिया है। अध्ययन के अनुसार, 2020 से, इन सात विज्ञापनदाताओं ने ट्विटर पर 255 मिलियन डॉलर से अधिक और 2022 में लगभग 118 मिलियन डॉलर खर्च किए हैं। रिपोर्ट में कई बड़ी कंपनियों का अनुसरण किया गया, जिन्हें चुप रहने वाली माना जा सकता है, जो धीरे-धीरे सोशल प्लेटफॉर्म से विज्ञापन खर्च खींच रही हैं। अध्ययन में कहा गया है कि चिपोटल मैक्सिकन ग्रिल इंक, फोर्ड और शेवरले जैसी कंपनियों ने ट्विटर पर अपने विज्ञापनों को रोकने के इरादे की पुष्टि करते हुए बयान जारी किए हैं। इन विज्ञापन घाटे के साथ भी, एलोन मस्क ने ब्रांड-असुरक्षित कार्रवाइयों में संलग्न होना जारी रखा है, जिसमें साजिश के सिद्धांतों को बढ़ाना, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जैसे प्रतिबंधित खातों को एकतरफा रूप से बहाल करना, दक्षिणपंथी खातों के साथ उलझाना शामिल है, और एक बेतरतीब सत्यापन प्रणाली को लागू करना जो चरमपंथियों और स्कैमर्स को ब्लू चेक खरीदने की अनुमति देता है।

मस्क ने ट्विटर 2.0 का किया खुलासा

नई दिल्ली। एलोन मस्क ने रविवार को अपने ट्विटर 2.0 - द एवरीथिंग ऐप का खुलासा करते हुए कहा कि नए उपयोगकर्ता साइनअप अब तक के उच्चतम स्तर पर है और कंपनी अब सक्रिय रूप से भर्ती कर रही है।मस्क, जिन्होंने ट्विटर के आधे से अधिक कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया था, ने कहा कि विश्व स्तरीय सॉफ्टवेयर एक्सपर्ट ट्विटर से जुड़ रहे हैं। कंपनी की कुछ स्लाइड्स उन्होंने ट्विटर कर्मचारियों के साथ साझा किया। दुनिया के सबसे अमीर आदमी ने कहा कि अगली पीढ़ी का ट्विटर मनोरंजन और वीडियो के रूप में विज्ञापन पर ध्यान केंद्रित करेगा। मस्क ने बताया, हम भर्ती कर रहे हैं। उपयोगकर्ता सक्रिय मिनट अब तक के उच्च स्तर पर है और मुद्रीकरण योग्य दैनिक सक्रिय उपयोगकर्ता (एमडीएयू) एक चौथाई अरब अंक पार कर चुके हैं। उन्होंने कहा, अभद्र भाषा के प्रभाव कम हैं, रिपोर्ट किए गए प्रतिरूपण में वृद्धि हुई और फिर गिरावट आई। 8 डॉलर में ब्लू बैज के साथ ट्विटर सत्यापित को फिर से लॉन्च करने के बाद, मस्क अब एन्क्रिप्टेड डायरेक्ट मैसेज (डीएम) और लॉन्ग-फॉर्म ट्वीट्स को प्लेटफॉर्म पर लाएंगे। उन्होंने कहा कि लक्ष्य एक विश्वसनीय डिजिटल टाउन स्क्वायर तैयार करना है, जहां विचारों की एक विस्तृत श्रृंखला को सहन किया जाता है, बशर्ते लोग कानून को न तोड़ें। उन्होंने जोर देकर कहा, उदाहरण के लिए, हिंसा के लिए किसी भी उकसावे का परिणाम खाता निलंबन होगा। मस्क ने पहले कहा था कि उन्होंने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को मंच पर वापस बहाल कर दिया है, क्योंकि ट्रंप ने किसी भी कानून का उल्लंघन नहीं किया और माइक्रो-ब्लॉगिंग मंच सभी के लिए निष्पक्ष होना चाहिए। एक पोल के आधार पर, ट्विटर के सीईओ ने 20 नवंबर को घोषणा की थी कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म से फिर से जुड़ने की अनुमति दी गई है।

ट्रेड यूनियनों ने वित्तमंत्री के साथ बजट-पूर्व बैठक का बहिष्कार करने की धमकी दी

नई दिल्ली । देश के दस प्रमुख ट्रेड यूनियनों ने वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण को लिखे पत्र में अपनी बात रखने के लिए उचित समय की कमी का विरोध करते हुए 28 नवंबर को होने वाली उनकी बजट-पूर्व बैठक का बहिष्कार करने की धमकी दी है।एआईटीयू, सीटू, एचएमएस, एलपीएफ और एआईयूटीयूसी जैसे 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों द्वारा हस्ताक्षरित वित्तमंत्री को लिखे पत्र में उन्होंने प्रत्येक संघ को अपनी बजट मांगों को आगे बढ़ाने के लिए आवंटित तीन मिनट के समय स्लॉट को सस्ता मजाक करार दिया है। बैठक का बहिष्कार करने की धमकी देते हुए यूनियनों ने प्रभावी परामर्श के लिए समय आवंटन पर पुनर्विचार करने की मांग की है। यूनियनों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक आयोजित करने का भी विरोध किया है और वित्त मंत्री के साथ एक भौतिक बैठक की मांग की है। पत्र में कहा गया है, आपके ईमेल दिनांक 25.11.2022 के संदर्भ में यह स्पष्ट किया गया है कि प्रत्येक केंद्रीय ट्रेड यूनियन को तीन मिनट के लिए बोलने की अनुमति दी जाएगी। यह एक मजाक है और हम इस तरह के घटिया मजाक का हिस्सा बनने से इनकार करते हैं। हम 28.11.2022 को प्रस्तावित वीडियो कॉन्फ्रेंस में भाग नहीं लेंगे। पत्र में लिखा है, हम आपसे प्रभावी परामर्श के लिए समय-आवंटन पर गंभीरता से पुनर्विचार करने का आग्रह करते हैं और विकल्प में, हम आपको इन नीतियों के बारे में एक खुली सार्वजनिक बहस के लिए अपना निमंत्रण दोहराते हैं, बिना किसी समय की पाबंदी के आप जिन नीतियों का पालन करते रहे हैं उनका बचाव करने के लिए हम इस तरह की बहस के लिए आपकी सहमति की प्रतीक्षा कर रहे हैं। सीतारमण 21 नवंबर से विभिन्न क्षेत्रों के साथ बजट पूर्व परामर्श कर रही हैं। 2023-24 का केंद्रीय बजट 1 फरवरी, 2023 को पेश किए जाने की उम्मीद है।

सीआईआई ने रिजर्व बैंक से ब्याज दर में बढ़ोतरी की रफ्तार घटाने को कहा

नई दिल्ली: उद्योग मंडल भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने रविवार को कहा कि भारतीय उद्योग जगत बीते दिनों ब्याज दरों में हुई बढ़ोतरी के प्रतिकूल असर को महसूस कर रहा है। इसके साथ ही सीआईआई ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से अनुरोध किया है कि वह ब्याज दर में बढ़ोतरी की रफ्तार घटाए। आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष में अभी तक रेपो दर में 1.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। ब्याज दर पर विचार करने के लिए केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति की समिति की बैठक दिसंबर के पहले सप्ताह में होगी। सीआईआई के विश्लेषण के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर 2022) में बड़ी संख्या में कंपनियों की आय और मुनाफे में कमी आई है। ऐसे में सीआईआई ने तर्क दिया कि मौद्रिक सख्ती की गति में कमी करने की जरूरत है। सीआईआई के अनुसार, आंकड़े बताते हैं कि घरेलू मांग में सुधार का रुख है। हालांकि, वैश्विक सुस्ती का असर भारत की वृद्धि संभावनाओं पर भी पड़ सकता है। उद्योग निकाय ने कहा, ''वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच घरेलू वृद्धि को बनाए रखने के लिए आरबीआई को अपनी मौद्रिक सख्ती की रफ्तार को पहले के 0.5 प्रतिशत से कम करने पर विचार करना चाहिए।''

महंगाई पर काबू पाने के लिए सरकार ने जमा दरों में की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। (एजेंसी)

बढ़ती महंगाई से चिंतित सरकार ने महंगाई पर लगाम लगाने के मकसद से 30 सितंबर को वरिष्ठ नागरिक बचत योजना के लिए ब्याज दर 20 आधार अंक बढ़ाकर 7.4 फीसदी से 7.6 फीसदी कर दी।इसके अलावा, किसान विकास पत्र के लिए ब्याज दर अब 123 महीने की परिपक्वता अवधि के लिए 7 प्रतिशत है, जबकि पहले 124 महीने की परिपक्वता अवधि के लिए यह दर 6.9 प्रतिशत थी। इसी तरह, संशोधन के बाद, डाकघरों में तीन साल की सावधि जमा पर 5.5 प्रतिशत की तुलना में अब 5.8 प्रतिशत ब्याज मिलेगा। दो साल की सावधि जमा के लिए, दर वृद्धि 5.5 प्रतिशत से 5.7 प्रतिशत तक केवल 20 आधार अंक थी। वहीं, सार्वजनिक भविष्य निधि (जहां ब्याज दर 7.1 प्रतिशत है), सुकन्या समृद्धि योजना (7.6 प्रतिशत), बचत जमा (4 प्रतिशत) और राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (6.8 प्रतिशत) जैसी अधिक लोकप्रिय योजनाओं के लिए ब्याज दरें नहीं बदली गईं। एक साल और पांच साल की सावधि जमा की दरों को भी क्रमशः 5.5 प्रतिशत और 6.7 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा गया था। ये सभी बढ़ोतरी 1 अक्टूबर, 2022 से लागू हुईं और 31 दिसंबर, 2022 तक वैध हैं। विशेषज्ञ बताते हैं कि जब तक सावधि जमा दरों और छोटी बचत योजनाओं की दरों में बढ़ोतरी नहीं की जाती है, तब तक मुद्रास्फीति को नियंत्रित नहीं किया जा सकता। विशेषज्ञ कहते हैं कि ये छोटे कदम हैं और बढ़ती महंगाई पर काबू पाने के लिए इन दरों को नियमित आधार पर बढ़ाने की जरूरत है।

जनवरी-सितंबर में गुरुग्राम में घरों की बिक्री तीन गुना होकर 24,482 इकाई पर

नई दिल्ली: (एजेंसी)

चालू कैलेंडर साल के पहले नौ माह यानी जनवरी-सितंबर के दौरान गुरुग्राम में सालाना आधार पर घरों की बिक्री तीन गुना से अधिक होकर 24,482 इकाई पर पहुंच गई है। एनारॉक के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। एक साल पहले समान अवधि में गुरुग्राम में आवासीय इकाइयों बिक्री 7,725 रही थी। मुंबई मुख्यालय वाली संपत्ति सलाहकार कंपनी एनारॉक द्वारा जुटाए गए आंकड़ों के अनुसार, नोएडा में इस अवधि में घरों की बिक्री 52 प्रतिशत बढ़कर 5,040 इकाई पर पहुंच गई, जो पिछले साल की समान अवधि में 3,315 इकाई थी। जनवरी-सितंबर, 2022 के दौरान ग्रेटर नोएडा में घरों बिक्री 46 प्रतिशत बढ़कर 8,651 इकाई हो गई, जो पिछले साल की समान अवधि में 5,925 इकाई थी। इसी तरह गाजियाबाद में घरों की बिक्री बढ़कर 5,395 इकाई रही, जो पिछले साल की समान अवधि के 3,510 इकाई के आंकड़े से 54 प्रतिशत अधिक है। फरीदाबाद में बिक्री 1,018 इकाइयों से लगभग तीन गुना होकर 2,890 इकाई हो गई। एनारॉक के आंकड़ों से पता चलता है कि जनवरी-सितंबर के दौरान कुल मिलाकर दिल्ली-एनसीआर के बाजार में आवासीय इकाइयों की बिक्री दोगुना से अधिक होकर 49,138 इकाई हो गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 22,478 इकाई थी। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद उत्तर प्रदेश में हैं, जबकि गुरुग्राम और फरीदाबाद हरियाणा का हिस्सा हैं। एनारॉक के वाइस चेयरमैन संतोष कुमार ने गुरुग्राम में आवास बिक्री में तेज वृद्धि के लिए निचले आधार प्रभाव और मांग में मजबूत पुनरुद्धार सहित विभिन्न कारकों को वजह बताया। उन्होंने कहा कि पिछले साल बिल्डरों ने कम परियोजनाएं शुरू की थीं, क्योंकि कोविड-19 महामारी के कारण मांग काफी कमजोर थी। इस साल आवास क्षेत्र के सभी खंड में आपूर्ति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इनमें सस्ते से लेकर महंगे और लक्जरी घर शामिल हैं। कुमार ने कहा कि गुरुग्राम के बाजार में स्वतंत्र मंजिलों की अच्छी मांग देखी गई। सिग्नेचर ग्लोबल के संस्थापक और चेयरमैन प्रदीप अग्रवाल ने कहा, ''इस साल गुरुग्राम में घरों की बिक्री तेजी से बढ़ी है, क्योंकि सभी कीमतों खंड में मांग बढ़ी है। बिल्डरों ने घर खरीदारों को आकर्षित करने के लिए बेहतर सुविधाओं के साथ कई नई परियोजनाएं शुरू की हैं।

महामारी के बाद खर्च बढ़ने से घरेलू बचत 5 साल के निचले स्तर पर आई

नई दिल्ली। (एजेंसी)

भारतीय परिवारों की बचत 2021-22 में पांच साल के निचले स्तर पर आ गई। बढ़ती महंगाई ने मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति को कुंद कर दिया।इसके अलावा कोरोनावायरस-प्रेरित लॉकडाउन के कारण लोगों को अपनी बचत में सेंध लगाने के लिए मजबूर होना पड़ा। महामारी के कारण आई बेरोजगारी और आय की कमी के कारण लोगों घर चलाने के लिए बचत का इस्तेमला ही अंतिम उपाय था। 2020-21 में 15.9 प्रतिशत की तुलना में, 2021-22 में परिवारों की सकल वित्तीय बचत 10.8 प्रतिशत रही। तीन वित्तीय वर्षों में यह 12 फीसदी थी। हालांकि शुरू में लॉकडाउन के दौरान लोगों ने स्वास्थ्य पर खर्च करने की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए अपने धन को बचाया। लेकिन एक बार प्रतिबंधों में ढील के बाद वे खर्च करने में लग गए, जिसे अर्थशास्त्रियों ने बदला खर्च कहा। अर्थशास्त्रियों ने कहा, इससे उनकी बचत में कमी आई और एक ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई जब खर्च आय से अधिक हो गया। ऐसी स्थिति भी आई जब आय का साधन न होने के बावजूद खर्च बढ़ गया। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार घरेलू बचत के आंकड़े 2021-22 में सकल घरेलू उत्पाद के 2.5 प्रतिशत तक गिर गए, जबकि बीमा, भविष्य निधि और पेंशन फंड जैसे अन्य बचत राशियों का हिस्सा सकल वित्तीय बचत का 40 प्रतिशत तक चला गया। 2021-22 में शेयरों और डिबेंचर का हिस्सा भी 8.9 प्रतिशत के पांच साल के उच्च स्तर पर था, जबकि छोटी बचत की हिस्सेदारी 16 साल के उच्च स्तर 13.3 प्रतिशत पर पहुंच गई थी। एक कंसल्टेंसी फर्म के अनुसार बचत में गिरावट के पीछे उच्च मुद्रास्फीति प्रमुख कारण रही है और निवेश बढ़ाने के लिए बचत को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है।

देश की बचत में भारतीय परिवारों की हिस्सेदारी करीब 60 फीसदी है, लेकिन इसमें धीरे-धीरे गिरावट आ रही है। कम घरेलू बचत उधारकर्ताओं को विदेशी बाजारों में उजागर करती है, भारत की बाहरी स्थिति को कमजोर करती है और बाहरी ऋण को बढ़ाती है। भारत की बचत दर 15 साल के निचले स्तर पर पहुंच गई थी, क्योंकि वित्त वर्ष 20 में सकल घरेलू बचत जीडीपी का 30.9 प्रतिशत थी, जो वित्त वर्ष 2012 में 34.6 प्रतिशत के शिखर से नीचे थी। घरेलू बचत 2012 में जीडीपी के 23 प्रतिशत से गिरकर 2019 में 18 प्रतिशत हो गई।

दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा गेमर्स बेस बना भारत

नई दिल्ली। भारत में अब 396.4 मिलियन गेमर्स के साथ दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा गेमर्स बेस है, एक नई रिपोर्ट से पता चला है।मार्केट रिसर्च फर्म निको पार्टनर्स द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, भारत अब शीर्ष 10 एशियाई देशों की सूची में सभी गेमर्स का 50.2 प्रतिशत है। द एशिया-10 गेम्स मार्केट शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा गया है, राजस्व के लिए 21 फीसदी की 5 साल की विकास दर के साथ भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाला बाजार भी है। निको पार्टनर्स का अनुमान है कि एशिया-10 पीसी और मोबाइल गेम बाजार 2022 में 35.9 बिलियन डॉलर उत्पन्न करेगा, जो 2026 में 41.4 बिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है, गेमर्स रेवेन्यू की तुलना में बहुत तेज दर से बढ़ रहे हैं। निको पार्टनर्स का अनुमान है कि एशिया-10 पीसी और मोबाइल गेमर्स की कुल संख्या 2022 में 788.7 मिलियन होगी, जो 2026 में 1.06 बिलियन तक पहुंच जाएगी। भारत, थाईलैंड और फिलीपींस खेल राजस्व और गेमर्स की संख्या के लिए सबसे तेजी से बढ़ते बाजार हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि एशिया-10 क्षेत्र में जापान और कोरिया सबसे परिपक्व बाजार हैं, जिनका राजस्व में 77 प्रतिशत से अधिक का योगदान है।

एफपीआई ने नवंबर में भारतीय शेयर बाजार में 31,630 करोड़ रुपए डाले

नई दिल्ली: (एजेंसी)

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) एक बार फिर भारतीय शेयर बाजारों में लौटने लगे हैं। नवंबर में अबतक उन्होंने शेयर बाजारों में शुद्ध रूप से 31,630 करोड़ रुपए डाले हैं। विश्लेषकों का कहना है कि अगस्त और सितंबर में शुद्ध बिकवाल रहने के बाद अब आगे चलकर एफपीआई द्वारा बड़ी बिकवाली की संभावना नहीं है। ब्याज दरों में आक्रामक वृद्धि का चक्र समाप्त होने की संभावना, मुद्रास्फीति में नरमी, अमेरिका के उम्मीद से बेहतर वृहद आर्थिक आंकड़ों तथा भारतीय अर्थव्यवस्था की जुझारू क्षमता की वजह से एफपीआई भारतीय शेयरों में पैसा लगा रहे हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, एक से 25 नवंबर के दौरान एफपीआई ने शेयरों में शुद्ध रूप से 31,630 करोड़ रुपए का निवेश किया है। इससे पहले अक्टूबर में उन्होंने आठ करोड़ रुपए तथा सितंबर में 7,624 करोड़ रुपए की निकासी की थी। अगस्त में एफपीआई 51,200 करोड़ रुपए के शुद्ध लिवाल रहे थे। वहीं जुलाई में उन्होंने 5,000 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे थे। इससे पहले अक्टूबर, 2021 से एफपीआई लगातार नौ माह तक बिकवाल रहे थे। कोटक सिक्योरिटीज के इक्विटी शोध (खुदरा) प्रमुख श्रीकांत चौहान ने कहा कि भू-राजनीतिक चिंताओं की वजह से निकट भविष्य में एफपीआई का रुख उतार-चढ़ाव वाला रहेगा। इस साल अभी तक एफपीआई ने शेयरों से 1.37 लाख करोड़ रुपए निकाले हैं। मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक-प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि नवंबर में एफपीआई का प्रवाह बढ़ने की वजह शेयर बाजारों में तेजी, भारतीय अर्थव्यवस्था और रुपए की स्थिरता है। समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने ऋण या बॉन्ड बाजार से 2,300 करोड़ रुपए की निकासी की है। भारत के अलावा इस महीने फिलिपीन, दक्षिण कोरिया, ताइवान और थाइलैंड के बाजारों में भी एफपीआई का प्रवाह सकारात्मक रहा है।

मुद्रास्फीति में कमी के कोई संकेत नहीं, विशेषज्ञों ने की दरों में वृद्धि की भविष्यवाणी

नई दिल्ली। (एजेंसी)

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 30 सितंबर को अपनी मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की पिछली बैठक के दौरान मई के बाद से लगातार चौथी बार रेपो दरों में 50 आधार अंकों की बढ़ोतरी की थी।इसका उद्देश्य तरलता और मुद्रास्फीति को कम करना था। हालांकि, मुद्रास्फीति अभी भी 6 प्रतिशत से नीचे नहीं आ पाई है। पिछले 10 महीनों से भारत में खुदरा मुद्रास्फीति आरबीआई के कंफर्ट जोन से ऊपर बनी हुई है, ऐसे में विशेषज्ञों का मानना है कि भविष्य में और बढ़ोतरी की उम्मीद है। इस प्रकार, सभी की निगाहें अब एमपीसी की अगली बैठक पर टिकी हैं, जो दिसंबर में होने की उम्मीद है। चार बढ़ोतरी के बाद, आरबीआई ने मई में अपनी पहली अनिर्धारित मध्य-बैठक वृद्धि के बाद से अब कुल 190 आधार अंकों की वृद्धि की है। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने 30 सितंबर को एमपीसी के फैसले के बाद अपने संबोधन में कहा था, भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक वित्तीय बाजार की भावनाओं को जारी रखने से उत्पन्न अनिश्चितताओं के साथ मुद्रास्फीति की गति बनी हुई है। दास ने कहा था, इस पृष्ठभूमि में, एमपीसी का विचार था कि उच्च मुद्रास्फीति की निरंतरता, मूल्य दबावों को व्यापक रूप से रोकने, मुद्रास्फीति की उम्मीदों को स्थिर करने और दूसरे दौर के प्रभावों को रोकने के लिए मौद्रिक समायोजन की आवश्यकता है। इस परिदृश्य में, अर्थशास्त्रियों को केंद्रीय बैंक द्वारा और बढ़ोतरी की उम्मीद है। एक बाजार विश्लेषक ने कहा कि आरबीआई को मुद्रास्फीति के प्रबंधन और आर्थिक विकास की गति को बनाए रखने के बीच कड़ा कदम उठाना होगा। एक अन्य विश्लेषक ने कहा कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा आक्रामक दर वृद्धि को प्रभावित करने के साथ, दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों को इसका पालन करना होगा और यह आरबीआई पर भी लागू होगा। अर्थशास्त्रियों ने कहा कि आरबीआई को यह सुनिश्चित करना होगा कि बढ़ोतरी को इस तरह से संयमित किया जाए कि आर्थिक विकास दृष्टिकोण और मूल्य वृद्धि दोनों एक समान हों।

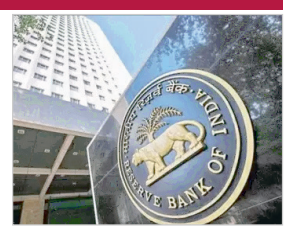

सर्दियों के उत्पादों की शुरुआती मांग से एफएमसीजी कंपनियां उत्साहित, ग्रामीण बाजार से भी उम्मीद

नयी दिल्ली, दैनिक उपभोग का सामान (एफएमसीजी) बनाने वाली कंपनियां सर्दियों के उत्पादों की शुरुआती मांग और सकारात्मक रूझान से उत्साहित हैं। उन्हें उम्मीद है कि पारा जैसे-जैसे गिरता जाएगा, इन उत्पादों का इस्तेमाल भी बढ़ेगा और ग्रामीण इलाकों से वृद्धि को गति मिलेगी। डाबर, इमामी और मैरिको जैसी कंपनियों के सर्दियों के उत्पादों की बिक्री तेज हुई है जिनमें त्वचा की देखभाल वाले उत्पादों से लेकर प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले च्यवनप्राश और शहद जैसे उत्पाद शामिल हैं। कंपनियों को उम्मीद है कि फसल अच्छी रहने और सामान्य मुद्रास्फीति में नरमी आने से आगामी तिमाहियों में ग्रामीण क्षेत्रों में बिक्री बढ़ेगी। ई-कॉमर्स और व्यापार के आधुनिक माध्यमों पर भी सर्दियों के उत्पादों की बिक्री अच्छी बनी हुई है। मैरिको में मुख्य परिचालन अधिकारी (भारत में कारोबार) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (नया कारोबार) संजय मिश्रा ने कहा कि सफोला इम्युनिवेदा श्रृंखला के उत्पादों और बॉडी लोशन जैसे के लिए सर्दियों का मौसम अहम होता है जिनके लिए विशेषकर उत्तरी क्षेत्र से मांग आती है। उन्होंने कहा, ''सर्दियों शुरू होने के साथ ही इस साल भी इन उत्पादों का इस्तेमाल बढ़ गया है।'' मिश्रा ने कहा, ''हमें भरोसा है कि इन सर्दियों में बॉडी लोशन की श्रेणी में मांग में वृद्धि सालाना आधार पर 50 प्रतिशत से अधिक रहेगी।'' डाबर इंडिया लिमिटेड के मुख्य परिचालन अधिकारी आदर्श शर्मा ने कहा, ''अभी तो सर्दियां शुरू ही हुई हैं, हमारे उत्पादों की शुरुआती मांग में निरंतरता बनी हुई है। यदि इस बार अच्छी ठंड पड़ेगी तो मांग में और तेजी आएगी।'' उन्होंने कहा कि शहरी बाजारों की तुलना में ग्रामीण बाजारों में मांग अब भी कम है। हालांकि, फसल अच्छी रहने से आगामी तिमाही में ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाली मांग में वृद्धि की उम्मीद है। इमामी में अध्यक्ष (बिक्री-सीसीडी) विनोद राव ने कहा कि मुद्रास्फीति के कारण मांग संबंधी चुनौतियों के बावजूद कंपनी के सर्दियों के उत्पादों का प्रदर्शन ग्रामीण बाजारों के साथ-साथ थोक बिक्री भी में अच्छा रहने वाला है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में इस वर्ष बड़े पैकेट वाले उत्पादों की बिक्री भी बढ़ी है।

गूगल ने वर्कस्पेस के लिए नए अपडेट की घोषणा की

सैन फ्रांसिस्को। (एजेंसी)

गूगल ने वर्कस्पेस के लिए नए अपडेट की घोषणा की है, जिसमें शीट्स में आकार बदलने योग्य पिवट टेबल, जीमेल में बेहतर खोज परिणाम और बहुत कुछ शामिल हैं।शीट्स में, उपयोगकर्ता पिवट टेबल एडिटर साइड पैनल का आकार बदलने में सक्षम होंगे। यह सुविधा विशेष रूप से तब उपयोगी होती है जब ब्लॉगपोस्ट के अनुसार कॉलम या फील्ड के नाम बहुत लंबे होते हैं और उपयोगकर्ता संपूर्ण टेक्स्ट देखना चाहता है। इसके अलावा, कंपनी ने कहा कि जब वे वेब के माध्यम से ईमेल सेवा का उपयोग करते हैं तो खोज परिणामों को बेहतर बनाने के लिए यह उपयोगकर्ताओं की हालिया जीमेल खोज गतिविधि का उपयोग करेगी। ब्लॉगपोस्ट में कहा गया है कि जीमेल सर्च में यह वृद्धि परिणामों को अधिक प्रासंगिक बनाएगी। इस साल की शुरूआत में, टेक दिग्गज ने गूगल डॉक्स, शीट्स या स्लाइड्स से गूगल मीट कॉल में शामिल होने या प्रस्तुत करने की क्षमता की घोषणा की। नए अपडेट में, यदि उपयोगकर्ता किसी फाइल से मीटिंग प्रस्तुत कर रहे हैं या उसमें शामिल हो रहे हैं, तो वे उस फाइल को मीटिंग में उपस्थित लोगों के साथ इन-मीटिंग चैट के माध्यम से आसानी से साझा कर सकते हैं। इसके साथ, वे सभी या चुनिंदा मीटिंग अटेंडीज को दस्तावेज, स्प्रैडशीट, या प्रेजेंटेशन तक पहुंच प्रदान करने में सक्षम होंगे, जिससे मीटिंग में सभी लोग बातचीत करते समय सहयोग कर सकेंगे। ब्लॉगपोस्ट में कहा गया है कि अपडेट अगले 15 व्यावसायिक दिनों के भीतर सभी वर्कस्पेस और जी सूट उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध होंगे।

Sports

टी20 मैच में सर्वाधिक दर्शकों की उपस्थिति का गिनीज रिकॉर्ड नरेंद्र मोदी स्टेडियम के नाम

नयी दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने रविवार को बताया अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम का नाम आईपीएल फाइनल 2022 के दौरान सर्वाधिक दर्शकों की उपस्थिति के लिए गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल हो गया है। इस स्टेडियम को पहले गुजरात क्रिकेट संघ (जीसीए) स्टेडियम मोटेरा के नाम से जाना जाता था। इसकी क्षमता 110,000 दर्शकों की है जो कि मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) से लगभग 10,000 अधिक है। एमसीजी की क्षमता 100,024 दर्शकों की है। शाह ने ट्वीट किया,''मुझे गर्व और खुशी है कि जीसीए मोटेरा के भव्य नरेंद्र मोदी स्टेडियम को किसी एक टी20 मैच में सर्वाधिक दर्शकों की उपस्थिति के लिए गिनीज बुक रिकॉर्ड में शामिल किया गया है। इस स्टेडियम में 29 मई 2022 को आईपीएल फाइनल के दौरान 101,566 दर्शक उपस्थित थे। इसे संभव बनाने के लिए हमारे प्रशंसकों का बहुत-बहुत आभार।''

यूथ वर्ल्ड बॉक्सिंग : रवीना ने जीता गोल्ड, भारत के अभियान का 11 पदकों के साथ समापन

नई दिल्ली, (एजेंसी)

मौजूदा एशियाई युवा चैंपियन रवीना ने अपने फाइनल मुकाबले में विजयी होने के लिए शानदार प्रदर्शन किया और स्पेन के ला डेक्लर से भिड़ीं। अच्छी शुरुआत न करने के बावजूद भारतीय मुक्केबाज ने अपनी तकनीकी क्षमता और तेज गति का उपयोग करके अपने डच प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ प्रभावशाली वापसी की। शानदार मुकाबले में 2022 एशियाई युवा स्वर्ण पदक विजेता के पक्ष में समाप्त हुआ, जिसने बाउट की समीक्षा के बाद 4-3 से जीत हासिल की। दूसरे फाइनल में कीर्ति (81 प्लस किग्रा) 2022 की यूरोपीय युवा चैंपियन आयरलैंड की क्लियोना एलिजाबेथ डीआर्सी के खिलाफ लड़ते हुए हारकर रजत पदक से संतुष्ट करना पड़ा। इस आयोजन में भारत एक प्रमुख टीम थी, क्योंकि 25 सदस्यीय दल ने कुल 11 पदक जीते जिसमें चार स्वर्ण, तीन रजत और चार कांस्य पदक शामिल हैं। कुल मिलाकर, 17 नुसिया में आईबीए युवा पुरुष और महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2022 में भारत की कुल पदक तालिका में एक और गोल्ड मेडल जोड़ दिया। रवीना (63 किग्रा) अपने फाइनल मुकाबले में नीदरलैंड की मेगन भारतीयों ने टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था, जो टूर्नामेंट के 2022 सीजन में किसी भी अन्य देश से अधिक था। चैंपियनशिप के इस साल के सीजन में महिला मुक्केबाजों की कुल आठ पदक सभी देशों में सबसे अधिक थे, इसके बाद कजाकिस्तान (5) और उज्बेकिस्तान (4) थे। रवीना (63 किग्रा), देविका घोरपड़े (52 किग्रा) ने स्वर्ण, कीर्ति (प्लस 81 किग्रा), भावना शर्मा (48 किग्रा) ने रजत, जबकि मुस्कान (75 किग्रा), लशु यादव (70 किग्रा), कुंजारानी देवी थोंगम (60 किग्रा) और तमन्ना (50 किग्रा) ने कांस्य पदक का हासिल किया। चैंपियनशिप के इस साल के सीजन में महिला मुक्केबाजों की कुल आठ पदक सभी देशों में सबसे अधिक थे, इसके बाद कजाकिस्तान (5) और उज्बेकिस्तान (4) थे।

FIFA 2022 : लियोनेल मेस्सी को देखने पहुंचे 28 साल में सबसे ज्यादा दर्शक

लुसैल । (एजेंसी)

अर्जेन्टीना की मैक्सिको पर 2-0 की जीत के दौरान लियोनेल मेस्सी को खेलते हुए देखने के लिए स्टेडियम में 88,966 दर्शक मौजूद थे जो 28 वर्षों में फुटबॉल विश्व कप मैच में दर्शकों की सबसे बड़ी संख्या है। दोहा के उत्तर में स्थित लुसैल स्टेडियम में फीफा के अनुसार अमेरिका में 1994 के फाइनल के बाद से विश्व कप में सबसे अधिक दर्शकों की मेजबानी की गई। कैलीफोर्निया के पासाडेना में रोज बाउल में 91,194 लोग मौजूदा थे जिन्होंने नियमित समय में गोल रहित ड्रॉ के बाद ब्राजील को पेनल्टी शूटआउट में इटली को हराकर खिताब जीतते हुए देखा था। शनिवार की उपस्थिति लुसैल स्टेडियम में पिछले दो मैच के आंकड़े से कई सौ अधिक थी जब ब्राजील ने सर्बिया को हराया और अर्जेन्टीना को सऊदी अरब के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। कतर में दर्शकों की मौजूदगी के आंकड़े विश्व कप के सर्वकालिक मैचों में शीर्ष 30 में भी नहीं आते। माराकाना स्टेडियम ने 1950 में रियो डि जिनेरियो में ब्राजील पर उरुग्वे की 2-1 की जीत के दौरान 1,73,850 लोगों की मेजबानी की थी जो विश्व कप में सर्वाधिक दर्शकों का आंकड़ा है।

अर्जेंटीना की विश्व कप टीम ने माराडोना को किया याद

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के सदस्यों ने डिएगो अरमांडो माराडोना की मृत्यु के दो साल बाद शुक्रवार को 2022 फीफा विश्व कप में उन्हें याद किया। माराडोना का 25 नवंबर, 2020 को 60 साल की उम्र में घर पर दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। लियोनेल मेसी ने 10 नंबर की नीली और सफेद जर्सी पहने दिग्गज फुटबॉल स्टार की तस्वीर के साथ इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया था। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, कतर में मैक्सिको के खिलाफ शनिवार के मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान प्रबंधक लियोनेल स्कालोनी ने माराडोना की सालगिरह का जिक्र करते हुए कहा, यह बहुत दुखद दिन है। उन्होंने कहा, अगर वह स्वर्ग से देख रहे हैं तो हम कल उन्हें खुशी देने की उम्मीद करते हैं, उन्होंने कहा, यह अविश्वसनीय लगता है कि माराडोना हमारे बीच नहीं है। स्ट्राइकर लुटारो मार्टिनेज ने टिप्पणी की है कि टीम अर्जेंटीना के विश्व कप के सबसे महान आंकड़े के बारे में बहुत सोच रही है, जिसने अर्जेंटीना को मैक्सिको 1986 में चैंपियनशिप और 1990 में इटली में उपविजेता का नेतृत्व किया। उन्होंने कहा, अगर वह स्वर्ग से देख रहे हैं तो हम कल उन्हें खुशी देने की उम्मीद करते हैं, उन्होंने कहा, यह अविश्वसनीय लगता है कि माराडोना हमारे बीच नहीं है।

पीकेएल : पुनेरी पलटन के कप्तान अत्राचली बोले, सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने का भरोसा

हैदराबाद। (एजेंसी)

पुणेरी पलटन ने शनिवार को तेलुगु टाइटंस को 38-25 से हराकर अपनी लगातार पांचवीं जीत दर्ज की और सीधे सेमीफाइनल में क्वालीफाई करने की मजबूत स्थिति में आ गए। पुनेरी पलटन के कप्तान फजल अत्राचली ने कहा, हमें पूरा विश्वास है कि हम लीग चरण के अंत में शीर्ष दो में रहेंगे। हम अगले कुछ मैच जीतने की उम्मीद कर रहे हैं। हमने डिफेंसिव में बहुत अच्छा खेला है। कप्तान ने आगे कहा, हमने मैच के आखिरी पांच मिनट में थोड़ा प्रयोग करना चाहा क्योंकि हमने तब तक खेल को अपने पाले में डाल लिया था। मैंने रेडर्स से कहा कि वे रेड पॉइंट लेने की कोशिश करें और अगर उन्होंने कोई गलती की तो अपनी गलतियों पर काम करें। हमने मैच के अंतिम कुछ मिनटों में विभिन्न रक्षात्मक संयोजनों को भी आजमाया। इस बीच, पुनेरी पलटन के मुख्य कोच बीसी रमेश ने बताया कि टीम अपने आगामी मैचों में नए चेहरों को मैदान में उतारेगी, हम अपने आगामी मैचों में बेंच पर खिलाड़ियों को अवसर देने की कोशिश करेंगे। हमारी बेंच पर भी अच्छे खिलाड़ी हैं इसलिए हमें उन्हें मौका देना अच्छा लगेगा। वे भी अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए अवसरों की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

सोमवार को मैच:

इस बीच, पुनेरी पलटन के मुख्य कोच बीसी रमेश ने बताया कि टीम अपने आगामी मैचों में नए चेहरों को मैदान में उतारेगी, हम अपने आगामी मैचों में बेंच पर खिलाड़ियों को अवसर देने की कोशिश करेंगे।

हमारी बेंच पर भी अच्छे खिलाड़ी हैं इसलिए हमें उन्हें मौका देना अच्छा लगेगा। वे भी अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए अवसरों की प्रतीक्षा कर रहे हैं। जयपुर पिंक पैंथर्स एक साथ कुछ और जीत दर्ज करना चाहेगी, क्योंकि उनके पास शीर्ष दो में भी जगह बनाने का शानदार मौका है। इस बीच, तेलुगु टाइटन्स को रेडर अभिषेक सिंह के फॉर्म में आने की उम्मीद होगी।

संक्षिप्त समाचार

बड़ी जोखिम वाली रणनीति से विश्व कप में हो रहे हैं बड़े उलटफेर : बेल्जियम के कोच

दोहा। बेल्जियम की फुटबॉल टीम के मुख्य कोच ने कतर विश्व कप में उलटफेर के लिए उच्च जोखिम वाली रणनीति को जिम्मेदार बताया है। रॉबटरे मार्टिनेज ने शनिवार को दोहा में एक प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में शिन्हुआ को बताया कि उनका मानना है कि अधिक टीमें ड्रॉ के लिए समझौता करने के बजाय कतर में जीत के लिए जोर दे रही हैं, जिससे चौंकाने वाले परिणाम सामने आ रहे हैं। सऊदी अरब ने टूर्नामेंट के पसंदीदा अर्जेंटीना को 2-1 से हराकर विश्व कप के इतिहास में सबसे बड़ा उलटफेर किया, जिसके बाद जापान ने जर्मनी को मात दी। मार्टिनेज की बेल्जियम टीम अपने विरोधियों की तुलना में 12 बार गोल करने के प्रयास किए और पहले मैच में कनाडा पर 1-0 की जीत दर्ज की। उन्होंने शिन्हुआ को बताया, टीमें मैच जीतना चाहती हैं। वे जोखिम लेने के लिए तैयार हैं और इसलिए हमने आश्चर्यजनक परिणाम देखे हैं। उन्होंने कहा, आप देखते हैं कि अधिक से अधिक टीमें तकनीकी रूप से खेलना चाहती हैं। टीमें उच्च दबाव बनाना चाहती हैं। मैदान 2018 की तुलना में बड़े हैं, और उस स्थिति से आप एक पूरी तरह से अलग खेल देखते हैं, जिससे पहले की तुलना में काउंटर अटैक करना अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। 49 वर्षीय मार्टिनेज बेल्जियम के इतिहास में सबसे सफल कोच हैं, जिन्होंने अपने 70 से अधिक मैचों में 70 प्रतिशत जीते हैं, जिसमें 2018 विश्व कप में सेमीफाइनल तक पहुंचना शामिल है। इसके अलावा, उन्होंने विश्व कप के प्रारूप को आश्चर्यजनक परिणामों में एक प्रमुख कारक के रूप में बताया। विश्व कप 2022 दिसंबर में आयोजित होने वाला पहला विश्व कप है, जिसमें खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम प्रशिक्षण शिविरों में आने के बजाय सीधे अपनी क्लब टीमों में जाते हैं।

'दर्द भी है और पीड़ा भी होगी', नेमार ने सूजा हुआ टखना दिखाया, जताई वापसी की उम्मीद

दोहा । (एजेंसी)

नेमार अपने सूजे हुए टखने की एक तस्वीर पोस्ट करने के बावजूद फुटबॉल विश्व कप में वापसी की योजना बना रहे हैं। गुरुवार को सर्बिया पर ब्राजील की 2-0 की जीत के दौरान चोटिल होने के बाद नेमार के दाहिने टखने का इलाज चल रहा है। टीम के डॉक्टरों ने कहा है कि नेमार सोमवार को स्विट्जरलैंड के खिलाफ होने वाले मैच में नहीं खेल पाएंगे लेकिन उन्होंने इस दिग्गज की वापसी की कोई समय-सीमा नहीं बताई है और ना ही यह बताया है कि वह वापसी कर भी पाएंगे या नहीं। नेमार ने इंस्टाग्राम पर लिखा कि वह अपने करियर के 'सबसे कठिन क्षणों में से एक' का सामना कर रहे हैं लेकिन वह वापसी की संभावनाओं के बारे में आशावादी लग रहे हैं। उन्होंने एक इंस्टाग्राम स्टोरी में अपने सूजे हुए टखने की दो तस्वीरें दिखाईं। नेमार ने लिखा, ''हां, मैं चोटिल हूं। दर्द भी है और पीड़ा भी होगी। लेकिन मुझे यकीन है कि मेरे पास वापसी का मौका होगा क्योंकि मैं अपने देश, अपने साथियों और खुद की मदद करने के लिए हर संभव कोशिश करूंगा।''

नेमार ने कहा कि वह इस विश्व कप का लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। नेमार ने कहा, ''मेरे जीवन में कुछ भी आसान नहीं था या मुझे कुछ भी थाली में परोसकर नहीं दिया गया था। मुझे हमेशा अपने सपनों और अपने उद्देश्यों को हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी।''

नेमार को 2014 विश्व कप में भी चोट लगी थी जब कोलंबिया के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में लगी पीठ की चोट ने उन्हें टूर्नामेंट से बाहर कर दिया था। ब्राजील सेमीफाइनल में जर्मनी से 1-7 से हार गया था।

ओडिशा सरकार 2023 हॉकी विश्व कप पर खर्च करेगी 1100 करोड़ रुपये

भुवनेश्वर, ओडिशा सरकार ने जनवरी 2023 में एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप के आयोजन पर करीब 1,100 करोड़ रुपये खर्च करने का अनुमान लगाया है। भुवनेश्वर, 27 नवंबर ओडिशा सरकार ने जनवरी 2023 में एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप के आयोजन पर करीब 1,100 करोड़ रुपये खर्च करने का अनुमान लगाया है। राज्य सरकार ने पिछले हॉकी विश्व कप 2018 की मेजबानी में केवल 66.98 करोड़ रुपये का निवेश किया था। हालांकि, इस बार निवेश को करीब 16 गुना बढ़ाकर 1,098.40 करोड़ रुपये कर दिया गया है। 2018 में विश्व कप के मैच भुवनेश्वर के कलिंगा हॉकी स्टेडियम में ही आयोजित किए गए थे। हालांकि इस बार राउरकेला का नवनिर्मित बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम भुवनेश्वर के साथ मेजबानी करेगा। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, 1,098.40 करोड़ रुपये के कुल में से, राउरकेला शहर में बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम और परिधीय क्षेत्र के विकास पर राज्य 1,010 करोड़ रुपये खर्च कर रहा है। राउरकेला में नए स्टेडियम के निर्माण में सर्वाधिक 875.78 करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है, जो निर्माण के अंतिम चरण में है। आवास भवनों के निर्माण पर 84 करोड़ रुपये, राउरकेला में परिधीय विकास कार्यों के लिए 10.50 करोड़ रुपये और बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में विद्युत कार्यों के लिए 13 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इसी तरह, राउरकेला और भुवनेश्वर दोनों स्टेडियमों में सिंथेटिक टर्फ लगाने के लिए सरकार ने हॉकी इंडिया को 17.50 करोड़ रुपये प्रदान किए हैं। सरकार कार्यक्रम स्थल प्रबंधन, आवास, परिवहन और मीडिया प्रचार पर भी 75 करोड़ रुपये खर्च करेगी। इसके अलावा, राज्य खेल विभाग द्वारा किए गए अनुमान के अनुसार राउरकेला में एक स्विमिंग पूल के विकास पर 9.15 करोड़ रुपये, कलिंगा स्टेडियम में फ्लड लाइट लगाने के लिए 5.39 करोड़ रुपये और स्टेडियम के वेस्ट स्टैंड के विस्तार पर 8 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। 2018 में, 66.98 करोड़ रुपये के कुल व्यय में से, ओडिशा सरकार ने हॉकी इंडिया/ एफआईएच (अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ) को भागीदार अधिकार शुल्क के रूप में 25 करोड़ रुपये जमा किए थे। पिछले वर्ल्ड कप में शेष व्यय परिवहन, आवास, प्रचार-प्रसार वेन्यू और इवेंट मैनेजमेंट आदि पर सिर्फ 18.89 करोड़ रुपए खर्च किए गए थे।

फीफा विश्व कप: ड्यूक के गोल से ऑस्ट्रेलिया ने ट्यूनीशिया को हराया

दोहा (कतर)। माइकल ड्यूक के पहले हाफ के गोल से ऑस्ट्रेलिया ने ट्यूनीशिया को फीफा विश्व कप के ग्रुप डी मैच में शनिवार को 1-0 से हराकर पूरे अंक हासिल किये। अल जानौब स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में मैच का एकमात्र गोल ड्यूक ने 23वें मिनट में किया और अपने पहले अंक हासिल किये। कोच ग्राहम आर्नोल्ड की टीम अपने पहले मैच में गत चैंपियन फ्रांस से 1-4 से हार गयी थी। दूसरी तरफ ट्यूनीशिया का पहला मुकाबला डेनमार्क से गोलरहित ड्रा रहा था। ऑस्ट्रेलिया तीन अंकों के साथ ग्रुप में दूसरे नंबर पर आ गया है। ऑस्ट्रेलिया का आखिरी ग्रुप मुकाबला डेनमार्क से होगा जबकि ट्यूनीशिया की भिड़ंत फ्रांस से होगी।

पीटी उषा ने आईओए अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल किया

नई दिल्ली। दिग्गज भारतीय धाविका पी.टी उषा शनिवार को भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के अध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल हो गईं। 58 वर्षीय धाविका ने सोशल मीडिया पर सभी को सूचित किया कि उन्होंने अगले महीने होने वाले आईओए चुनावों में शीर्ष पद के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया है। उषा ने एक ट्वीट में कहा, अपने साथी एथलीटों और राष्ट्रीय महासंघों के समर्थन से मैं आईओए के अध्यक्ष के नामांकन को स्वीकार करने और फाइल करने के लिए सम्मानित महसूस कर रही हूं। ऊषा भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की नई कार्यकारी समिति के लिए 10 दिसंबर को होने वाले चुनावों के दौरान मतदान करने के लिए नव-निर्वाचित एथलीट आयोग द्वारा चुने गए उत्कृष्ट योग्यता (एसओएम) के आठ खिलाड़ियों में से एक हैं। 58 वर्षीय धाविका ने सोशल मीडिया पर सभी को सूचित किया कि उन्होंने अगले महीने होने वाले आईओए चुनावों में शीर्ष पद के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया है।

गोवर्स की हैट्रिक, ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 7-4 से शिकस्त दी

एडिलेड । (एजेंसी)

ब्लैक गोवर्स ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए हैट्रिक जमाई जिससे ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की हॉकी सीरीज के दूसरे मैच में रविवार को यहां भारत को 7-4 से करारी शिकस्त दी। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने तीसरे मिनट में ही पेनल्टी को गोल में बदलकर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई थी। भारतीयों की खुशी हालांकि क्षणिक रही क्योंकि ऑस्ट्रेलियाई टीम की तरफ से गोवर्स और जैक वेल्च ने दनादन गोल दागने शुरू कर दिए। गोवर्स ने शनिवार को पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया की 5-4 से जीत में विजयी गोल दागा था और एक बार फिर से उन्होंने भारतीयों को निराश किया। उन्होंने 12वें, 27वें और 53वें मिनट में गोल किए, जबकि वेल्च ने 17वें और 24वें मिनट में गोल दागकर भारतीयों को पस्त किया। जेक वेटन (48वें) और जैकब एंडरसन (49वें) ऑस्ट्रेलिया के अन्य गोल स्कोरर थे। ऑस्ट्रेलिया की भारत के खिलाफ यह लगातार 12वीं जीत है। भारत की तरफ से हार्दिक सिंह (25वें) और मोहम्मद रहील (पेनल्टी 36वें) ने दो अन्य गोल किए, जबकि हरमनप्रीत ने मैच के आखिरी मिनट (60वें) में अपना दूसरा गोल करके हार का अंतर कुछ कम किया। श्रृंखला का तीसरा मैच बुधवार को खेला जाएगा।

बॉक्सर रोहित टोकस ने ऑल इंडिया इंटर रेलवे चैंपियनशिप में अपने गोल्ड का किया बचाव

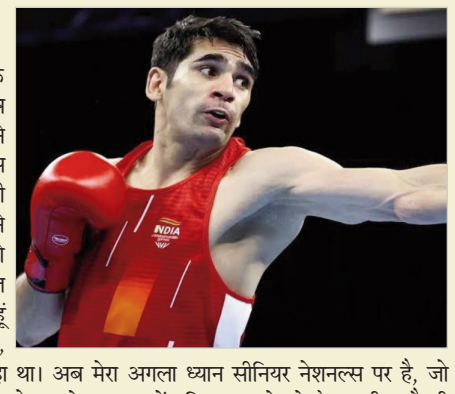

नई दिल्ली। राष्ट्रमंडल खेलों के कांस्य पदक विजेता रोहित टोकस ने हाल ही में गुवाहाटी में संपन्न अखिल भारतीय अंतर रेलवे चैंपियनशिप में अपने स्वर्ण का सफलतापूर्वक बचाव किया। रोहित टोकस ने फाइनल में दक्षिण मध्य रेलवे के आशीष चौधरी को 5-0 की स्कोर लाइन के साथ हराया। उन्होंने सेमीफाइनल में सेंट्रल रेलवे के अक्षय मानकर को भी इसी स्कोर लाइन से हराया। उसी के बारे में बात करते हुए रोहित टोकस ने कहा, मैं वास्तव में खुश हूं कि मैं अपने स्वर्ण का बचाव करने में कामयाब रहा, यह ऐसी चीज थी जिस पर मैं कड़ी मेहनत कर रहा था। अब मेरा अगला ध्यान सीनियर नेशनल्स पर है, जो दिसंबर के अंत या आगामी वर्ष में शुरू होगा। रोहित टोकस ने फाइनल में दक्षिण मध्य रेलवे के आशीष चौधरी को 5-0 की स्कोर लाइन के साथ हराया। उन्होंने सेमीफाइनल में सेंट्रल रेलवे के अक्षय मानकर को भी इसी स्कोर लाइन से हराया। रोहित रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड द्वारा करनाल सिंह स्टेडियम में लगाए गए ट्रेनिंग कैंप में शामिल होंगे। कैंप 28 नवंबर से शुरू होगा और सीनियर नेशनल पर फोकस करेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महाभारत का हुआ था जहां युद्ध उस कुरुक्षेत्र के रहस्य

कुरुक्षेत्र युद्ध कौरवों और पाण्डवों के मध्य कुरु साम्राज्य के सिंहासन की प्राप्ति के लिए कुरुक्षेत्र में युद्ध लड़ा गया था। आओ जानते हैं कुरुक्षेत्र के 5 रहस्य। कुरुक्षेत्र भारतीय राज्य हरियाणा का एक क्षेत्र है।

छोटे भाई का वध

मान्यता अनुसार यह कहा जाता है कि भगवान श्रीकृष्ण को डर था कि भाई-भाइयों के, गुरु-शिष्यों के व संबंधी कुटुंबियों के इस युद्ध में एक दूसरे को मरते देखकर कहीं ये संधि न कर बैठें। इसलिए ऐसी भूमि युद्ध के लिए चुनने का फैसला लिया गया जहां क्रोध और द्वेष के संस्कार पर्याप्त मात्रा में हों। तब श्रीकृष्ण ने कई दूत अनेकों दिशाओं में भेजे और उन्हें वहां की घटनाओं का जायजा लेने को कहा। एक दूत ने सुनाया कि कुरुक्षेत्र में बड़े भाई ने छोटे भाई को खेत की मेंड़ टूटने पर बहते हुए वर्षा के पानी को रोकने के लिए कहा। उसने साफ इनकार कर दिया। इस पर बड़ा भाई आग बबूला हो गया। उसने छोटे भाई को छुरे से गोद डाला और उसकी लाश को पैर पकड़कर घसीटता हुआ उस मेंड़ के पास ले गया और जहां से पानी निकल रहा था वहां उस लाश को पानी रोकने के लिए लगा दिया। इस कहानी को सुनकर श्रीकृष्ण ने तय किया कि यही भूमि भाई-भाई के युद्ध के लिए उपयुक्त है। जब श्रीकृष्ण आश्वस्त हो गए कि इस भूमि के संस्कार यहां पर भाइयों के युद्ध में एक दूसरे के प्रति प्रेम उत्पन्न नहीं होने देंगे तब उन्होंने युद्ध कुरूक्षेत्र में करवाने की घोषणा की।

कुरु का क्षेत्र

दूसरी कहानी अनुसार कहते हैं कि जब कुरु इस क्षेत्र की जुताई कर रहे थे तब इन्द्र ने उनसे जाकर इसका कारण पूछा। कुरु ने कहा कि जो भी व्यक्ति इस स्थान पर मारा जाए, वह पुण्य लोक में जाए, ऐसी मेरी इच्छा है। इन्द्र उनकी बात को हंसी में उड़ाते हुए स्वर्गलोक चले गए। ऐसा अनेक बार हुआ। इन्द्र ने अन्य देवताओं को भी ये बात बताई। देवताओं ने इन्द्र से कहा कि यदि संभव हो तो कुरु को अपने पक्ष में कर लो। तब इन्द्र ने कुरु के पास जाकर कहा कि कोई भी पशु, पक्षी या मनुष्य निराहार रहकर या युद्ध करके इस स्थान पर मारा जायेगा तो वह स्वर्ग का भागी होगा। ये बात भीष्म, कृष्ण आदि सभी जानते थे, इसलिए महाभारत का युद्ध कुरुक्षेत्र में लड़ा गया।

श्रवण कुमार की कहानी

मातृ और पितृ भक्त श्रवण कुमार की कहानी तो आपने सुनी ही होगी। श्रवण कुमार जैसे पितृभक्त खोजना मुश्किल है। वे अपने अंधे माता-पिता की सेवा पूरी तत्परता से करते थे, उन्हें किसी प्रकार का कष्ट नहीं होने देते थे। एक बार माता-पिता ने तीर्थ यात्रा की इच्छा की और वे उन्हें कांवर में बिठाकर तीर्थ यात्रा को चल दिए। बहुत से तीर्थ करा लेने पर एक दिन अचानक उसके मन में यह भाव आया कि पिता-माता को पैदल क्यों न चलाया जाए? उन्होंने कांवर जमीन पर रख दी और उन्हें पैदल चलने को कहा। अंधे माता और पिता पैदल चलने तो लगे पर उन्होंने साथ ही यह भी कहा- बेटा इस भूमि को जितनी जल्दी हो सके पार कर लेना चाहिए। वे तेजी से चलने लगे जब वह भूमि निकल गई तो श्रवणकुमार को माता-पिता के साथ इस तरह का व्यवहार करने पर बड़ा पश्चाताप हुआ और उसने पैरों में गिरकर क्षमा मांगी तथा फिर से दोनों को कांवर में बिठा लिया। उनके अंधे पिता ने कहा- पुत्र इसमें तुम्हारा दोष नहीं। उस भूमि पर किसी समय मय नामक एक असुर रहता था उसने जन्मते ही अपने ही पिता-माता को मार डाला था, उसी के संस्कार उस भूमि में अभी तक बने हुए हैं इसीसे उस क्षेत्र में गुजरते हुए तुम्हें ऐसी बुद्धि उपजी।

कुरुक्षेत्र का महत्व

महाभारत के वनपर्व के अनुसार, कुरुक्षेत्र में आकर सभी लोग पापमुक्त हो जाते हैं और जो ऐसा कहता है कि मैं कुरुक्षेत्र जाऊंगा और वहीं निवास करुंगा। यहां तक कि यहां की उड़ी हुई धूल के कण पापी को परम पद देते हैं। नारद पुराण में आया है कि ग्रहों, नक्षत्रों एवं तारागणों को कालगति से (आकाश से) नीचे गिर पड़ने का भय है, किन्तु वे, जो कुरुक्षेत्र में मरते हैं पुनः पृथ्वी पर नहीं गिरते, अर्थात वे पुनःजन्म नहीं लेते। भगवद्गीता के प्रथम श्लोक में कुरुक्षेत्र को धर्मक्षेत्र कहा गया है।

कुरुक्षेत्र के क्षेत्र

यहां एक विशाल तालाब है जिसका निर्माण महाभारत काल में ही हुआ था। यहां एक ज्योतिसर नामक स्थान हैं जहां पर श्रीकृष्ण ने गीता का उपदेश दिया था। यहां पर ब्रह्मसरोवर, सन्निहित सरोवर, भद्रकाली मन्दिर, पिहोवा और श्री स्थानेश्वर महादेव मन्दिर व पूण्डरी नामक स्थान प्रसिद्ध है।

महाभारत में व्यूह रचना कितने प्रकार की थी?

महाभारत में आपने सिर्फ चक्रव्यूह का ही नाम सूना होगा। लेकिन महाभारत के युद्ध में कई प्रकार की व्यू रचना का उल्लेख मिलता है। युद्ध को लड़ने के लिए पक्ष या विपक्ष अपने हिसाब से व्यूह रचना करता था। व्यूह रचना का अर्थ है कि किस तरह सैनिकों को सामने खड़ा किया जाए। आसमान से देखने पर यह व्यूह रचना दिखाई देती है। जैसे क्रौंच व्यूह है, तो आसमान से देखने पर क्रौंच पक्षी की तरह सैनिक खड़े हुए दिखाई देंगे। इसी तरह चक्रव्यूह को आसमान से देखने पर एक घूमते हुए चक्र के समान सैन्य रचना दिखाई देती है। आओ जानते हैं कुछ खास व्यूह रचना के बारे में।

गरुड़ व्यूह: गरुड़ पक्षी का चित्र तो देखा ही होगा आपने। यह विशालकाय पक्षी भगवान विष्णु का वाहन है। युद्ध में सैनिकों को विपक्षी सेना के सामने इस तरह पंक्तिबद्ध खड़ा किया जाता है कि जिससे आसमान से देखने पर गरुढ़ पक्षी जैसी आकृति दिखाई दे। इसे ही गरुड़ व्यूह कहते हैं। महाभारत में इस व्यूह की रचना भीष्म पितामह ने की थी।

क्रौंच व्यूह: क्रौंच सारस की एक प्रजाति है। इस व्यूह का आकार इसी पक्षी की तरह होता था। महाभारत में इस व्यूह की रचना युधिष्ठिर ने की थी।

मकरव्यूह: प्राचीन काल में मकर नाम का एक जलचर प्राणी होता है। मकर का सिर तो मगरमच्छ की तरह लेकिन उसके सिर पर बकरी के सींगों जैसे सींग होते थे, मृग और सांप जैसा शरीर, मछली या मोर जैसी पूंछ और पैंथर जैसे पैर दर्शाए भी होते थे। वैदिक साहित्य में अक्सर तिमिंगिला और मकर का साथ-साथ जिक्र होता है। लेकिन संभवतः यहां व्यूह रचना से तात्पर्य मगर से होगा मकर से नहीं। महाभारत में इस व्यूह की रचना कौरवों ने की थी। ›

कछुआ व्यूह: इसमें सेना को कछुए की तरह जमाया जाता है।

अर्धचंद्राकार व्यूह: अर्ध चंद्र का अर्थ तो आप समझते ही हैं। सैन्य रचना जब अर्ध चंद्र की तरह होती थी तो उसे अर्धचंद्राकार व्यूह रचना कहते थे। इस व्यूह की रचना अर्जुन ने कौरवों के गरुड़ व्यूह के प्रत्युत्तर में की थी।

मंडलाकार व्यूह: मंडल का अर्थ गोलाकार या चक्राकार होता है। इस व्यूह का गठन परिपत्र रूप में होता था। महाभारत में इस व्यूह की रचना भीष्म पितामह ने की थी। इसके प्रत्युत्तर में पांडवों ने व्रज व्यूह की रचना कर इसे भेद दिया था।

चक्रव्यूह: चक्रव्यूह को आसमान से देखने पर एक घूमते हुए चक्र के समान सैन्य रचना दिखाई देती है। इस चक्रव्यूह को देखने पर इसमें अंदर जाने का रास्ता तो नजर आता है, लेकिन बाहर निकलने का रास्ता नजर नहीं आता। आपने स्पाइरल देखा होगा बस उसी तरह का यह होता है। महाभारत में इस व्यूह की रचना गुरु द्रोण ने की थी।

चक्रशकट व्यूह: महाभारत युद्ध में अभिमन्यु की निर्मम हत्या के बाद अर्जुन ने शपथ ली थी कि जयद्रथ को कल सूर्यास्त के पूर्व मार दूंगा। तब गुरु द्रोणाचार्य ने जयद्रथ को बचाने के लिए इस व्यूह की रचना की थीं। लेकिन भगवान श्रीकृष्ण की चतुराई से जयद्रथ उस व्यूह से निकलकर बाहर आ गया और मारा गया।

वज्र व्यूह: वज्र एक तरह का हथियार होता है। ये दो प्रकार का होता था- कुलिश और अशानि। इसके ऊपर के तीन भाग तिरछे-टेढ़े बने होते हैं। बीच का हिस्सा पतला होता है। पर यह बड़ा वजनदार होता है। इसका आकार देखने में इन्द्रदेव के वज्र जैसा होता है। महाभारत में इस व्यूह की रचना अर्जुन ने की थी।

औरमी व्यूह: पांडवों के व्रज व्यूह के प्रत्युत्तर में भीष्म ने औरमी व्यूह की रचना की थी। इस व्यूह में पूरी सेना समुद्र के समान सजाई जाती थी। जिस प्रकार समुद्र में लहरें दिखाई देती हैं, ठीक उसी आकार में कौरव सेना ने पांडवों पर आक्रमण किया था।

श्रीन्गातका व्यूह: कौरवों के औरमी व्यूह के प्रत्युत्त में अर्जुन ने श्रीन्गातका व्यूह की रचना की थी। ये व्यूह एक भवन के समान दिखाई देता था। संभवतः इसे ही तीन शिखरों वाला व्यूह कहते होंगे।.इसके अलावा सर्वतोभद्र और सुपर्ण व्यूह का उल्लेख भी मिलता है।

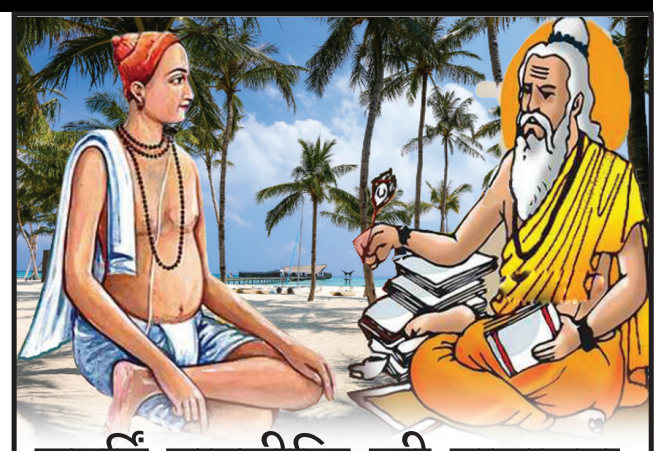

महर्षि वाल्मीकि की रामायण और गोस्वामी तुलसीदास की रामचरितमानस के उत्तर कांड में फर्क क्यूं?

रामायण या रामचरित मानस के उत्तर कांड के संबंध में बहुत लोगों को इस बात का संशय है कि इसमें घटनाओं का वर्णन वैसा नहीं है जैसा कि शोधकर्ता मानते हैं। रामायण और रामचरित मानस दोनों ही का उत्तर कांड बहुत ही भिन्न है। ऐसा क्यों? यह शोध का विषय हो सकता है। रामानंद सागर द्वारा उत्तर कांड के नाम से उत्तर रामायण नाम का सीरियल बनाया गया है। आओ जानते हैं दोनों ही रामायण के काण्ड का फर्क।

वाल्मीकि कृत रामायण का उत्तर कांड

उत्तरकाण्ड में राम के राज्याभिषेक के अनन्तर कौशिकादि महर्षियों का आगमन, महर्षियों के द्वारा राम को रावण के पितामह, पिता तथा रावण का जन्मादि वृत्तान्त सुनाना, सुमाली तथा माल्यवान के वृत्तान्त, रावण, कुम्भकर्ण, विभीषण आदि का जन्म-वर्णन, रावणादि सभी भाइयों को ब्रह्मा से वरदान-प्राप्ति, रावण-पराक्रम-वर्णन के प्रसंग में कुबेरादि देवताओं का घर्षण, रावण सम्बन्धित अनेक कथाएँ, सीता के पूर्वजन्म रूप वेदवती का वृत्तान्त, वेदवती का रावण को शाप, सहस्त्रबाहु अर्जुन के द्वारा नर्मदा अवरोध तथा रावण का बन्धन, रावण का बालि से युद्ध और बालि की कांख में रावण का बन्धन, सीता-परित्याग, सीता का वाल्मीकि आश्रम में निवास, निमि, नहुष, ययाति के चरित, शत्रुघ्न द्वारा लवणासुर वध, शंबूक वध तथा ब्राह्मण पुत्र को जीवन प्राप्ति, भार्गव चरित, वृत्रासुर वध प्रसंग, किंपुरुषोत्पत्ति कथा, राम का अश्वमेध यज्ञ, वाल्मीकि के साथ राम के पुत्र लव कुश का रामायण गाते हुए अश्वमेध यज्ञ में प्रवेश, राम की आज्ञा से वाल्मीकि के साथ आयी सीता का राम से मिलन, सीता का रसातल में प्रवेश, भरत, लक्ष्मण तथा शत्रुघ्न के पुत्रों का पराक्रम वर्णन, दुर्वासा-राम संवाद, राम का सशरीर स्वर्गगमन, राम के भ्राताओं का स्वर्गगमन, तथा देवताओं का राम का पूजन विशेष आदि वर्णित है।

तुलसीदास गोस्वामी कृत रामचरितमानस का उत्तर कांड

इसमें मंगलाचरण, भरत विरह तथा भरत-हनुमान मिलन, अयोध्या में आनंद, श्री रामजी का स्वागत, भरत मिलाप, सबका मिलनानन्द, राम राज्याभिषेक, वेदस्तुति, शिवस्तुति, वानरों की और निषाद की विदाई, रामराज्य का वर्णन, पुत्रोत्पति, अयोध्याजी की रमणीयता, सनकादिका आगमन और संवाद, हनुमानजी के द्वारा भरतजी का प्रश्न और श्री रामजी का उपदेश, श्री रामजी का प्रजा को उपदेश (श्री राममगीता), पुरवासियों की कृतज्ञता, श्री राम-वशिष्ठ संवाद, श्री रामजी का भाइयों सहित अमराई में जाना, नारदजी का आना और स्तुति करके ब्रह्मलोक को लौट जाना, शिव-पार्वती संवाद, गरुड़ मोह, गरुड़जी का काकभुशुण्डि से रामकथा और राम महिमा सुनना, काकभुशुण्डि का अपनी पूर्व जन्म कथा और कलि महिमा कहना, गुरुजी का अपमान एवं शिवजी के शाप की बात सुनना, रुद्राष्टक, गुरुजी का शिवजी से अपराध क्षमापन, शापानुग्रह और काकभुशुण्डि की आगे की कथा, काकभुशुण्डिजी का लोमशजी के पास जाना और शाप तथा अनुग्रह पाना, ज्ञान-भक्ति-निरुपण, ज्ञान-दीपक और भक्ति की महान महिमा, गरुड़जी के सात प्रश्न तथा काकभुशुण्डि के उत्तर, भजन महिमा, रामायण माहात्म्य, तुलसी विनय और फलस्तुति और रामायणजी की आरती का वर्णन मिलता है। वाल्मीकि कृत उत्तर कांड में राम के रावण वध की आगे की गाथा का वर्णन है, जिसमें राम का राज्याभिषेक, सीता परित्याग, वाल्मीकि आश्रम में लव और कुश का जन्म, बचपन और सीता का जीवन। शत्रुघ्न द्वारा लवणासुर का वध और इसके अलावा पूर्व के ऋषि मुनियों और राजाओं की गाथा का वर्णन मिलेगा। दूसरी ओर गोस्वामी तुलसीदास कृत रामचरित मानस में शिव और पार्वती का रामकथा के संबंध में संवाद, काकभुशुण्डि और गरुढ़ संवाद सहित ज्ञान और उपदेश की बातें ही ज्यादा हैं। इसमें सीता परित्याग और लव एवं कुश के बारे में उल्लेख नहीं मिलता है। विद्वान लोग मानते हैं कि ऋषि वाल्मीकि राम के समकालीन थे और गोस्वामी तुलसीदास राम के भक्त थे। यदि प्रमाण की बात सामने आए तो वाल्मीकि रामायण को ही प्रमाण मानना चाहिए, क्योंकि वही सही रामायण है। गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरित मानस को लिखने के पूर्व वाल्मीकि कृत रामायण सहित दक्षिण भारत की रामायण को भी पढ़ा था। अतः उन्होंने सभी को पढ़कर लिखा जबकि वाल्मीकि ने राम के जीवन को देखकर रामायण को लिखा था।

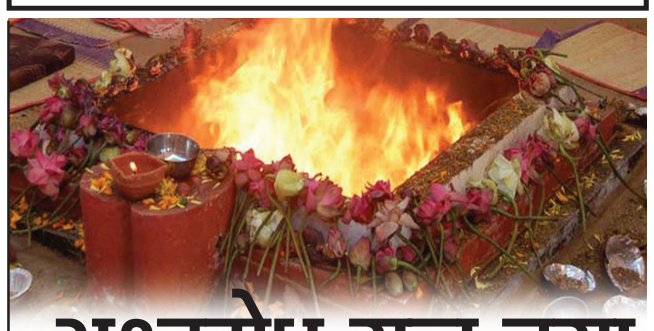

अश्वमेध यज्ञ क्या होता है, खास बातें

अश्वमेध यज्ञ को कुछ विद्वान एक राजनीतिक और कुछ विद्वान इसे आध्यात्मिक प्रयोग मानते हैं। कहा जाता है कि इसे वही सम्राट कर सकता था, जिसका अधिपत्य अन्य सभी नरेश मानते थे। कालांतर में यह यज्ञ जो नरेश जिस समाज से संबंध रखता था उस समाज की रीति के अनुसार करता था। इसके कारण इस यज्ञ को करने में कई बुरी परंपराएं भी जुड़ गई। वैदिक रीति से किया गया यज्ञ ही धर्मसम्मत माना गया है। यज्ञ का प्रारम्भ बसन्त अथवा ग्रीष्म में होता था तथा इसके पूर्व प्रारम्भिक अनुष्ठानों में प्रायः एक वर्ष का समय लगता था। इस बीच नगर में कई सांस्कृतिक कार्यक्रम और उत्सव होते थे। यज्ञ करने के बाद अश्व को स्वतन्त्र विचरण करने के लिए छोड़ दिया जाता था। जिसके पीछे यज्ञकर्ता राजा की सेना होती थी। जब यह अश्व दिग्विजय यात्रा पर जाता था तो स्थानीय लोग इसके पुनरागमन की प्रतिक्षा करते थे। इस अश्व के चुराने या इसे रोकने वाले नरेश से युद्ध होता था। यदि यह अश्व खो जाता तो दूसरे अश्व से यह क्रिया पुनः आरम्भ की जाती थी। कहते हैं कि अश्वमेध यज्ञ ब्रह्म हत्या आदि पापक्षय, स्वर्ग प्राप्ति एवं मोक्ष प्राप्ति के लिए भी किया जाता था। कुछ विद्वान मानते हैं कि अश्वमेध यज्ञ एक आध्यात्मिक यज्ञ है जिसका संबंध गायत्री मंत्र से जुड़ा हुआ है। श्रीराम शर्मा आचार्य कहते हैं कि 'अश्व' समाज में बड़े पैमाने पर बुराइयों का प्रतीक है और 'मेधा' सभी बुराइयों और अपनी जड़ों से दोष के उन्मूलन का संकेत है। जहां भी इन अश्वमेध यज्ञ का प्रदर्शन किया गया है, उन क्षेत्रों में अपराधों और आक्रामकता की दर में कमी का अनुभव किया है। अश्वमेध यज्ञ पारिस्थितिकी संतुलन के लिए और आध्यात्मिक वातावरण की शुद्धि के लिए गायत्री मंत्र से जुड़ा है। गुप्त साम्राज्य के पतन के बाद अश्वमेध प्रायः बन्द ही हो गया।

क्या कर्ण के वैवस्वत मनु यमराज और शनिदेव भाई थे?

हिन्दू पुराण और महाभारत में कई रहस्य छिपे हुए हैं। उन्हें जानना और समझने बहुत ही कठिन है। पुराणों के जानकार मानते हैं कि वैवस्वत मनु, यमराज और शनिदेव और महाभारत के कर्ण भाई भाई थे।

वैवस्वत मनु और यमराज

विश्वकर्मा की पुत्री संज्ञा विवस्वान अर्थात सूर्य की पत्नी हुई। उसके गर्भ से सूर्य ने तीन संतानें उत्पन्न की। जिनमें एक कन्या और दो पुत्र थे। सबसे पहले प्रजापति श्राद्धदेव, जिन्हें वैवस्वत मनु कहते हैं, उत्पन्न हुए। तत्पश्चात यम और यमुना- ये जुड़वीं संतानें हुईं।

शनिदेव

भगवान सूर्य की तूसरी पत्नी छाया थीं। छाया को संज्ञा की छाया ही माना जाता था। छाया से ही शनिदेव का जन्म हुआ था।

कर्ण : सूर्य पुत्र कर्ण को महाभारत का एक महत्वपूर्ण योद्धा माना जाता है। कर्ण के धर्मपिता तो पांडु थे, लेकिन पालक पिता अधिरथ और पालक माता राधा थी। राजा शूरसेन की पुत्री कुंती अपने महल में आए महात्माओं की सेवा करती थी। एक बार वहां ऋषि दुर्वासा भी पधारे। कुंती की सेवा से प्रसन्न होकर दुर्वासा ने कहा, 'पुत्री! मैं तुम्हारी सेवा से अत्यंत प्रसन्न हुआ हूं अतः तुझे एक ऐसा मंत्र देता हूं जिसके प्रयोग से तू जिस देवता का स्मरण करेगी वह तत्काल तेरे समक्ष प्रकट होकर तेरी मनोकामना पूर्ण करेगा।' इस तरह कुंती को वह मंत्र मिल गया। एक दिन कुंती के मन में आया कि क्यों न इस मंत्र की जांच कर ली जाए। कहीं यह यूं ही तो नहीं? तब उन्होंने एकांत में बैठकर उस मंत्र का जाप करते हुए सूर्यदेव का स्मरण किया। उसी क्षण सूर्यदेव प्रकट हो गए। कुंती हैरान-परेशान अब क्या करें?

सूर्यदेव ने कहा, 'देवी! मुझे बताओ कि तुम मुझसे किस वस्तु की अभिलाषा करती हो। मैं तुम्हारी अभिलाषा अवश्य पूर्ण करूंगा।' इस पर कुंती ने कहा, 'हे देव! मुझे आपसे किसी भी प्रकार की अभिलाषा नहीं है। मैंने मंत्र की सत्यता परखने के लिए जाप किया था।' कुंती के इन वचनों को सुनकर सूर्यदेव बोले, 'हे कुंती! मेरा आना व्यर्थ नहीं जा सकता। मैं तुम्हें एक अत्यंत पराक्रमी तथा दानशील पुत्र देता हूं।' इतना कहकर सूर्यदेव अंतर्ध्यान हो गए।

कर्ण के अन्य भाई

कुंति पुत्र कर्ण एक महान योद्ध था जो कौरवों की ओर से लड़ा था। कुंती श्रीकृष्ण के पिता वसुदेव की बहन और भगवान कृष्ण की बुआ थीं। कुंति का पुत्र होने के कारण कर्ण भगवान श्री कृष्ण का भाई था। इसके अलावा पांचों पांडव भी कर्ण के भाई ही थे।

कनाडा में पिकअप ट्रक से टकराने के बाद भारतीय छात्र की मौत, सड़क पार करते वक्त हुआ हादसा

इंटरनेशनल डेस्क : कनाडा के टोरंटो में साइकिल से सड़क पार करते वक्त पिकअप ट्रक की चपेट में आने से 20-वर्षीय भारतीय छात्र की मौत हो गयी। समाचार वेबसाइट 'सीबीसीडॉटसीए' की शुक्रवार को प्रकाशित एक खबर में मृतक के रिश्तेदार प्रवीण सैनी के हवाले से बताया गया कि मृतक कार्तिक सैनी अगस्त 2021 में भारत से कनाडा आया था। बहरहाल, पुलिस अभी तक मृतक की पहचान की पुष्टि नहीं कर सकी है। खबर के अनुसार, प्रवीण ने हरियाणा के करनाल से बात की, जहां उनका परिवार रहता है। प्रवीण ने बताया कि परिवार को उम्मीद है कि कार्तिक का शव जल्द से जल्द भारत भेजा जाएगा। खबर में बताया गया है कि शेरिडन कॉलेज ने पुष्टि की है कि कार्तिक उसका छात्र था। कॉलेज ने शुक्रवार को एक ईमेल में कहा, ''हमारा समुदाय कार्तिक के आकस्मिक निधन से बहुत दुखी है। हम उनके परिवार, मित्रों, साथियों और प्राध्यापकों के प्रति हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त करते हैं।' पुलिस ने बताया कि यह जानलेवा दुर्घटना बुधवार शाम करीब साढ़े चार बजे योंग स्ट्रीट और सेंट क्लेयर एवेन्यू के चौराहे पर हुई। पुलिस ने बृहस्पतिवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि पिकअप ट्रक से टकराने और घसीटे जाने के कारण साइकिल सवार व्यक्ति की मौत हो गयी। टोरंटो पुलिस सर्विस की प्रवक्ता कांस्टेबल लॉरा ब्रैबेंट ने बताया कि दुर्घटना की जांच हो रही है। इस बीच, दुर्घटनास्थल पर एक अस्थायी स्मारक बनाया गया है। 'एडवोकेसी फॉर रिस्पेक्ट फॉर साइकलिस्ट' 30 नवंबर को कार्तिक के सम्मान में एक रैली आयोजित कर रहा है।

अमेरिका के गिरजाघर में किशोरी के अंतिम संस्कार के दौरान गोलीबारी, दो लोग घायल

वाशिंगटन। अमेरिका के नैशविले में इस महीने की शुरुआत में गोलीबारी की एक घटना में जान गंवाने वाली एक किशोरी के अंतिम संस्कार के बाद गिरजाघर से निकल रहे लोगों पर की गई गोलीबारी में दो लोग घायल हो गए। मेट्रो नैशविले पुलिस विभाग के प्रवक्ता डॉन आरोन ने बताया कि 'न्यू सीजन चर्च' में 19 वर्षीय टेरियाना जॉनसन के अंतिम संस्कार के बाद शनिवार सुबह गोलीबारी हुई। उन्होंने बताया कि जब गोलीबारी हुई, उस समय शव को ले जाने वाला वाहन गिरजाघर के सामने खड़ा था और उसका पीछे का दरवाजा खुला था तथा लोग गिरजाघर से बाहर निकल रहे थे। पुलिस के मुताबिक, काले रंग की एक कार में बैठे एक या उससे अधिक हमलावरों ने गिरजाघर के पास से गुजरते समय गोलीबारी की। उन्होंने बताया कि वारदात में एक गोली 18 वर्षीय एक किशोरी और एक अन्य गोली 25 वर्षीय एक पुरुष को लगी। आरोन के अनुसार, दोनों घायल खतरे से बाहर हैं और पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। उन्होंने बताया कि जॉनसन के अंतिम संस्कार में शामिल होने आए कुछ लोगों के पास हथियार थे और उन्होंने भी कार पर गोलियां चलाईं। पुलिस के मुताबिक, गोलीबारी जॉनसन के शव को बाहर लाए जाने से पहले हुई और उसके शव को बाद में दफनाया गया। प्राधिकारी 14 नवंबर को वाटकिंस पार्क में गोलीबारी में जॉनसन की हत्या के आरोप में 17 वर्षीय आरोपी की तलाश कर रहे हैं। पुलिस ने कहा कि जॉनसन और संदिग्ध की बहन के बीच झगड़ा होने के बाद संदिग्ध ने कथित तौर पर उस कार पर गोलीबारी की थी, जिसमें जॉनसन सवार थी। इस हमले में जॉनसन की मौत हो गई थी।

वन्यजीव सम्मेलन से शार्क और कछुओं के संरक्षण को बढ़ावा मिला

न्यूर्याक। अंतरराष्ट्रीय वन्यजीव सम्मेलन में शार्क, कछुओं, छिपकलियों और मेढकों की सुरक्षा के लिए कुछ अहम नियम बनाने की दिशा में कदम उठाये गये। इन जीवों की संख्या उनका व्यापार किये जाने के कारण घटती जा रही है। वन्य जीवों और वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर सम्मेलन (सीआईटीईएस) शुक्रवार को पनामा में संपन्न हुआ। संयुक्त राष्ट्र वन्यजीव सम्मेलन ने पांच सौ से अधिक प्रजातियों की सुरक्षा के साथ ही हाथीदांत व्यापार को फिर खोलने के प्रस्ताव को खारिज कर दिया। हाथीदांत व्यापार पर 1989 में पाबंदी लगा दी गयी थी। वाइल्डलाईफ कंजर्वेशन सोसायटी की अंतरराष्ट्रीय नीति उपाध्यक्ष सुसैन लीबरमैन ने कहा, '' सीआईटीईएस से अच्छी खबर, वन्यजीव के लिए अच्छी खबर है क्योंकि यह संधि अंतरराष्ट्रीय संरक्षण के स्तंभों में एक है और पुख्ता तौर पर यह सुनिश्चित करेगा कि विभिन्न देश जैविक विविधता विघटन, जलवायु परिवर्तन और महामारियों के वैश्विक अंतर्संबंधित संकटों का मुकाबला करने के लिए एकजुट हों।'' उन्होंने कहा, '' यहां स्वीकार किये गये कई प्रस्ताव यह परिलक्षित करते हैं कि संसाधनों का अत्यधिक दोहन, असंपोषणीय व्यापार एवं अवैध व्यापार हो रहा है तथा उनमें से कुछ की वजह जलवायु परिवर्तन, बीमारी, बुनियादी ढांचा विकास एवं पर्यावास के पहुंचे नुकसान आदि हैं, जिनके फलस्वरूप वन्यजीव प्रजातियों की संख्या घट रही है।'' वाशिंगटन डीसी में 49 साल पहले स्वीकार की गयी अंतरराष्ट्रीय वन्यजीव व्यापार संधि की हाथीदांत और गैंडों के सींग तथा व्हेल एवं समुद्री कछुओं के अवैध एवं असंपोषणीय व्यापार पर रोकथाम में मदद पहुंचाने को लेकर तारीफ की गयी। लेकिन कुछ सीमाओं के चलते बाद में उसकी आलोचना की गयी। इस साल की सबसे बड़ी उपलब्धियों में एक शार्क की 90 से अधिक प्रजातियों को संरक्षण प्रदान करना है।

श्रीलंका के तमिल राजनीतिक दल नये संविधान में स्वायत्ता के लिए जोर देंगे

श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे से वार्ता का न्योता मिलने के बाद तमिल अल्पसंख्यक राजनीतिक दल संघीय व्यवस्था की अपनी मांग, एक तमिल राष्ट्रीय गठबंधन(टीएनए) सहित तीन सूत्री 'फार्मूला' का प्रस्ताव रखने के लिए सहमत हो गये हैं। सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। द्वीपीय देश के पूर्वी और उत्तरी इलाकों में जनाधार रखने वाले सभी तमिल राजनीतिक दलों ने शुक्रवार को 89 वर्षीय टीएनए नेता राजावरोतियम सम्पंथन के आवास पर बैठक की। इसका उद्देश्य देश में अल्पसंख्यक समुदाय के लिए राजनीतिक स्वायत्ता की मांग के सिलसिले में अगले महीने प्रस्तावित विक्रमसिंघे की सर्वदलीय बैठक में संघीय व्यवस्था पर जोर देना है। शुक्रवार की बैठक में जो 'फार्मूला' तय किया गया, उसमें नये संविधान में तमिल क्षेत्रों का विकेंद्रीकरण करने सहित रूकी पड़ी प्रांतीय परिषद के चुनाव कराना और तमिलों की भूमि कथित तौर पर सरकार द्वारा हड़पने को रोका जाना शामिल है। टीएनए सूत्र ने बताया कि राजनीतिक दल राष्ट्रपति से मिलने से पहले फिर से बैठक करेंगे। विक्रमसिंघे ने बुधवार को सभी राजनीतिक दलों को वार्ता के लिए बुलाया था, जिसका उद्देश्य अगले साल चार फरवरी तक तमिल जातीय मुद्दे का समाधान करना है। विक्रमसिंघे ने संसद में कहा था कि वह 11 दिसंबर के बाद बैठक करने को इच्छुक हैं।

विटामिन बी12 की कमी एक आम स्वास्थ्य समस्या है जिसके गंभीर परिणाम संभव

वाशिंगटन, विटामिन बी12 की कमी स्वास्थ्य से जुड़ी एक आम समस्या है जिसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं लेकिन चिकित्सक अक्सर इसे नजरअंदाज कर देते हैं। वर्ष 2022 की गर्मियों के दौरान कई महीनों तक मेरी मादा श्वान स्काउट को लगभग हर दिन तड़के तीन बजे उल्टी हुई। अगर आपके पास श्वान है, तो आप उसकी आवाज जानते हैं। और हर बार, मेरे पहुंचने से पहले ही उसने उल्टी को निगल लिया, जिससे कारण उसका निदान मुश्किल हो गया। पशु चिकित्सक और मैंने समस्या की जड़ को जानना चाहा। फिर एक दिन स्काउट ने 'हेयरबॉल' उल्टी कर दी। एक बार जब यह विदेशी वस्तु हटा दी गई, तो उल्टी बंद हो गई। स्काउट को अभी भी उपचार की आवश्यकता थी, हालांकि, एक अलग और आश्चर्यजनक कारण के लिए- वस्तु ने उसके शरीर में विटामिन बी12 को बनने में बाधा उत्पन्न कर दी थी। बी 12 एक आवश्यक पोषक तत्व है जो शरीर में रक्त कोशिकाओं, तंत्रिकाओं और कई अन्य महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं के समुचित कार्य के लिए जरूरी होता है। मैं एक पंजीकृत आहार विशेषज्ञ हूं और मैं कॉलेज के छात्रों को पोषण और खाद्य विज्ञान पढ़ाता हूं, लेकिन फिर भी मैं बी 12 की कमी का पता लगाने से चूक गया जिसकी कमी मेरे श्वान की थकान का कारण बन रही थी। विटामिन बी12 की कमी स्वास्थ्य को लेकर एक आम समस्या है जिसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं लेकिन चिकित्सक अक्सर इसे नजरअंदाज कर देते हैं। इसकी कमी से अमेरिका की लगभग छह प्रतिशत से 20 प्रतिशत आबादी प्रभावित होती है।

रूसी हमले के बाद अब यूक्रेन बिजली एवं पानी आपूर्ति बहाली में जुटा

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन के अधिकारी रूसी सैन्य हमले में बुरी तरह तबाह हो चुकी बिजली एवं जलापूर्ति सेवाएं शनिवार को बहाल करने की कोशिश में जुटे रहे। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि लाखों लोगों को बिजली आपूर्ति की बहाली नजर आयी, जो इस युद्ध-प्रभावित देश में पहले कई दिनों से गुल थी। पूरब में अब भी संघर्ष जारी है, जबकि रूसी सेना की भीषण बमबारी के मद्देनजर दक्षिण शहर खेरसॉन के बाशिंदे जान बचाने के लिए उत्तर एवं पश्चिम दिशा की ओर निकले हैं।

हाल के दिनों में रूसी सैन्य बलों के हमले को यूक्रेन में संकट से घिरे अवज्ञाकारी लोगों के विरूद्ध रूसी प्रतिकार के तौर पर देखा जा रहा है। यूक्रेनी सेना ने दो सप्ताह पहले खेरसॉन को मुक्त करा लिया था। यह शहर कई महीनों तक रूसी कब्जे में रहा था। जेलेंस्की ने शुक्रवार देर रात को टेलीविजन पर प्रसारित अपने संबोधन में कहा, ''आज और इस सप्ताह के अन्य दिनों के लिए सबसे बड़ा काम ऊर्जा (की आपूर्ति की बहाली) है।''

उन्होंने कहा, ''बुधवार से आजतक हम उन लोगों की संख्या घटाकर आधा कर पाये हैं जिनके घरों में बिजली गुल थी। हम तंत्र को स्थिर कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि लेकिन राजधानी कीव समेत ज्यादातर क्षेत्रों में बिजली अब भी गुल है। जेलेंस्की ने कहा, ''कुल 60 लाख से अधिक उपभोक्ता (अब भी) प्रभावित हैं। बुधवार शाम को करीब 1.20 करोड़ उपभोक्ता के घरों में बिजली गुल थी।'' कीव निगम प्रशासन ने शनिवार तड़के कहा कि शहर में जलापूर्ति बहाल कर दी गयी है, लेकिन 130,000 लोग अब भी बिना बिजली के हैं। शहर के अधिकारियों ने आज सुबह कहा कि अगले 24 घंटे में बिजली, पानी, ऊष्मा संबंधी एवं संचार- सभी सेवाएं बहाल कर दी जाएंगी।

म्यांमार के लिए सफेद हाथी सीबित हुए चीन से खरीदे गए जेएफ-17 लड़ाकू विमान

इंटरनेशनल डेस्क। म्यांमार के लिए चीन से खरीदे गए छह-17 लड़ाकू विमान सफेद हाथी साबित हो रहे हैं। विश्लेषकों और म्यांमार वायु सेना के पूर्व पायलटों के अनुसार जिन नए अधिग्रहीत चीनी और पाकिस्तान निर्मित जेएफ-17 फाइटर जेट्स को म्यांमार शासन ने वितरित किया है उनमें से अधिकांश तकनीकी खराबी के कारण इस्तेमाल करने योग्य ही नहीं है।

विश्लेषकों के अनुसार म्यांमार वायु सेना ने जो चीन और पाकिस्तान द्वारा संयुक्त रूप से निर्मित जेएफ-17 लड़ाकू विमान अपने बेड़े में जोड़े हैं, उनमें संरचनात्मक त्रुटियां और अन्य तकनीकी मुद्दे हैं। उन्होंने कहा कि जेएफ-17 विमान जो अवरोधन, जमीनी हमले और बमबारी मिशनों में सक्षम माना जाता है सेवा के लिए अनुपयुक्त साबित हुए हैं और म्यांमार सेना के पास समस्याओं को ठीक करने के लिए तकनीकी विशेषज्ञता की कमी है। म्यांमार ने कथित तौर पर 2016 की शुरुआत में चीन से 25 मिलियन अमेरिकी डॉलर की लागत से 16 जेएफ - 17 खरीदने के लिए एक सौदा किया था।

म्यांमार वायु सेना को 2018 में छह विमानों का पहला बैच दिया गया था, लेकिन अन्य 10 के बारे में विवरण अभी तक स्पष्ट नहीं है। इस सौदे ने म्यांमार को जेएफ-17 खरीदने वाला चीन और पाकिस्तान के बाहर पहला देश बना दिया।चार जेएफ-17 थंडर लड़ाकू विमानों सहित विमान को आधिकारिक तौर पर 2018 में म्यांमार वायु सेना में शामिल किया गया है।म्यांमार शासन के प्रमुख मिन आंग ह्लाइंग ने दिसंबर 2018 में मीकटिला हवाई अड्डे पर एक समारोह में खराबी वाले जेएफ-17 लड़ाकू विमानों में से चार को शामिल किया। दो और को दिसंबर 2019 में

वायु सेना ने अपनी स्थापना की 72वीं वर्षगांठ दौरान शामिल किया था।

नासा का ओरियन कैप्सूल चंद्रमा के चारों ओर विहंगम कक्षा में पहुंचा

वाशिंगटन। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा का ओरियन कैप्सूल चंद्रमा के चारों ओर हजारों मील की दूरी तक फैली एक विहंगम कक्षा में प्रवेश कर गया है। कैप्सूल और इसमें रखी तीन परीक्षण डमी ने प्रक्षेपण के एक सप्ताह से अधिक समय बाद चंद्रमा की कक्षा में प्रवेश किया। यह लगभग एक सप्ताह तक इस व्यापक लेकिन स्थिर कक्षा में रहेगा। यह शुक्रवार तक पृथ्वी से 2,38,000 मील (3,80,000 किलोमीटर) दूर था और इसके आगामी कुछ दिन में करीब 2,70,000 मील (4,32,000 किलोमीटर) की अधिकतम दूरी पर पहुंच जाने की उम्मीद है। यह लोगों को ले जाने के लिए बनाए गए कैप्सूल द्वारा तय की गई दूरी का नया रिकॉर्ड बनाएगा। ओरियन के प्रबंधक जिम जेफे ने कहा, ''इसका मकसद आगे जाने के लिए खुद को चुनौती देना, लंबे समय तक बने रहना तथा जो हमने पहले खोजा है उसकी सीमा से आगे बढ़ना है।'' पचास साल पहले नासा के अपोलो कार्यक्रम के बाद से यह पहली बार है जब कोई कैप्सूल चंद्रमा पर पहुंचा है और चार अरब डॉलर की लागत वाली यह परीक्षण उड़ान काफी महत्वपूर्ण है। कैप्सूल ने 16 नवंबर को फ्लोरिडा स्थित केनेडी अंतरिक्ष केंद्र से नासा के अब तक के सर्वाधिक शक्तिशाली रॉकेट के जरिए उड़ान भरी थी। इस मिशन के सफल होने पर नासा 2024 में अंतरिक्ष यात्रियों को चांद के आसपास भेजने के मिशन को अंजाम देगा। इसके बाद नासा 2025 में एक यान को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास उतारने की कोशिश करेगा।

चीन की खोटी नीयत: भारत के बिना हिंद महासागर क्षेत्र के 19 देशों के साथ कर ली बैठक

बीजिंग (एजेंसी)। दुनिया पर राज करने की चाह में चीन की जल-थल क्षेत्रों में आक्रामक कार्रवाइयां बढ़ती जा रही हैं। चीन की गिद्ध दृष्टि हिंद महासागर पर भी है। इस क्षेत्र में पकड़ मजबूत करने के लिए चीन ने इस सप्ताह हिंद महासागर क्षेत्र के 19 देशों के साथ बैठक की जिससे भारत अनुपस्थित रहा। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि इस बैठक में भारत को आमंत्रित नहीं किया गया था चीन के विदेश मंत्रालय से जुड़े संगठन चाइना इंटरनेशनल डेवलपमेंट कोऑपरेशन एजेंसी (सीआईडीसीए) के बयान में कहा गया कि 21 नवंबर को विकास सहयोग पर चीन-हिंद महासागर क्षेत्रीय मंच की बैठक में 19 देशों ने हिस्सा लिया। बयान में कहा गया कि यह बैठक यूनान प्रांत के कुनमिंग में ''साझा विकास- समुद्री अर्थव्यवस्था के परिप्रेक्ष्य से सिद्धांत और तौर-तरीके' विषय के तहत हाइब्रिड यानी प्रत्यक्ष-ऑनलाइन तरीके से आयोजित की गई।

इंडोनेशिया, पाकिस्तान, म्यांमा, श्रीलंका, बांग्लादेश, मालदीव, नेपाल, अफगानिस्तान, ईरान, ओमान, दक्षिण अफ्रीका, केन्या, मोजाम्बिक, तंजानिया, सेशल्स, मेडागास्कर, मॉरीशस, जिबूती और ऑस्ट्रेलिया सहित 19 देशों तथा तीन अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों ने इस बैठक में हिस्सा लिया। सूत्रों के अनुसार, भारत को कथित तौर पर आमंत्रित नहीं किया गया था। पिछले साल, चीन ने भारत की भागीदारी के बिना कोविड-19 टीका सहयोग पर कुछ दक्षिण एशियाई देशों के साथ बैठक की थी। सीआईडीसीए का नेतृत्व पूर्व उप विदेश मंत्री और भारत में राजदूत रह चुके लुओ झाओहुई कर रहे हैं। संगठन की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, झाओहुई सीआईडीसीए के सीपीसी (चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी) नेतृत्व समूह के सचिव हैं। सीआईडीसीए की आधिकारिक वेबसाइट पर कहा गया है कि संगठन का उद्देश्य विदेशी सहायता के लिए रणनीतिक दिशा-निर्देश, योजना और नीतियां बनाना, प्रमुख विदेशी सहायता मुद्दों पर समन्वय करना और सलाह देना, विदेशी सहायता से जुड़े मामलों में देश के सुधारों को आगे बढ़ाना तथा प्रमुख कार्यक्रमों को चिह्नित करना एवं उनके क्रियान्वयन का मूल्यांकन करना है। इस साल जनवरी में श्रीलंका के अपने दौरे के दौरान चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने ''हिंद महासागर के द्वीपीय देशों के विकास पर एक मंच' स्थापित करने का प्रस्ताव रखा था। यह पूछे जाने पर कि क्या सीआईडीसीए की बैठक वही है जो वांग ने प्रस्तावित की थी, चीनी विदेश मंत्रालय ने मीडिया को स्पष्ट किया है कि 21 नवंबर की बैठक उसका हिस्सा नहीं थी।

चीन पाकिस्तान और श्रीलंका सहित कई देशों में बंदरगाहों और बुनियादी ढांचे में निवेश के साथ रणनीतिक हिंद महासागर क्षेत्र में प्रभाव बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। चीन का यह मंच साफ तौर पर हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के मजबूत प्रभाव का मुकाबला करने के उद्देश्य से है, जहां हिंद महासागर रिम एसोसिएशन (आईओआरए) जैसे भारत समर्थित संगठन ने मजबूत जड़ें जमा ली हैं जिसके 23 देश सदस्य हैं। इसके अलावा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिंद महासागर क्षेत्र के तटीय देशों के बीच सक्रिय सहयोग के लिए 2015 में ''क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास' (सागर) पहल का प्रस्ताव दिया।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा कि विरोध मार्च के दौरान उनपर हुआ कातिलाना हमला, तीन शूटर थे हमले में शामिल

बीजिंग (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने शनिवार को कहा कि तीन नवंबर को वजीराबाद में एक विरोध मार्च के दौरान उनपर कातिलाना हमला करने में तीन शूटर शामिल थे। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी अध्यक्ष को इस हमले में दाहिने पैर में गोली लगी थी। वह मध्यावधि चुनाव के लिए दबाव बनाने के वास्ते सरकार के खिलाफ मार्च का नेतृत्व कर रहे थे।रावलपिंडी में अपनी पार्टी की एक विशाल रैली को संबोधित करते हुए, खान ने शनिवार को कहा कि दो हमलावरों में से एक ने उन पर और पीटीआई के अन्य नेताओं पर गोली चलाई थी और दूसरे शूटर ने कंटेनर पर गोलीबारी की थी, जबकि तीसरा व्यक्ति कथित हत्यारे को चुप कराने के लिए वहां था ताकि कोई ब्योरा नहीं दिया जा सके।

'डॉन' अखबार की खबर के मुताबिक, 70 वर्षीय खान ने दावा किया कि इस तीसरे शूटर ने रैली में एक व्यक्ति की हत्या की थी जब वह संभावित हत्यारे को मारने की कोशिश कर रहा था।

ताइवान की राष्ट्रपति ने चुनावी हार के बाद पार्टी प्रमुख के पद से दिया इस्तीफा

इंटरनेशनल डेस्क। ताइवान की राष्ट्रपति साई इंग-वेन ने स्थानीय चुनाव में हार के बाद शनिवार शाम को सत्तारूढ़ दल डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव के प्रमुख के पद से इस्तीफा दे दिया। साई ने चुनावी हार के बाद परंपरा का निर्वहन करते हुए एक संक्षिप्त संबोधन के बाद पार्टी प्रमुख के पद से इस्तीफा दे दिया। इस दौरान उन्होंने समर्थकों का आभार भी जताया। साई ने कहा कि वह हार की जिम्मेदारी लेती हैं क्योंकि उन्होंने शनिवार को हुए चुनाव के लिए खुद ही उम्मीदवारों का चयन किया था। ताइवान में मतदाताओं ने शनिवार को हुए चुनाव में कई अहम पदों के लिए विपक्षी दल नेशनलिस्ट पार्टी को चुना, जिसमें चीन से खतरों से जुड़ी चिंताओं के बजाय स्थानीय मुद्दे हावी रहे। राजधानी ताइपे में मेयर पद के लिए नेशनलिस्ट पार्टी के उम्मीदवार चियांग वान-ऐन ने जीत

दर्ज की। विपक्षी दल के अन्य उम्मीदवारों ने ताओयुआन, ताइचुंग और न्यू ताइपे शहर के मेयर पदों पर कब्जा जमाया। ताइवान में सभी 13 क्षेत्रों (काउंटी) और नौ शहरों में मेयर, नगर परिषद के सदस्यों तथा अन्य स्थानीय नेताओं के चुनाव के लिए मतदान हुआ। इस मतदान के जरिये यह रायशुमारी भी कराई जा रही है कि मतदाताओं की न्यूनतम उम्र को क्या 20 वर्ष से घटाकर 18 किया जाए। मतदान स्थानीय समयानुसार शनिवार को सुबह आठ बजे शुरू हुआ था।

चीन में आग लगने की घटनाओं के बाद लोगों में आक्रोश, कोविड प्रतिबंधों के खिलाफ जगह-जगह प्रदर्शन शी चिनफिंग से इस्तीफे की मांग

बीजिंग (एजेंसी)। चीन के पश्चिमी शिनजियांग क्षेत्र में भीषण आग लगने की घटना से लोगों का गुस्सा भड़क गया और उन्होंने कई शहरों में कोविड-19 संबंधी प्रतिबंधात्मक कदमों के खिलाफ शनिवार रात प्रदर्शन किए। कई प्रदर्शनों की तत्काल पुष्टि नहीं हो पाई, लेकिन पुलिस ने आधी रात में 'मिडल उरुमकी रोड' पर एकत्र हुए करीब 300 प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए मिर्च स्प्रे का इस्तेमाल किया। शिनजियांग की राजधानी उरुमकी में एक अपार्टमेंट में लगी आग में 10 लोगों की मौत होने से आक्रोशित लोग सड़कों पर उतर आए।

झाओ नाम के एक प्रदर्शनकारी ने बताया कि उसके एक मित्र को पुलिस ने पीटा और उसके दो मित्रों के खिलाफ मिर्च स्प्रे का इस्तेमाल किया गया। प्रदर्शनकारी ने अपना उपनाम ही बताया। उसने कहा कि प्रदर्शनकारियों ने 'शी चिनफिंग, इस्तीफा दो, कम्युनिस्ट पार्टी सत्ता छोड़ो', 'शिनजियांग से प्रतिबंध हटाओ, चीन से प्रतिबंध हटाओ', 'हम पीसीआर (जांच) नहीं कराना चाहते, स्वतंत्रता चाहते हैं' और 'प्रेस की स्वतंत्रता' सहित कई नारे लगाए। इससे पहले शनिवार को, शिनजियांग क्षेत्र के अधिकारियों ने उरुमकी में कुछ मोहल्लों से प्रतिबंध हटा दिया। उरुमकी के निवासियों द्वारा शहर में तीन महीने से अधिक समय से लागू 'लॉकडाउन' के खिलाफ देर रात असाधारण प्रदर्शन किए जाने के बाद अधिकारियों को प्रतिबंध हटाने के लिए मजबूर होना पड़ा।

कई लोगों का आरोप है कि वायरस संबंधी प्रतिबंधों के मद्देनजर लगाए गए अवरोधकों के कारण आग और भीषण हो गई तथा आपात

कर्मियों को आग बुझाने में तीन घंटे का समय लगा, लेकिन अधिकारियों ने इन आरोपों से इनकार किया और कहा कि इमारत में कोई अवरोधक नहीं लगाए गए थे तथा निवासियों को वहां से जाने की अनुमति थी। उरुमकी शहर के अधिकारियों ने एक संवाददाता सम्मेलन आयोजित कर अपार्टमेंट में रहने वालों पर मौत की जिम्मेदारी डालने की कोशिश की, जिसके कारण लोगों का गुस्सा और भड़क गया। पुलिस ने विरोध करने वालों की आवाज को दबाने की कोशिश की और मरने वालों की संख्या के बारे में ऑनलाइन ''गलत जानकारी'' फैलाने के आरोप में 24 वर्षीय एक महिला को गिरफ्तार किया।

अपनी "सबसे प्रिय" बेटी को बैठक में साथ लेकर पहुंचे किम जोंग उन, दूसरी बार सार्वजनिक रूप से सामने आई, बन सकती है किम की उत्तराधिकारी

सियोल (एजेंसी)। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन मिसाइल वैज्ञानिकों के साथ बैठक में अपनी बेटी को साथ लेकर पहुंचे। उनकी बेटी सार्वजनिक रूप से दूसरी बार सामने आई है। सरकारी मीडिया ने किम की बेटी को उनकी ''सबसे प्रिय'' संतान करार दिया तथा इस बहस को और तेज कर दिया कि क्या उसे किम की उत्तराधिकारी के रूप में पेश किया जा रहा है। ऐसा बताया जा रहा है कि यह किम की दूसरी संतान जु ऐ है और उसकी आयु नौ से 10 साल के बीच है। इससे पहले वह पिछले सप्ताह सार्वजनिक रूप से नजर आई थी।

सरकारी मीडिया द्वारा जारी तस्वीरों में वह अपने माता-पिता और अन्य अधिकारियों के साथ अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) के परीक्षण का अवलोकन करती दिखाई दी थी। उस समय सफेद कोट और लाल जूते पहने जु ऐ अपने पिता किम के हाथ में हाथ डालकर चलती दिखाई दी थी, जबकि उसके पीछे एक प्रक्षेपण वाहन पर लदी एक विशाल मिसाइल दिख रही थी। उत्तर कोरियाई सरकारी मीडिया ने रविवार को बताया कि जु ऐ और किम ने ह्वासोंग-17 आईसीबीएम के प्रक्षेपण में शामिल वैज्ञानिकों, तकनीशियनों, अधिकारियों और अन्य कर्मियों के साथ तस्वीर खिंचवाई।

केसीएनए ने उसे किम की ''सबसे प्रिय'' संतान बताया। इसने कई तस्वीरें भी जारी कीं, जिनमें किम की बेटी लंबा एवं काले फर वाला काला कोट पहने अपने पिता की बांह पकड़े दिखाई देती है। 'कार्नेगी एंडोवमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस' में विशेषज्ञ अंकित पांडा ने कहा, ''यह निश्चित रूप से ध्यान देने वाली बात है।'' उन्होंने कहा कि आईसीबीएम के परीक्षण में शामिल तकनीशियनों और वैज्ञानिकों के साथ मुलाकात के दौरान अपने पिता के साथ किम जु ऐ की तस्वीर इस विचार का समर्थन करती है कि उसे पिता की संभावित उत्तराधिकारी के रूप में पेश किया जा रहा है।

ऐसा बताया जा रहा है कि किम के दो और बच्चे हैं। इस प्रकार की अटकलें लगाई जा रही हैं कि उनकी सबसे बड़ी संतान बेटा है तथा उनकी एक और बेटी है। ऐसे में कुछ विशेषज्ञों ने यह सवाल उठाया है कि उत्तर कोरिया के एक पुरुष प्रधान समाज होने के मद्देनजर किम अपनी बेटी को अपनी उत्तराधिकारी के रूप में पेश क्यों कर रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दुर्ग जिले में दो बहनों का यौन शोषण, मामले में पिता और चाचा आरोपी, गिरफ्तार

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में दो बहनों का उनके पिता और चाचा द्वारा कथित तौर पर यौन शोषण करने का मामला प्रकाश में आया है। यह जानकारी पुलिस ने रविवार को दी। छावनी प्रमुख पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने कहा कि पुलिस ने भिलाई शहर से दो आरोपियों को शनिवार को गिरफ्तार किया। उन्होंने कहा, ''यह मामला तब प्रकाश में आया जब 20 वर्ष से अधिक उम्र की दोनों बहनों को 'मुस्कान' अभियान के तहत रायपुर से बचाया गया। छह साल पहले दोनों के घर से भाग जाने के बाद उनके पिता की ओर से गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराये जाने के आधार पर यह अभियान चलाया गया था।''

एक अधिकारी ने कहा कि पीड़िताओं के मुताबिक उनका यौन शोषण किये जाने की शुरुआत अगस्त, 2017 में हुई जब बड़ी बहन (तब 16 साल की उम्र थी) से घर में ही चाचा ने चाची की अनुपस्थिति में छेड़छाड़ की। उन्होंने कहा कि पीड़ित बहनें अक्सर अपने चाची के घर जाया करती थीं, क्योंकि उनकी मां मानसिक बीमारी के कारण उनकी देखभाल करने में अक्षम थी। अधिकारी ने कहा कि चाचा ने एक मौके पर बड़ी लड़की से दुष्कर्म किया और अक्सर उसका यौन शोषण करना जारी रखा। जब लड़की ने इसकी शिकायत अपने पिता से की तो उसने उसे झिड़क कर भगा दिया और बाद में उसके पिता ने भी उससे छेड़छाड़ करना शुरू कर दिया। अधिकारियों ने कहा कि पिता ने जब 14 साल की छोटी लड़की से भी छेड़छाड़ करना शुरू किया तो पीड़िताओं ने घर से भागने का फैसला किया। अधिकारी ने कहा कि इस मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 376 (दुष्कर्म) और धारा 354 (महिला का शील भंग करने की मंशा से किया गया अपराध) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

बदायूं में पशु क्रूरता के मामले में मारे गए चूहे का बरेली में होगा पोस्टमार्टम, पुलिस ने कहा पशु क्रूरता अधिनियम लागू नहीं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले के सदर कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार को डुबोकर मारे गए एक चूहे का शनिवार को बरेली के भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) में पोस्टमार्टम किया गया। आईवीआर में वैज्ञानिक डॉ. अशोक कुमार ने चूहे के शव का पोस्टमार्टम किया। पोस्टमार्टम विभाग के प्रभारी अधिकारी डॉ. पवन कुमारने रविवारको बताया कि चूहे का पोस्टमार्टम हो गया है और अगले चार-पांच दिन में रिपोर्ट सौंप दी जाएगी।

मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. ए के जादौन ने कहा कि चूहे की इस तरह हत्या पशु क्रूरता अधिनियम के तहत आती है। बदायूं कोतवाली के प्रभारी निरीक्षकहरपालसिंह ने बताया किचूहेकी पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई होगी। उल्लेखनीय है कि पशु प्रेमी विकेंद्र शर्मा ने शुक्रवार को बदायूं के बिजली उपकेंद्र के पास मनोज कुमारनाम के एक व्यक्ति को चूहे की पूंछ में धागे से पत्थर बांधने के बाद उसे नाले में फेंकते देखा था। चूहे को क्रूरता के साथ मारने को लेकर विक्रेंद्र की ओर से बदायूं कोतवाली में पशु क्रूरता अधिनियम के तहत शिकायत दर्ज कराई गई तो पुलिस ने मनोज को कोतवाली बुलाकर पूछताछ की। विकेंद्र की तहरीर पर सदर कोतवाली पुलिस ने चूहे के शव को सील कर बदायूं के पशु चिकित्सालय में भेजवाया, लेकिन वहां के कर्मचारियों ने संसाधनों के अभाव में पोस्टमॉर्टम करने से इनकार कर दिया। इसके बाद मृत चूहे के शव को पोस्टमार्टम के लिए आईवीआरआई, बरेली भेज दिया गया था। बदायूं नगर के पुलिस उपाधीक्षक आलोक मिश्रा ने बताया की चूहे को नाले में डुबोकर मारने की शिकायत मिली थी, जिस पर तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी मनोज कुमार को थाने बुलाकर पूछताछ की गई। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आरोपी के खिलाफ विधिक कार्यवाही की जाएगी। हालांकि,पुलिस उपाधीक्षक ने स्पष्ट किया कि चूहा पशु की श्रेणी में नहीं आता है, इसलिए पशु क्रूरता अधिनियम लागू नहीं होगा।

अयोध्या पहुंचे योगी आदित्यनाथ ने किया रामलला दर्शन पूजन, एक हज़ार करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का करेंगे लोकार्पण और शिलान्यास

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को अयोध्या पहुंचकर रामजन्मभूमि परिसर में रामलला का दर्शन-पूजन किया और उनकी आरती की। मुख्यमंत्री ने हनुमानगढ़ी मंदिर में भी पूजा अर्चना की। अयोध्या में विकास परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण और प्रबुद्धजन सम्मेलन में शामिल होने से पहले योगी ने अपने दौरे में रामजन्म भूमि पर चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया और अब तक की प्रगति की जानकारी हासिल की। इसके बाद मुख्यमंत्री ने टेढ़ी बाजार पहुंचकर विभिन्न निर्माणाधीन स्थलों व मल्टीलेवल पार्किंग का निरीक्षण किया। योगी अयोध्या में एक हज़ार करोड़ रुपये से अधिक की 46 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे।

गोवा में मनोरोगी ने कार पर हथौड़े से किया हमला, घटना का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल

नई दिल्ली। गोवा में एक राजमार्ग पर एक मनोरोगी व्यक्ति ने बिना उकसावे के एक कार पर हथौड़े से हमला कर दिया। हमले के वक्त कार में सवार व्यक्ति दाबोलिम हवाई अड्डे की ओर जा रहा था। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस निरीक्षक अनंत गांवकर ने बताया कि यह घटना पोरवोरिम इलाके में ओ'कोक्विरो जंक्शन के समीप शनिवार सुबह करीब 11 बजकर 45 मिनट पर हुई। घटना के बाद आरोपी को हिरासत में ले लिया गया। उन्होंने बताया कि हमलावर मनोरोगी है। इस घटना का वीडियो बाद में सोशल मीडिया मंचों पर भी काफी प्रसारित हुआ। हमले के वक्त कार में सवार एंथनी डायस कैंडोलिम से हवाई अड्डे की ओर जा रहा था। पुलिस अधिकारी ने कहा, ''जब कार एक यातायात सिग्नल पर रुकी तो मोटरसाइकिल सवार आरोपी चार पहिया वाहन के सामने आ गया तथा उसे रुकवा दिया।'' उन्होंने बताया कि आरोपी ने कार की विंडशील्ड, दरवाजे, छत, बायीं ओर की हेडलाइट और कार के अन्य हिस्सों पर बिना किसी उकसावे के हथौड़ा मारना शुरू कर दिया। उन्होंने बताया कि कार में सवार व्यक्ति की शिकायत पर आरोपी को बाद में हिरासत में लिया गया तथा उसे गोवा के बैंबोलिम में 'इंस्टीट्यूट ऑफ साइकाइट्री एंड ह्यूमैन बिहेवियर' में भर्ती कराया गया है क्योंकि उसका मानसिक बीमारी का इतिहास रहा है।

जम्मू कश्मीर में श्रीनगर में मौसम की अब तक की सबसे सर्द रात दर्ज, तापमान शून्य से 2.1 डिग्री सेल्सियस नीचे

जम्मू। कश्मीर में पारा शून्य से नीचे गिरने के साथ ही श्रीनगर में इस मौसम में अब तक की सबसे सर्द रात दर्ज की गयी। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि शहर में शनिवार रात को न्यूनतम तापमान शून्य से 2.1 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया जो इस मौसम में अभी तक सबसे कम है। उन्होंने बताया कि रात का तापमान इस मौसम के लिए सामान्य से 1.2 डिग्री नीचे दर्ज किया गया। दक्षिण कश्मीर में वार्षिक अमरनाथ यात्रा के आधार शिविर में से एक पहलगाम पर्यटक रिजॉर्ट में तापमान शून्य से 3.4 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा और यह घाटी में सबसे ठंडा स्थान रहा। अधिकारियों ने बताया कि उत्तर कश्मीर के बारामूला जिले में मशहूर स्की-रिजॉर्ट गुलमर्ग में पारा शून्य से 1.0 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में घाटी में प्रवेश के केंद्र काजीगुंड में न्यूनतम तापमान शून्य से 1.4 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया जबकि उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा में भी यह शून्य से 1.4 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा। कोकेरनाग में तापमान शून्य से 0.4 डिग्री सेल्सियस कम रहा। लद्दाख में लेह शहर में पारा शून्य से 7.8 डिग्री सेल्सियस नीचे था जबकि द्रास में न्यूनतम तापमान शून्य से 11.6 डिग्री सेल्सियस कम दर्ज किया गया। मौसम कार्यालय ने कहा कि न्यूनतम तापमान और गिर सकता है क्योंकि मौसम के सात दिसंबर तक मुख्यत: शुष्क रहने की संभावना है।

भाजपा ने नीतीश पर "सांस्कृतिक पुलिसिंग" का आरोप लगाया

पटना (एजेंसी)। बिहार भाजपा ने नीतीश कुमार सरकार पर अपनी राजनीतिक विचारधारा के विरोधियों को राज्य में मंच पर प्रदर्शन करने से रोककर ''सांस्कृतिक पुलिसिंग''करने का आरोप लगाया है। पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने आरोप लगाया कि सोनपुर मेला में आमंत्रित कवियित्री अनामिका अम्बर को काव्य पाठ से रोक कर नीतीश सरकार ने दिनकर की धरती पर हिंदी कविता, स्त्री और अभिव्यक्ति की आजादी का जैसा तिहरा अपमान किया, उससे बिहार शर्मसार हुआ।

उन्होंने कहा कि अनामिका ने उत्तर प्रदेश में अपराधियों, देशविरोधी ताकतों और हर तरह के माफिया पर कानून के शासन का बुलडोजर चलाने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति जनभावना को वाणी देने वाले कुछ गीत लिखे हैं, जिसे नीतीश कुमार का अहंकार बर्दाश्त नहीं कर सका। सुशील ने कहा कि 22 करोड़ की आबादी वाले बड़े राज्य उत्तरप्रदेश में योगी जी कुशल शासन देकर दूसरी बार पूर्ण बहुमत से सत्ता में लौटे हैं, ऐसे निर्वाचित मुख्यमंत्री के सम्मान में कविता लिखना क्या अपराध है। योगी की लोकप्रियता से नीतीश कुमार डर गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि तानाशाही के विरुद्ध लड़ने वाले जेपी आंदोलन से निकले नीतीश कुमार अब खुद तानाशाही पर उतर आए हैं।

सुशील ने कहा कि आपातकाल के दौरान कांग्रेस सरकार ने जनकवि नागार्जुन को जेल में डाला था। उसी कांग्रेस से हाथ मिलाने वाले नीतीश-लालू की सत्ता आज युवा कवियित्री को मंच से उतार रही है। उन्होंने कहा कि इस घटना का कलंक धोने के लिए भाजपा जल्द ही अनामिका अम्बर के काव्य पाठ का आयोजन कर उन्हें सम्मानित करेगी। इस साल अगस्त में बिहार में सत्ता गंवाने वाली भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता निखिल आनंद ने एक बयान में दावा किया कि उत्तर प्रदेश की एक कवि अनामिका जैन अंबर को प्रसिद्ध सोनपुर मेले में उनके छंदों को पढ़ने से ''रोका'' गया था।

उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार पर ''सांस्कृतिक पुलिसिंग'' का आरोप लगाया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की आत्मकथाओं के लिए जानी जाने वाली अंबर द्वारा सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट करने के बाद विवाद खड़ा हो गया जिसमें आरोप लगाया गया था कि कविता पाठ करने की उनकी अनुमति ''प्रशासन द्वारा ग्यारहवें घंटे में वापस ले ली गई'' थी। उन्होंने कहा, ''मैं रामधारी सिंह दिनकर की भूमि पर प्रस्तुति देने के अवसर से वंचित होने से बहुत दुखी हूं।''

अंबर ने दावा किया कि उसने पटना हवाई अड्डे पर अपनी वापसी की उड़ान का इंतजार करते हुए उन्हें अनुमति देने से इनकार करने पर बोलते हुए खुद का एक वीडियो शूट किया था। उन्होंने दावा किया, ''यहां तक कि जिला प्रशासन के अधिकारी भी अपमानित दिखे जब उन्होंने मुझे ऊपर से मुझे रोकने के आदेश के बारे में बताया।'' बिहार में जन्मी नेहा सिंह राठौर, जो भोजपुरी में अपनी तीखी राजनीतिक सामग्री के साथ भाजपा पर प्रहार करती रहीं हैं, के साथ उनका हालिया विवाद सोशल मीडिया पर वायरल हुआ।

भाजपा के इस आरोप का राज्य के कला और संस्कृति मंत्री जितेंद्र कुमार राय ने खंडन करते हुए कहा कि मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वालों में अंबर का नाम कभी नहीं आया था। राय ने कवि और उनके भाजपा समर्थकों पर ''झूठ'' का सहारा लेने का आरोप लगाते हुए विवाद पर भड़ास निकाली। 10 नवंबर को शुरू होने वाले और 5 दिसंबर को समाप्त होने वाले सोनपुर मेले में होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सूची पेश करते हुए उन्होंने पूछा कि उक्त सूची में उस कवियत्रि का कहां है। मंत्री ने जोर देकर कहा कि यह एक राजकीय मेला है और हालांकि आगंतुकों के रूप में सभी का स्वागत है लेकिन ऐसा नहीं हो सकता है कि मंच पर प्रदर्शन करने की इच्छा व्यक्त करने वाले का मनोरंजन किया जा सके।

जनसंख्या नियंत्रण कानून को लेकर आया गिरिराज सिंह का बयान, कहा देश के विकास के लिए विधेयक जरूरी

नई दिल्ली । (एजेंसी)। भाजपा नेता गिरिराज सिंह आमतौर पर अपने बयानों के चलते चर्चा में बने रहते है। अब गिरिराज सिंह ने एक बार फिर से अहम मुद्दे पर बयान देकर सुर्खियां बटोरी है। जनसंख्या नियंत्रण विधेयक को लेकर अब भाजपा नेता गिरिराज सिंह का बड़ा बयान आया है। बढ़ती जनसंख्या पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि भारत के लिए जनसंख्या नियंत्रित करना महत्वपूर्ण है क्योंकि हमारे पास संसाधन सीमित मात्रा में ही है। उन्होंने कहा कि अगर भारत तेजी से विकास करना चाहता है तो ये जरूरी है कि जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाया जाए।

दिल्ली के जंतर मंतर पर आयोजित जनसंख्या नियंत्रण रैली के दौरान उन्होंने कहा कि देश में ये कानून नहीं बना तो देश में सामाजिक समरसता और एकता नहीं बचेगी। देश का विकास करने के लिए इस कानून का होना बेहद अहम है। उन्होंने चीन का उदाहरण देते हुए कहा कि वर्ष 1978 से पहले चीन की जीडीपी भारत से कम थी, मगर आज चीन भारत से विकसित है, क्योंकि यहां वन चाइल्ड पॉलिसी लागू है। उन्होंने कहा कि चीन में एक मिनट में 10 बच्चे पैदा होते हैं जबकि भारत में एक मिनट में 30 बच्चे पैदा होते है। अगर हमारे देश की जनसंख्या ऐसे ही तीन गुणा तेजी से बढ़ती रही तो हमारे लिए चीन का मुकाबला करना मुश्किल हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि ये एक महत्वपूर्ण विषय है। ये समझना बेहद जरूरी है कि हमारे पास संसाधन बेहद सीमित है। इनका उपयोग सही दिशा में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस कानून को जनसंख्या बिल देश के सभी धर्म संप्रदायों के लोगों पर लागू होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस विधेयक को लाकर पूरे देश में समान रूप से इसे लागू करना चाहिए। जो भी इस कानून का पालन नहीं करेगा उसे सरकारी योजनाओं का लाभ ना देते हुए बेदखल करना चाहिए। ऐसे लोगों से वोटिंग का अधिकार भी सरकार को छिन लेना चाहिए।

अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस ने कभी भी वोट बैंक की राजनीति के चलते आतंकी हमलों की निंदा नहीं की

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस के सत्ता में रहने के दौरान अक्सर आतंकी हमले होते थे और पाकिस्तानी आतंकवादी भारतीय सैनिकों की हत्या किया करते थे, लेकिन तत्कालीन सत्तारूढ़ दल ने 'वोट बैंक' की राजनीति के चलते कभी इसकी निंदा नहीं की। मुंबई में 26 नवंबर 2008 को हुए आतंकी हमले में मारे गये लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शाह ने कहा कि केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार रहने के दौरान इस तरह के हमले होना असंभव है।

उन्होंने भावनगर जिले के तालजा कस्बे में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक उम्मीदवार के पक्ष में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, ''आज 26/11 हमले की बरसी है। इस दिन (2008 में) पाकिस्तानी आतंकवादियों ने मुंबई में 164 लोगों की हत्या कर दी थी। इस तरह के हमले कांग्रेस के शासन के दौरान अक्सर हुआ करते थे, लेकिन आज के समय में 26/11 जैसा आतंकी हमला होना संभव नहीं है क्योंकि नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री हैं।''

गुजरात में दो चरणों में हो रहे विधानसभा चुनाव के तहत प्रथम चरण में एक दिसंबर को तालजा और 88 अन्य सीट पर वोट डाले जाएंगे। शाह ने कहा, ''सोनिया (गांधी) और (पूर्व प्रधानमंत्री) मनमोहन सिंह 2004 से 2014 तक 10 वर्ष सत्ता में थे। उनके शासन के दौरान पाकिस्तानी आतंकवादी अक्सर भारत में प्रवेश किया करते थे और हमारे सैनिकों की हत्या करते थे तथा उनके सिर काट देते थे। इसके बावजूद भी कांग्रेस ने एक शब्द तक नहीं कहा। क्यों? इसका कारण वोट बैंक है। मैं उम्मीद करता हूं कि आप जानते होंगे कि कांग्रेस का वोट बैंक कौन है।'' उन्होंने यह भी सवाल किया, ''क्या आप अनुच्छेद 370 जम्मू कश्मीर से हटाया जाना नहीं चाहते थे? 70 वर्षों तक कांग्रेस के इन नेताओं ने (जवाहरलाल) नेहरू की गलतियों को संरक्षित कर रखा।

आरएसएस प्रमुख ने शाहजहां के समय जजिया कर और उसकी वापसी की चर्चा की

नई दिल्ली(एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को दावा किया कि मुगल शहजादा दारा शिकोह को अपने पिता सम्राट शाहजहां के दरबार में शास्त्रार्थ के दौरान काशी के विद्वानों से 'पराजय' का सामना करना पड़ा जिसके बाद उसकी हिंदू ग्रंथों में दिलचस्पी जागी। सरसंघचालक बिहार के बक्सर जिले में एक धार्मिक समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने दावा किया कि शाहजहां ने बाद में 'जजिया' कर वापस ले लिया था। हालांकि, बादशाह के छोटे बेटे औरंगजेब के सिंहासन पर बैठने पर हिंदुओं पर जजिया कर फिर से लगाया गया।उन्होंने कहा, ''जब शाहजहां ने फैसला किया कि 'तीर्थ यात्रा' करने वाले या किसी भी प्रकार की सभा आयोजित करने वाले सभी हिंदुओं को जजिया देना होगा, तो काशी के एक विद्वान, जिनका नाम मुझे याद नहीं है, ने समान विचारधारा वाले लोगों को इस कदम को चुनौती देने के लिए एकत्रित किया था।'' उन्होंने कहा कि विद्वान की मंडली ने शाहजहां से मुलाकात की और पूछा कि कर लगाने के पीछे क्या तर्क था। उन्हें सम्राट द्वारा उचित रूप से बताया गया था कि इसका पैसे से कोई लेना-देना नहीं है और धर्म को बनाए रखने का इरादा था। आरएसएस प्रमुख की ने कहा कि काशी के विद्वानों ने तब सम्राट से कहा कि एक शास्त्रार्थ कराएं जिसमें वह उनकी पसंद के विद्वानों के साथ बहस करेंगे। भागवत के मुताबिक शास्त्रार्थ छह महीने तक चला जिसके बाद शाहजहां ने हार मान ली। भागवत ने अंतिम मुगल सम्राट के बारे में कहा कि अनुभव ने शाहजहां को जजिया वापस लेने के लिए प्रेरित किया था, लेकिन उनके छोटे बेटे औरंगजेब के भाई की हत्या करके सिंहासन ग्रहण करने के बाद जजिया कर फिर से लगाया गया था। उन्होंने कहा कि यह ज्ञात होना चाहिए कि शास्त्रार्थ ने दारा शिकोह को बहुत प्रभावित किया था, यही कारण है कि उन्होंने उपनिषदों, गीता और रामायण में रुचि ली और फारसी में इनका अनुवाद किया। आरएसएस प्रमुख बक्सर निवासी एक दिवंगत धर्मावलंबी श्रीमन नारायण दास भक्तमाली उपाख्य 'मामा जी' के दिवंगत गुरु महर्षि श्री खाकी बाबा सरकार के 53वें निर्वाण के अवसर पर यहां नया बाजार में आयोजित ''सिय-पिय मिलन'' महामहोत्सव में शामिल हुए।

बांग्लादेश में हिंसा के बाद मिजोरम में कुकी-चिन शरणार्थियों की संख्या बढ़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश के 'चटगांव हिल ट्रैक्ट' में हिंसा से बचकर मिजोरम आने वाले कुकी-चिन जनजातीय शरणार्थियों की संख्या बढ़कर 300 के करीब हो गई है। इस मामले की जानकारी रखने वाले एक स्थानीय नेता ने यह जानकारी दी। स्थानीय शरणार्थी आयोजन समिति के अध्यक्ष गॉस्पेल हमांगईहजुआला ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि 21 कुकी-चिन शरणार्थियों ने शुक्रवार देर रात बांग्लादेश के चटगांव हिल ट्रैक्ट (सीएचटी) से सीमा पार की। सीएचटी में कथित हिंसा के कारण मिजोरम आए कुकी-चिन शरणार्थियों के मद्देनजर लवंगतलाई जिले के परवा गांव के ग्रामीण प्राधिकारियों और गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) ने हाल ही में इस आयोजन समिति का गठन किया था। कुकी-चिन जनजाति बांग्लादेश, मिजोरम और म्यांमा के पहाड़ी इलाकों में फैली हुई है। गॉस्पेल ने बताया कि 21 शरणार्थियों के सीमा पार करने के तुरंत बाद सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) सीमावर्ती गांव से लगभग 21 किलोमीटर दूर स्थित परवा गांव में इन्हें लेकर आए। उन्होंने बताया कि इस समय बांग्लादेश के कुल 294 लोगों ने परवा के एक स्कूल, एक सामुदायिक सभागार, एक आंगनवाड़ी केंद्र और एक उप-केंद्र में शरण ले रखी है। परवा ग्राम परिषद के अध्यक्ष गोस्पेल ने बताया कि कुकी-चिन शरणार्थियों को एनजीओ द्वारा भोजन, कपड़े और अन्य राहत सामग्रियां उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने बताया कि शरणार्थियों का पहला जत्था 20 नवंबर को लवंगतलाई जिले में दाखिल हुआ था।कुकी-चिन समुदाय के लोग बांग्लादेशी सेना और एक जातीय विद्रोही समूह कुकी-चिन नेशनल आर्मी (केएनए) के बीच सशस्त्र संघर्ष के बाद अपने घर छोड़कर मिजोरम आ रहे हैं। राज्य सरकार के अधिकारियों ने इस मामले में कोई टिप्पणी नहीं की है। इससे पहले, मिजोरम की कैबिनेट ने कुकी-चिन शरणार्थियों के प्रति मंगलवार को सहानुभूति व्यक्त की थी।

पार्टी की केरल इकाई में किसी से परेशान या नाराज नहीं हूं: कांग्रेस सांसद थरूर

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने रविवार को कहा कि वह पार्टी की केरल इकाई में किसी से परेशान या नाराज नहीं हैं तथा उन्हें किसी से बातचीत करने में कोई परेशानी नहीं है क्योंकि '' हम बालविहार में नहीं जहां एक दूसरे से बातचीत करने की मनाही हो।'' 'ऑल इंडिया प्रोफेशनल्स कांग्रेस' के प्रदेश स्तर सम्मेलन में हिस्सा लेने यहां आये तिरुवनंतपुरम के सांसद थरूर ने संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने पार्टी में किसी के विरुद्ध कुछ नहीं बोला है, न ही उसके (पार्टी के) निर्देश के विरुद्ध कुछ किया ,ऐसे में उन्हें समझ नहीं आ रहा कि क्यों ऐसा विवाद खड़ा किया गया है।

उन्होंने कार्यक्रम से पहले संवाददाताओं से कहा, '' मैं किसी से परेशान या नाराज नहीं हूं। मैंने किसी को दोषी नहीं ठहराया है या किसी पर आरोप नहीं लगाया है। मेरी तरफ से कोई शिकायत या मुद्दा नहीं है। मुझे सभी को एक जैसा देखने में कोई दिक्कत नहीं है और मुझे किसी से बातचीत करने में कोई परेशानी नहीं है।'' जब उनसे पूछा गया कि क्या वह विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीशन और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के सुधाकरण से बातचीत करेंगे, तब उन्होंने कहा कि वह (सुधाकरण) स्वस्थ नहीं हैं और वह वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से भाग लेंगे।

सतीशन के बारे में उन्होंने कहा, '' यदि हमारी कार्यक्रम स्थल पर भेंट होती है तो हम मिलेंगे।'' उन्होंने सवाल किया, ''यदि वे मुझसे बात करेंगे तो मैं क्यों नहीं बात करूंगा? हम बालविहार में थोड़े ही हैं कि एक-दूसरे से बातचीत नहीं करें। लेकिन यदि एक वक्त पर एक ही जगह पर हम नहीं हैं तो हम कैसे एक-दूसरे से बातचीत करेंगे।'' सतीशन ने हाल में थरूर का नाम लिये बिना कहा था कि पार्टी में किसी भी प्रकार की गुटबाजी या समानांतर गतिविधियों की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी थी कि ऐसे कदमों से 'गंभीरता' से निपटा जाएगा। थरूर के मालाबार दौरे के आलोक में विपक्ष के नेता द्वारा दिये गये कई बयानों में यह एक बयान है। प्रदेश में कांग्रेस का एक अहम वर्ग परेशान है और कुछ को 'इस कदम के पीछे एजेंडा' नजर आता है। थरूर के विरोधी महसूस करते हैं कि अपने कार्यक्रमों के माध्यम से वह खुद को मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नीत वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के शासन को खत्म करने के लिए 2026 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के मुख्यमंत्री पद के आदर्श उम्मीदवार के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहे हैं। केरल में एलडीएफ 2016 से सत्तारूढ़ है। उनके हाल के दौरे पर बढ़ते विवाद के बीच प्रदेश कांग्रेस की अनुशासन समिति ने शनिवार को अपने नेताओं को हर स्थान पर कार्यक्रमों में भाग लेने के दौरान संबंधी पार्टी मंचों की अनदेखी नहीं करने का कड़ा निर्देश दिया। समिति ने पार्टी नेताओं को ऐसे कार्यक्रमों में जाने की पहले से सूचना भी देने का निर्देश दिया। जब रविवार को संवाददाताओं ने थरूर के सामने यह विषय उठाया तो उन्होंने कहा कि जब भी वह किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में जाते हैं तो जिला कांग्रेस अध्यक्षों को सदैव सूचना दी जाती है। उन्होंने कहा कि चूंकि यह निजी कार्यक्रम था तो उसके बारे में जिला कांग्रेस अध्यक्ष को सूचना देने की जरूरत नहीं थी।

गुजरात में बन रही आम आदमी पार्टी की सरकार, अरविंद केजरीवाल ने किया दावा

नई दिल्ली(एजेंसी)। गुजरात में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कागज पर लिखकर दिया है कि राज्य में आम आदमी पार्टी की सरकार ही बनेगी। उन्होंने कहा कि गुजरात में आप के प्रदर्शन को देखकर बीजेपी के होश उड़ गए है और पार्टी बौखला गई है।

बता दें कि अरविंद केजरीवाल गुजरात चुनाव के पहले चरण के मतदान से पहले दो दिवसीय सूरत की यात्रा पर हैं। इस दौरान उन्होंने कहा कि 27 वर्षों तक सत्ता में रहने वाली बीजेपी गुजरात के लोगों पर ही हमला कर रही है। लोग डरे हुए है। उन्होंने दावा किया कि बीजेपी के मतदाता भी आप पार्टी को ही वोट देंगे।

उन्होंने कहा कि राज्य में पुरानी पेंशन लागू की जाएगी। राज्य में सरकार बनने तक 31 जनवरी तक ओल्ड पेंशन स्कीम जारी की जाएगी। सरकार में कई कच्चे कर्मचारी, ड्राइवर, कंडक्टर और होमगार्ड आदि हैं जिनके ढ़ेरों मुद्दे है। इन सभी कर्मचारियों की समस्याओं को दूर किया जाएगा।

उन्होंने दिल्ली और पंजाब में बनी सरकारों का जिक्र करते हुए कहा कि मेरी भविष्यवाणी सच निकली है। वर्ष 2014 के चुनाव में दिल्ली में कहा था कि इस बार कांग्रेस जीरो पर होगी और वैसा ही हुआ था। पंजाब चुनाव के दौरान की गई सभी भविष्यवाणियां भी सही साबित हुई है। मैंने नवजोत सिंह सिद्धू, चन्नी, बादल परिवार को लेकर जो भी बातें कही सच साबित हुई। ऐसे में अब गुजरात चुनाव को लेकर की गई भविष्यवाणी भी सच साबित होगी।

इस दिन होगा चुनाव

गुजरात में विधानसभा चुनावके लिए दो चरणों में, एक और पांच दिसंबर को मतदान होगा और मतों की गिनती हिमाचल प्रदेश के साथ ही आठ दिसंबर को होगी। गुजरात की कुल 182 सदस्यीय विधानसभा के लिए पहले चरण में 89 सीटों पर और दूसरे चरण में 93 सीटों पर मतदान होगा। बता दें कि गुजरात विधानसभा का कार्यकाल 18 फरवरी 2023 को समाप्त हो रहा है।

वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 99 सीट जीती थीं जबकि कांग्रेस को 77 सीट मिली थीं। प्रतिशत के लिहाज से देखा जाए तो उस चुनाव में भाजपा को 49.05 प्रतिशत मत मिले थे जबकि कांग्रेस को 42.97 प्रतिशत मत मिले थे। पिछले विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस के कई विधायक भाजपा में शामिल हो गए। इस वजह से विधानसभा में भाजपा के सदस्यों की संख्या बढ़कर 111 हो गई जबकि कांग्रेस के सदस्यों की संख्या घटकर 62 पर पहुंच गई। गुजरात में 4.9 करोड़ से अधिक मतदाता हैं और इनमें 4.6 लाख मतदाता ऐसे हैं जो पहली बार मतदान करेंगे। निर्वाचन आयोग राज्य में 51,782 मतदान केंद्र स्थापित करेगा। इनमें 34,276 मतदान केंद्र ग्रामीण क्षेत्रों में हों। शहरी इलाकों में 17,506 मतदान केंद्र होंगे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

पड़ोसी ने घर में घुसकर की ताबड़तोड़ फायरिंग, तीन सगे भाइयों की मौत

भरतपुर। राजस्थान के भरतपुर जिले में घर में घुसकर कर तीन भाइयों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। भरतपुर के कुम्हेर थाने के सिकरौरा गांव में दो पक्षों में विवाद चल रहा था। पड़ोस में रहने वाले लखन ने अपने साथियों के साथ मिलकर तीनों भाइयों को घर में घुसकर गोली मार दी जिससे तीनों की मौत हो गई। बतया जा रहा है कि, मृतक तीन भाईयों में से एक भाई पुलिस कांस्टेबल था। इस तिहरे हत्याकांड के बाद गांव में तनाव बढ़ जाने के बाद मौके पर भारी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई है।

गोली लगने से तीन परिवार के ही तीन लोग घायल हैं

गोली लगने से इसी परिवार के तीन अन्य लोग घायल हैं जिनको अस्पताल में भर्ती कराया गया है । सूचना के बाद गांव में पुलिस जाब्ता तैनात किया गया है आरोपियों की तलाश की जा रही है । गोली लगने से एक मृतक के बेटे टैन पाल और उसकी मां और भाई भी घायल हुए हैं। उनका इलाज किया जा रहा है।

भरतपुर जिला मुख्यालय से करीब 20 किलोमीटर दूर कमरे थाना इलाके के सिकरोरा गांव का मामला है। इसी गांव के रहने वाले लाखन सिंह नाम के व्यक्ति ने घर में घुसकर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी थी। गोली लगने से गजेंद्र, समंदर और ईश्वर की मौत हो गई। तीनों मृतक सगे भाई हैं। वहीं गोली लगने से मृतक गजेंद्र का पुत्र टैन पाल, उसकी मां और भाई गंभीर रूप से घायल हैं जिन का इलाज चल रहा है ।

स्पेस सेक्टर की सफलता को पड़ोसी देशों से भी साझा कर रहा भारत, मन की बात में बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के जरिए देशवासियों को संबोधित कर रहे हैं। यह मन की बात का यह 95 वां एपिसोड है। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि कुछ दिन पहले ही मुझे तेलंगाना से हरिप्रसाद गारू ने हाथ से G-20 का लोगो बुनकर भेजा है। ये शानदार उपहार देखकर मैं हैरान रह गया। मेरे मन में विचार आया कि तेलंगाना में बैठा व्यक्ति में G-20 सम्मेलन से खुदको कितना जुड़ा हुआ महसूस करता है।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और बीजेपी सांसद रवि शंकर प्रसाद अहमदाबाद में पीएम नरेंद्र मोदी की 'मन की बात' सुन रहे हैं। वहीं, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'मन की बात' सुन रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा, साथियों, भारत स्पेस के सेक्टर में अपनी सफलता, अपने पड़ोसी देशों से भी साझा कर रहा है। कल ही भारत ने एक सेटेलाइट लॉन्च की, जिसे भारत और भूटान ने मिलकर डेवलप किया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि चाहे शांति हो या एकता, पर्यावरण को लेकर संवेदनशीलता की

बात हो, या फिर सतत विकास की, भारत के पास इनसे जुड़ी चुनौतियों का समाधान है। हमने वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर की जो थीम दी है, उससे वसुधैव कुटुम्बकम के लिए हमारी प्रतिबद्धता जाहिर होती है। पीएम मोदी ने कहा, ड्रोन के क्षेत्र में भी भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। कुछ दिन पहले हमने देखा कि कैसे हिमाचल प्रदेश के किन्नौर में ड्रोन के जरिए सेब ट्रांसपोर्ट किए गए।

मोदी ने कहा, बीते 8 वर्षों में भारत से म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट का निर्यात साढ़े तीन गुना बढ़ गया है। इलेक्ट्रिकल म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट की बात करें तो इनका निर्यात 60 गुना बढ़ा है। इससे पता चलता है कि भारतीय संस्कृति और संगीत की लोकप्रियता दुनिया में बढ़ रही है।

पीएम मोदी हर महीने के आखिरी रविवार को मन की बात कार्यक्रम करते हैं। इस कार्यक्रम में मोदी अक्सर पिछले महीने में हुई घटनाओं का जिक्र करते हैं और आने वाले ऐतिहासिक कार्यक्रमों की चर्चा करते हैं। पिछले कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि हमने ड्रोन तकनीक के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए इसकी लाइसेंसिंग की प्रक्रिया को आसान किया है।

पिछले कार्यक्रम में स्वच्छ भारत

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और बीजेपी सांसद रवि शंकर प्रसाद अहमदाबाद में पीएम नरेंद्र मोदी की 'मन की बात' सुन रहे हैं। वहीं, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'मन की बात' सुन रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा, साथियों, भारत स्पेस के सेक्टर में अपनी सफलता, अपने पड़ोसी देशों से भी साझा कर रहा है।

अभियान का जिक्र

इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने स्वच्छ भारत अभियान का भी जिक्र किया और कहा कि हमें दिवाली पर स्वच्छता के दौरान अपने घर ही नहीं बल्कि पास-पड़ोस की सफाई की भी चिंता करनी है। उन्होंने कहा कि हमें इस अभियान के तहत यह संकल्प भी लेना है कि सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल नहीं करना है।

इमरान खान में इस्लामाबाद मार्च का आह्वान वापस लिया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधान मंत्री इमरान खान ने अफरातफरी की आशंका के चलते राजधानी इस्लामाबाद की ओर जा रहे अपने लॉन्ग मार्च को वापस लेने की घोषणा की है।

श्री खान ने उन पर जानलेवा हमला होने के बाद राजधानी के पास रावलपिंडी में अपने पहले सार्वजनिक संबोधन में कहा, मैंने इस्लामाबाद नहीं जाने का फैसला किया है क्योंकि मुझे पता है कि तबाही होगी और देश को नुकसान होगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार श्री खान ने शनिवार को रावलपिंडी के गैरिसन सिटी में आयोजित एक बड़ी रैली को सम्बोधित करते लाँग मार्च को वापस लेने घोषणा की ताकि किसी तरह की अफरातफरी को टाला जा सके।उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी राज्य विधानसभाओं से इस्तीफा दे देगी ताकि जल्दी चुनाव कराने के लिए सरकार पर दवाब डाला जा सके।

उन्होंने अपने समर्थकों से भावनात्मक अपील करते हुये कहा कि देश पहले ही आर्थिक संकट का सामना कर रहा है लिहाजा देश में किसी तरह

अफरातफरी घातक सिद्ध होगी और यह देश के लिए अच्छा नहीं होगा। अपने समय महान क्रिकेटर रहे इमरान खान और उनकी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी अप्रैल में अविश्वास प्रस्ताव में प्रधानमंत्री पद से हटाए जाने के बाद से सरकार पर जल्दी चुनाव कराने के लिए जोर देने के लिए देशव्यापी विरोध प्रदर्शन कर रही है।

भारत जोड़ो यात्रा के दौरान दिखा राहुल गांधी का खास अंदाज, महू में बाइक चलाते आए नजर

भोपाल। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की अगुवाई वाली 'भारत जोड़ो यात्रा' रविवार को मध्य प्रदेश के सबसे बड़े शहर इंदौर पहुंची। राहुल आज सुबह महू में यात्रा के दौरान बाइक चलाते नजर आए। न्यूज एजेंसी एएनआई ने कांग्रेस नेता का वीडियो जारी किया है, जिसमें उनकी बाइक के आगे सुरक्षाकर्मी दौड़ते नजर आ रहे हैं। रास्ते को जल्दी-जल्दी खाली कराया जा रहा है। राहुल के पीछे से उनके समर्थक दौड़ लगा रहे हैं जिनमें एक व्यक्ति तिरंगा लिए पीछे-पीछे दौड़ता दिख रहा है।

भारत जोड़ो यात्रा के दौरान समाज के अलग-अलग तबके के लोगों के साथ-साथ एक दिव्यांग

व्यक्ति भी यात्रा में शामिल हुआ और राहुल कुछ देर के लिए उसकी व्हीलचेयर धकेलते नजर आए। यात्रा में हिस्सा लेने के बाद दिव्यांग मनोहर ने बताया कि उन्होंने राहुल से कहा कि अब देश बदलना चाहिए।

MP में आज 'भारत जोड़ो यात्रा' का 5वां दिन

'भारत जोड़ो यात्रा' रविवार को मध्य प्रदेश में 5वें दिन में प्रवेश कर गई। इसमें शामिल लोगों ने डॉ. भीमराव आंबेडकर की जन्मस्थली महू में रात्रि विश्राम के बाद राहुल की अगुवाई में पैदल चलना प्रारंभ किया। यात्रा राऊ के उपनगरीय क्षेत्र से गुजरते हुए इंदौर पहुंची। राऊ में यात्रा के स्वागत के लिए लाल कालीन बिछाई गई थी।

इस बीच, पुलिस आयुक्त हरिनारायणचारी मिश्रा ने बताया कि इंदौर में यात्रा की सुरक्षा के लिए 1,400 कर्मियों को तैनात किया गया है और जगह-जगह बैरिकेड लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि तंग गलियों और घनी आबादी वाले राजबाड़ा क्षेत्र में 12 जर्जर मकानों को अस्थायी तौर पर खाली करा लिया गया है, ताकि इनके कारण यात्रा के दौरान किसी हादसे की आशंका को समाप्त किया जा सके।

'अब पता लगा सलवार सूट में क्यों भागे थे'...

महिलाओं के कपड़ों पर कमेंट करने पर बाबा रामदेव पर भड़की महुआ मोइत्रा

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस नेता महुआ मोइत्रा ने महिलाओं के कपड़ों पर विवादित टिप्पणी के लिए योग गुरु बाबा रामदेव की आलोचना की है। बाबा रामदेव ने शुक्रवार को ठाणे में एक समारोह में उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बेटे और सांसद श्रीकांत शिंदे की उपस्थिति में कहा था,''महिलाएं साड़ियों में अच्छी लगती हैं, सलवार सूट में भी महिलाएं अच्छी लगती हैं और मेरी नजर में बिना कुछ पहने भी अच्छी लगती हैं। बाब रामदेव के इस बयान पर बवाल खड़ा हो गया है। महाराष्ट्र

राज्य महिला आयोग ने शनिवार को योग गुरु बाबा रामदेव को महिलाओं के खिलाफ विवादास्पद बयान के लिए नोटिस जारी किया। आयोग की अध्यक्ष रुपाली चकनाकर ने योग गुरु के बयान को गंभीरता से लेते हुए उन्हें नोटिस जारी किया और तीन दिन के अंदर अपना रुख स्पष्ट करने को कहा है। वहीं बाबा रामदेव की टिप्पणी पर टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने 2011 की घटना का जिक्र करते हुए कटाक्ष किया, जब योग गुरु को पुलिस ने महिला के वेश में भागने की कोशिश करते हुए पकड़ा था।

जेल में सत्येंद्र जैन की 'ऐश' आप के नेता की खातिरदारी का नया वीडियो आया सामने

नई दिल्ली। मनी लॉन्ड्रिंग केस में दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और दिल्ली सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन की सेल में चल रही हाउसकीपिंग सेवाओं का सीसीटीवी वीडियो सामने आया है। इसी वीडियो में आगे जैन को अपने सेल में लोगों से बातचीत करते भी देखा जा सकता है। पहली नजर में यह वीडियो शुक्रवार को सामने आई फुटेज का ही आगे का पार्ट लग लग रहा है। 'आप' के मंत्री सत्येंद्र जैन की सेल के अंदर की यह चौथी सीसीटीवी फुटेज है जो सामने आई है। कल के वीडियो में वह अपनी सेल के अंदर कुछ लोगों से मुलाकात और बातचीत करते दिख

रहे हैं। इस वीडियो में तिहाड़ जेल के सुपरिटेंडेंट अजीत कुमार को भी सत्येंद्र जैन के साथ बातचीत करते देखे गए थे। उन्हें इस महीने की शुरुआत में सस्पेंड कर दिया गया था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी इसके पहले जमानत पर सुनवाई के दौरान सत्येंद्र जैन पर आरोप लगाया था कि वे जेल के अंदर विशेष सुविधा हासिल कर रहे हैं।

बता दें कि, इससे पहले भी तिहाड़ के अंदर ही नाबालिग से रेप के आरोपी से जैन द्वारा मसाज कराने का वीडियो सामने आया था, जिसके बाद भाजपा ने दिल्ली में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) को घेरना शुरू कर दिया था। हालांकि, तब 'आप' ने इसे मसाज के बजाय इलाज (फिजियोथैरेपी) बताया था।

गौरतलब है कि पिछले शनिवार को 'आप' उस समय आलोचनाओं के घेरे में आई थी जब जैन की जेल में कथित तौर पर मसाज कराते और लोगों से मिलते हुए एक वीडियो सामने आया था। जैन मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों पर पिछले पांच महीने से न्यायिक हिरासत में हैं। उस कथित वीडियो में जैन को जेल की अपनी कोठरी में अपने बिस्तर पर लेटकर कुछ दस्तावेजों को पढ़ते तथा लोगों से मिलते हुए कमर और पैरों की मालिश कराते हुए देखा जा सकता है। वीडियो में मिनरल वाटर की बोतलें और एक रिमोट भी देखा गया। एक वीडियो में वह कुर्सी पर बैठकर सिर की मालिश कराते हुए देखे गए थे।

झरने के पास सेल्फी लेने के दौरान हादसा, फिसलकर गिरने से मदरसे की 4 छात्राओं की मौत

बेंगलुरु। कर्नाटक में एक झरने के पास सेल्फी लेने के दौरान फिसलकर डूबने से चार छात्राओं की मौत का मामला सामने आया है। यह घटना शनिवार दोपहर में बेलगावी तालुक की सीमा के पास स्थित किटवाड़ जलप्रपात में हुई। ये सभी बेलागवी की रहने वाली थीं और कामत गली में स्थित एक मदरसे के छात्राएं थीं। इनकी पहचान उज्ज्वल नगर की आसिया मुजावर (17), अंगोल के कुदशिया हसन पटेल (20), बेलगावी के जाटपत कॉलोनी की रुखसार भिस्ती (20) और तस्मिया के रूप में हुई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, मदरसे के कुल 40 छात्र शनिवार सुबह किटवाड़ झरना घूमने गए थे। बताया जा रहा है कि यह हादसा उस उक्त हुआ जब वे झरने के पास खड़े होकर कुछ लोग सेल्फी ले रहे थे। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से 5 छात्र पानी में गिर गए। तट के पास खड़े लोगों सहित कोई भी तैरना नहीं जानता था, इसलिए लड़की को बचाया नहीं जा सका।

एक लड़की की हालत गंभीर

झरने में गिरने के बाद एक लड़की को किसी तरह बचा लिया गया और अस्पताल ले

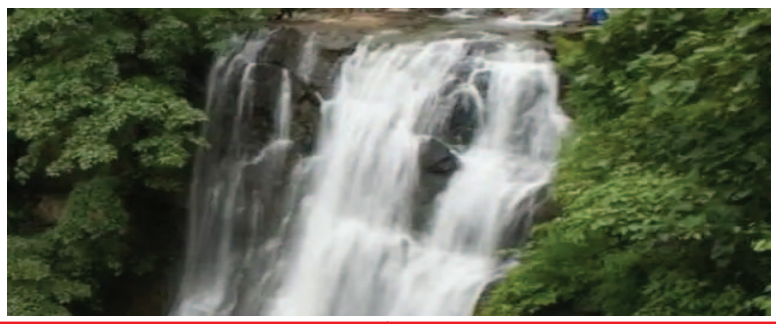

जाया गया। जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने कहा कि उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे की खबर सुनते ही जिला अस्पताल में बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। पुलिस ने एहतियात के तौर पर परिसर के आसपास अतिरिक्त बल तैनात कर दिए। पुलिस उपायुक्त रवींद्र गदादी और बिम्स अस्पताल के सर्जन अन्नासाहेब पाटिल स्थिति की निगरानी के लिए अस्पताल पहुंचे।

कुएं में गिरने से 2 लोगों की मौत

वहीं, राजस्थान के भीलवाड़ा जिले के करेड़ा थाना इलाके में पिछले 24 घंटे में दो

● इनकी पहचान उज्ज्वल नगर की आसिया मुजावर (17), अंगोल के कुदशिया हसन पटेल (20), बेलगावी के जाटपत कॉलोनी की रुखसार भिस्ती (20) और तस्मिया के रूप में हुई है।

अलग-अलग हादसों में कुएं में गिरने से 2 किसानों की मौत हो गई। सहायक उप निरीक्षक ताज मोहम्मद ने बताया कि चिलेश्वर निवासी गणपत सिंह चुंडावत 55 शुक्रवार को अपने खेत पर गए। शाम को घर नहीं लौटे। परिजनों ने तलाश की, नहीं मिले। शनिवार सुबह उनका शव कुएं में तैरता मिला।